नई दिल्ली, बुधवार, 07 अगस्त, 2024 | श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया, संवत् 2081

हरियाली तीज आज

राजस्थान पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष : 20 | अंक : 15 | पृष्ठ 12 | ₹5.00

patrika.com /rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

मीराबाई चानू की नजर ऐतिहासिक पदक पर

@स्पोर्ट्स &गेमिंग

ओलंपिक में भारत... आज

- **भारोत्तोलन** — **मीराबाई चानू,** 49किग्रा मैच, रात 11.00 बजे से
- **टेबल टेनिस** — भारत बनाम जर्मनी, महिला टीम क्वार्टर फाइनल, दोपहर 1.30 बजे
- **कुश्ती** — **अंतिम पंघाल,** महिला 53 किग्रा, दोपहर 3.05 बजे से
- **गोल्फ** — **अदिति अशोक व दीक्षा डागर,** पहला राउंड, दोपहर 12.30 बजे से
- **एथलेटिक्स** — **प्रियंका गोस्वामी व सूरज पंवार,** मिश्रित मैराथन वॉक रिले, सुबह 11.00 बजे
- **सर्वेश कुशारे,** पुरुष ऊंची कूद क्वालीफिकेशन, दोपहर 1.35 बजे
- **अन्नू रानी,** महिला भाला फेंक क्वालीफिकेशन, दोपहर 1.55 बजे
- **अबूबकर व चित्रावल,** पुरुष तिहरी कूद क्वालीफिकेशन, रात 10.45 बजे

पेरिस ओलंपिक : रजत पदक पक्का

विनेश ने रचा इतिहास भारत की बेटी फाइनल में

अब... देश के सम्मान के लिए

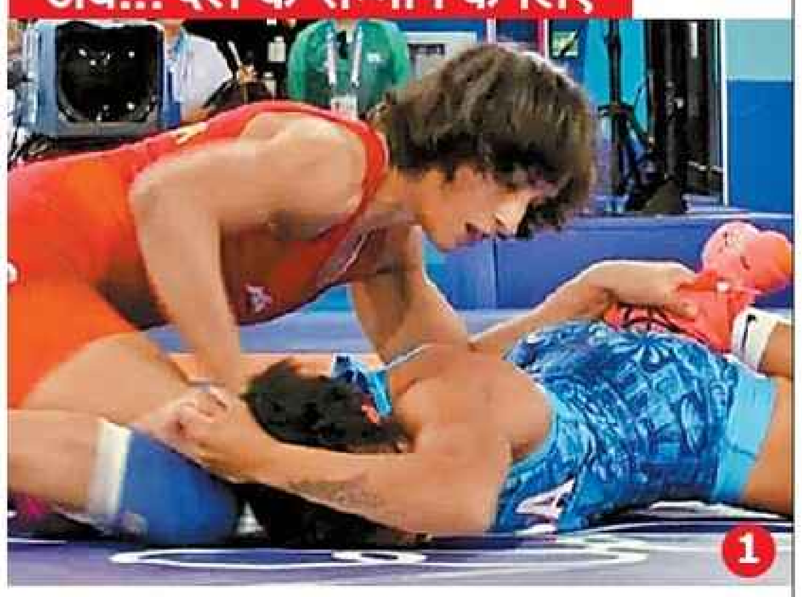

तब... बेटियों के मान के लिए

1. पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में मंगलवार को क्यूबा की पहलवान लोपेज को पटकनी देती विनेश।
2. गत वर्ष संसद मार्च के दौरान पुलिसकर्मियों से जूझती विनेश।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. गत वर्ष भारतीय कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोलने वाली भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने इतिहास रच दिया है। पेरिस ओलंपिक में विनेश ने महिलाओं के 50 किलोग्राम भारवर्ग के कुश्ती के सेमीफाइनल में क्यूबा की पहलवान लोपेज गुजमान को 5-0 के हरा दिया। वह ओलंपिक में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई हैं। इस जीत के साथ उन्होंने रजत पदक पक्का कर लिया और गोल्ड के लिए बुधवार को दांव लगाएंगी।

गत वर्ष सड़कों पर किया था संघर्ष

गौरतलब है कि पिछले साल विनेश और उनके साथ दो पूर्व ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग और साक्षी मलिक ने बृजभूषण पर महिला पहलवानों के यौन शोषण और छेड़खानी के आरोप लगाते हुए उन्हें हटाए जाने की मांग की थी। पहलवानों ने कई दिन तक नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इसके बाद संसद मार्च किया तो पुलिस ने उन्हें रोका और विनेश और साक्षी को सड़क पर गिरा दिया गया था।

आरंभ है प्रचंड... नीरज पहले ही थ्रो से फिर फाइनल में

अपने पहले ही प्रयास में **89.34 मीटर** का थ्रो फेंका, **खिताबी होड़** में 12 एथलीट उतरेंगे

मंगलवार को स्पर्धा के दौरान भाला फेंकते **नीरज चोपड़ा**

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. टोक्यो ओलंपिक खेलों के चैंपियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा गुरुवार रात फाइनल के लिए उतरेंगे तो देश के 140 करोड़ लोगों की उम्मीदें उन पर टिकी होंगी। नीरज ने मंगलवार को ओलंपिक में जेवेलिन थ्रो के क्वालीफाइंग राउंड में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 89.34 मीटर का थ्रो फेंक कर फाइनल में जगह बनाई। हालांकि किशोर जेना ने निराश किया और बाहर हो गए।

विस्तृत@स्पोर्ट्स&गेमिंग

महिला वेटलिफ्टिंग

मीराबाई चानू बदल सकती हैं पदक का रंग

पेरिस. टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू बुधवार को अपने पदक का रंग बदलने के लिए उतरेंगी। वह इस स्पर्धा में एकमात्र भारतीय उम्मीद हैं और महिलाओं की 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश करने उतरेंगी।

पड़ोस में अशांति : भारत ने जताई चिंता, अंतरिम सरकार की कवायद तेज

बांग्लादेश में उपद्रवी बेलगाम...

बड़े पैमाने पर हिंदुओं के ठिकानों पर हमला-तोड़फोड़

पुलिस हड़ताल पर, नोबेल विजेता यूनुस अंतरिम सरकार के मुखिया

सेना में टॉप पदों पर बड़े बदलाव

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ढाका/ नई दिल्ली. बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी आंदोलन के कारण हुए तख्ता-पलट के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा जारी है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद की हिंसक घटनाओं में 100 से ज्यादा लोग मारे गए। मरने वालों का आंकड़ा 450 से ज्यादा हो गया है। बांग्लादेश के करीब 27 जिलों में बड़ी संख्या में हिंदू, सिख और अन्य अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, प्रतिष्ठानों और घरों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। भारत सरकार ने इस पर चिंता जताई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में कहा, 'जब तक वहां कानून व्यवस्था की स्थिति सामान्य नहीं हो जाती हमारी गहरी चिंता बनी रहेगी।' बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने संसद भंग कर नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुखिया नियुक्त कर दिया। शेष@पेज10

'बंगाल की खाड़ी को अमरीका के लिए छोड़ दिया होता तो सत्ता में रहती' @पेज12

हसीना को ब्रिटेन में शरण पर अड़चन

अपना देश छोड़कर फिलहाल भारत आई हसीना को अज्ञात सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। हसीना को राजनीति शरण देने में ब्रिटेन का कानून आड़े आ रहा है। आव्रजन नियम उन व्यक्तियों को ब्रिटेन आने की अनुमति नहीं देते हैं जो वहां शरण लेने के लिए आते हैं। सूत्रों ने कहा कि जब तक उनके ब्रिटेन जाने की स्थिति साफ नहीं होती तब तक हसीना भारत में ही रह सकती हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में आधिकारिक तौर पर हसीना के भारत में होने की जानकारी दी और कहा कि शॉर्ट नोटिस पर हसीना को यहां आने की अनुमति दी गई।

स्वतंत्र चुनाव से ही बदलाव : यूनुस

अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के प्रस्ताव पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। अंतरिम सरकार तो सिर्फ एक शुरुआत होगी। अंतिम तौर पर शांति तो स्वतंत्र चुनाव कराने के बाद ही आएगी। बिना चुनाव के कोई बदलाव नहीं होगा।
-मोहम्मद यूनुस, नोबेल विजेता

मंदिरों पर भी निशाना

मेहरपुर में इस्कॉन मंदिर में की गई तोड़फोड़ और क्षतिग्रस्त मूर्ति।

होटल में आगजनी, 25 मरे

जशोरे में अवामी लीग के सांसद के होटल में लगाई आग में 25 लोग जल गए।

सर्वदलीय बैठक : विपक्ष ने दिया भरोसा, हर संभव सहयोग देंगे

नई दिल्ली में सरकार ने संसद भवन में एक सर्वदलीय बैठक में बांग्लादेश के घटनाक्रम पर चर्चा की और राष्ट्रीय आम सहमति बनाने की कोशिश की। विपक्ष ने इस मसले पर सरकार को हर तरह का समर्थन देने का भरोसा जताया। बैठक के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर बैठक की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में चल रहे घटनाक्रम के बारे में आज संसद में एक सर्वदलीय बैठक में जानकारी दी गई। हम सर्वसम्मति से दिए गए समर्थन और समझ की सराहना करते हैं।' बैठक में एस. जयशंकर के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, किरेन रिजिजू, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य लोग शामिल हुए।

शरणार्थियों पर सोच-समझकर फैसला करें

पत्रिका व्यू

बांग्लादेश में उथल-पुथल के हालात के बीच वहां रह रही अल्पसंख्यक हिंदू आबादी पर जिस तरह से हिंसा की खबरें आ रहीं हैं उसमें एक बार फिर शरणार्थी के रूप में भारत का रुख करने वाली बड़ी आबादी का दबाव बनने की आशंका बन गई है। वैसे भी बांग्लादेश में हिंदू आबादी प्राय: कट्टरपंथियों के निशाने पर रही है। जानकारों का कहना है कि शेख हसीना के बांग्लादेश की राजनीति से बाहर होने के बाद वहां हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर खतरा और बढ़ गया है जिसकी परिणति भारत के लिए शरणार्थी समस्या लेकर आ सकती है। बांग्लादेश से घुसपैठ तो पहले से ही होती रही है और इस घुसपैठ के जरिए बांग्लादेश की बड़ी आबादी पहले ही भारत आ चुकी है जिनमें वहां के बहुसंख्यक ज्यादा हैं। बांग्लादेश गठन के पूर्व भी भारत में बड़े पैमाने पर शरणार्थी वहां से भारत आए थे। उनके पुनर्वास को लेकर भारत को आर्थिक मोर्चे पर कई परेशानियां झेलनी पड़ी थी। संकट के समय शरणार्थी के रूप में बांग्लादेश से भारत आने वालों के बारे में सरकार जो निर्णय करे वह तो सोच-समझकर होना ही चाहिए। जानकारों का मानना है कि बांग्लादेश से आए घुसपैठियों को बाहर निकालना सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। इसके लिए ठोस व कठोर निर्णय लेना होगा।

विशेष आलेख@पत्रिकायन

मानसून मेहरबान : पहाड़ों से मैदान तक आज से पांच दिन मूसलाधार के आसार

मेघ मल्हार... राजस्थान-एमपी-छग समेत कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) ने आने वाले पांच दिन में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। राजस्थान के कई इलाकों में सात अगस्त को अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों, बिहार, बंगाल, ओडिशा, असम व सिक्किम में भी भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में सात अगस्त, पूर्वी मध्य प्रदेश और गुजरात में सात-आठ अगस्त को भारी बारिश की चेतावनी दी है। हिमाचल प्रदेश में 7 व 10 अगस्त को, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 7 अगस्त और उत्तराखंड में 6,7,9 व 10 अगस्त को मूसलाधार बारिश हो सकती है। पूर्वी यूपी, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर में भी सात दिन के दौरान हल्की बारिश की संभावना है। बिहार के कुछ इलाकों में 7 से 11 अगस्त के बीच मूसलाधार बारिश हो सकती है।

फंसे हैं खेवैया....मझधार में नैया!

लोहावट (फलोदी). लोहावट क्षेत्र में दो दिनों से हो रही बारिश के कारण कई गांव व कस्बे पानी से घिर गए हैं। इस दौरान ट्यूब की मदद से लोहावट थाने से बाहर निकलता पुलिसकर्मी। थाना परिसर में करीब 3 फीट पानी भरा है।

बिहार से राजस्थान तक नया मौसमी तंत्र

आइएमडी के मुताबिक बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश होते हुए पश्चिमी राजस्थान तक नया मौसमी तंत्र बना हुआ है। इससे कई राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान के ऊपर बना निम्न दबाव का केंद्र भले कमजोर पड़ गया है, लेकिन नए मौसमी तंत्र के कारण राज्य के कई इलाकों में बारिश का दौर जारी है। राजस्थान से सटे गुजरात और अन्य राज्यों में भी बारिश हो सकती है।

सख्ती : एंटीट्रस्ट मामले में कोर्ट से झटका

गूगल ने एकाधिकार के लिए सर्च में अपनाए अवैध तरीके

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. अमरीका की एक संघीय अदालत ने इंटरनेट की दुनिया की अग्रणी सर्च कंपनी गूगल को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने एंटीट्रस्ट मामले के फैसले में कहा कि गूगल ने सर्च मार्केट में एकाधिकार के लिए अवैध तरीके अपनाए। कंपनी ने अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल करते हुए सर्च और विज्ञापन जगत में दबदबा बनाया।

अमरीका की संघीय अदालत के भारतीय मूल के जस्टिस अमित मेहता ने कहा कि गूगल ऑनलाइन सर्च बाजार के 90% और स्मार्टफोन सर्च बाजार के 95% हिस्से को नियंत्रित करता है। गूगल ने दुनियाभर में डिफॉल्ट सर्च इंजन बनने के लिए 26 अरब डॉलर (करीब 2,18,196 करोड़ रुपए) खर्च किए, जिससे बाजार में दूसरे प्रतिस्पर्द्धियों के कामयाब होने का रास्ता बंद हो गया। जस्टिस मेहता ने कहा कि फोन और ब्रॉउजरों पर एकाधिकार बनाने के बाद गूगल ने ऑनलाइन विज्ञापन की कीमतों में मनमाने ढंग से बढ़ोतरी की। इस फैसले के बाद अमरीकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा कि यह महत्त्वपूर्ण जीत है। यह मामला 2020 में अमरीका डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की ओर से दर्ज कराया गया था। माना जा रहा है कि किसी भी प्रमुख टेक कंपनी के खिलाफ बड़ी एंटीट्रस्ट कार्रवाई है। मेटा प्लेटफॉर्म, अमेजन और एपल के खिलाफ भी इसी तरह के मुकदमे दायर किए गए हैं। गूगल फैसले के खिलाफ अपील की योजना बना रहा है।

भारत में भी मुसीबतें

नई दिल्ली. एलाइंस ऑफ डिजिटल फेडरेशन (एडीआइएफ) ने भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग (सीसीआइ) में गूगल के खिलाफ एंटी-कॉम्पिटीटिव प्रैक्टिस करने के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में ऑनलाइन सर्च व डिस्प्ले विज्ञापन में गूगल के प्रभुत्व और 'खराब रवैए' को निशाना बनाया गया। फेडरेशन ने कहा कि इससे प्रतिस्पर्द्धा कमजोर होती है।

परदेश में परचम

राष्ट्रपति मुर्मु को फिजी का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

सुवा @ पत्रिका. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को मंगलवार को फिजी के राष्ट्रपति रातू विलियम मैवालिली काटोनिवेरे ने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ फिजी' से सम्मानित किया। मुर्मु ने फिजी की संसद को भी संबोधित किया, भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की।

झरोखा

हैदराबाद

ट्रेंडिंग न्यूज

मृत घोषित आरोपी 20 साल बाद गिरफ्तार

हैदराबाद@पत्रिका. सीबीआइ ने बैंक धोखाधड़ी के मामले में 20 साल से फरार आरोपी वी. चलपति राव को गिरफ्तार कर लिया है। उसे हैदराबाद की एक अदालत ने कुछ साल पहले मृत घोषित कर दिया था। राव ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पहचान और ठिकाने बार-बार बदले।

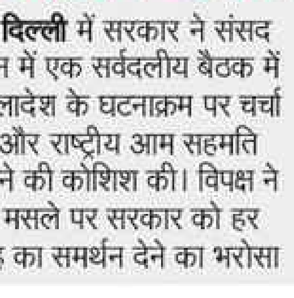

नौकरी घोटाला

लालू-तेजस्वी के खिलाफ नई चार्जशीट

नई दिल्ली@ पत्रिका. जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी ने 11 आरोपियों के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में नई चार्जशीट दाखिल की है। इनमें लालू यादव, तेजस्वी यादव व मीसा भारती शामिल हैं। आरोप है कि लालू परिवार ने रेलवे में नौकरी के बदले लोगों से जमीन ली थी।

सावधान ऑस्ट्रिया की प्राइवेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के शोध में खुलासा

प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीने से बढ़ सकता है रक्तचाप

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. बस, ट्रेन और विमान के सफर के दौरान लोग प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल करते हैं। घरों में भी इनका इस्तेमाल आम है। शोध में पता चला है कि प्लास्टिक की बोतलों से पानी पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इन बोतलों का पानी रक्त प्रवाह में प्रवेश करने वाले छोटे प्लास्टिक कणों के कारण रक्तचाप बढ़ा सकता है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोप्लास्टिक्स जर्नल में प्रकाशित शोध में बताया कि खाने-पीने की चीजों के साथ माइक्रो-प्लास्टिक के कण रक्त व अन्य ऊतकों तक पहुंच सकते हैं। ऑस्ट्रिया में डेन्यूब प्राइवेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने शोध में प्रतिभागियों को शामिल किया। उन्होंने पाया कि जिन्होंने प्लास्टिक व कांच की बोतलों से पानी पीना बंद कर दिया व दो हफ्ते तक नल के पानी का सेवन किया, उनके रक्तचाप में काफी कमी आई।

माइक्रोप्लास्टिक के कणों का रक्त और अन्य ऊतकों तक पहुंचने का खतरा

कांच की बोतलों के पैक पदार्थों में भी...

इससे पहले एक शोध में बताया गया था कि इंसान हर हफ्ते करीब पांच ग्राम माइक्रोप्लास्टिक का सेवन करते हैं, जो एक क्रेडिट कार्ड के वजन के बराबर है। कांच की बोतलों में पैक तरल पदार्थों में भी माइक्रोप्लास्टिक पाए गए। माइक्रोप्लास्टिक दुनियाभर में चिंता का कारण बने हुए हैं। इनसे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन और कैंसर शामिल है।

खतरे से बचने के विकल्प जरूरी

शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग लंबे समय से प्लास्टिक की बोलतों से पानी पी रहे हैं, उनका ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ हो सकता है। लोगों को इसके विकल्प ढूंढने चाहिए, ताकि माइक्रोप्लास्टिक के खतरों से बचा जा सके। अनजाने में निगलने पर प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण आंतों और फेफड़ों में सेल्स बैरियर्स तोड़ सकते हैं।

हाईकोर्ट : छात्रा को सुसाइड के लिए उकसाने के केस में शिक्षिका की अर्जी खारिज

'स्कूल में बच्चों को सुधारने के लिए शारीरिक दंड देना नहीं हो सकता शिक्षा का हिस्सा'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि स्कूल में बच्चों को सुधारने के लिए शारीरिक दंड देना शिक्षा का हिस्सा नहीं हो सकता। यह अनुच्छेद 21 में वर्णित बच्चे की जीवन की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है और उसकी गरिमा छीनता है। कोर्ट ने एक शिक्षिका की याचिका खारिज कर दी, जिसमें 12 साल की छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के संबंध में उसके खिलाफ एफआइआर रद्द करने की मांग की गई थी।

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की पीठ ने कहा, अनुशासन या शिक्षा के नाम पर बच्चे के साथ शारीरिक हिंसा क्रूरता है। शेष@पेज10

यह है मामला

छत्तीसगढ़ के सरगुजा की स्कूल की दो छात्राओं को शौचालय में मिलने पर शिक्षिका एलिजाबेथ जोस ने पहचान पत्र जब्त कर लिए थे। इनमें से छठी कक्षा की छात्रा ने परिजनों को शिकायत भेजने के डर से आत्महत्या कर ली थी। शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

वकील की दलील

शिक्षिका के वकील ने दलील दी कि छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने का कोई इरादा नहीं था। शिक्षिका सिर्फ स्कूल में अनुशासन बनाए रखने के लिए कर्त्तव्यों का पालन कर रही थी। कोर्ट ने कहा कि याचिका के इस दावे पर गौर नहीं किया जा सकता कि याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप झूठे हैं।

8 राज्य, 38 संस्करण | अजमेर ▪ अलवर ▪ अहमदाबाद ▪ इंदौर ▪ उज्जैन ▪ उदयपुर ▪ कोटा ▪ कोलकाता ▪ खंडवा ▪ ग्वालियर ▪ चेन्नई ▪ छिंदवाड़ा ▪ जगदलपुर ▪ जबलपुर ▪ जयपुर ▪ जोधपुर ▪ झुंझुनूं ▪ दिल्ली ▪ नागौर ▪ नर्मदापुरम ▪ पाली ▪ बाड़मेर ▪ बांसवाड़ा ▪ बिलासपुर ▪ बीकानेर ▪ बेंगलूरु ▪ भरतपुर ▪ भिलाई ▪ भीलवाड़ा ▪ भोपाल ▪ रतलाम ▪ रायपुर ▪ सतना ▪ सागर ▪ सीकर ▪ सूरत ▪ शहडोल ▪ श्रीगंगानगर

पोलमपोल भायो

जैपुर अर अजमेर बिच, गैला में नित जाम।
करे 'वसूली' बिन सड़क, कहै 'टोल' छै नाम!!

पाली शहर लबालब

सावन में झमाझम: बस्तियां डूबीं शहर पानी-पानी

जयपुर. सावन में लगातार चल रही बारिश ने जहां नदी नालों में उफान ला दिया है, वहीं निचले इलाकों में बसे गांव, कस्बों और बस्तियों को जलमग्न कर दिया है। एक तरफ सूखे कुओं में पानी छलकने लगा है तो दूसरी तरफ रास्तों और सड़कों पर भरे बारिश के पानी ने आवागमन दुश्वार कर दिया है। जोधपुर, बारां, झालावाड़ और पाली में बारिश ने ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोल दी। दो दिन से लगातार हो रही बारिश से पाली शहर पूरा लबालब हो गया। शहर की 70 से ज्यादा कॉलोनियां जलमग्न हैं। बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात को बयां करती नयागांव की तस्वीर। फोटो: **सुरेश हेमनानी,** ड्रोन सहयोग: **जैकी मालवीय**

स्कूल की छुट्टी होने के बाद बारिश के दौरान सीसवाली पुलिया पर बंद पड़ी वैन को धक्का लगाते लोग। फोटो: **योगेन्द्र वैष्णव**

शहर में बारिश के चलते सुभाष मार्ग के पास बिजली के पोल नीचे गिर गए, जिससे बिजली गुल रही। लोगों को इससे परेशानी हुई। फोटो: **मनोज सैन**

क्षेत्र में अच्छी बारिश से सुनेल क्षेत्र में कुओं का जलस्तर बढ़ गया है। सांगरिया गांव में लबालब हुआ कुआं और नहाते हुए युवक। फोटो: **मेघा जैन**

पाली शहर के रामदेव रोड पर बारिश के बाद लोग घरों से बाहर आ गए और मौसम का भरपूर आनंद लिया। सड़क पर बहते पानी में नहाते लोग।

न्यूज़ शॉर्ट्स

15 लाख रुपए की अफीम पकड़ी, एक आरोपी गिरफ्तार

निवाई @ पत्रिका. जयपुर-कोटा मार्ग स्थित गांव पहाड़ी में होटल से अफीम की तस्करी के आरोप में एक जने को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पुलिस ने तीन किलो अफीम तरल रूप में बरामद की है। बरोनी थानाधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए गए विशेष अभियान तहत बरोनी पुलिस व डीएसटी टीम संयुक्त कार्रवाई के लिए एनएच 52 तन पहाड़ी स्थित होटल निरंकार पैलेस एवं गेस्ट हाउस पहुंची। जहां एक कमरे में मांडलगढ़ निवासी दुर्ग सिंह (23) मिला। पुलिस ने शक आधार पर उसके बैग तलाशी ली। बैग में अफीम तरल रूप में मिली। दुर्गसिंह के कब्जे में मिले प्लास्टिक की थैली का वजन इलेक्ट्रोनिक कांटा से किया गया तो वजन 3 किलो पाया गया। जिसका बाजार मूल्य करीब 15 लाख रुपए बताया गया है। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दुर्ग सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से अफीम तस्करी के दौरान प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मादक पदार्थों के तस्करी के मामले में जांच निवाई थानाधिकारी हरिराम वर्मा को सौंप दी।

बूंदी: खाळ में बहने से बालक की मौत

हिण्डोली (बूंदी) @ पत्रिका. दबलाना थाना क्षेत्र के ग्राम बालापुरा में सोमवार शाम को नहाते समय खाळ में बह जाने से एक बालक की मौत हो गई। थाना प्रभारी मनोज सिंह सिकरवार ने बताया कि बालापुरा निवासी तेरह वर्षीय चीनू नहाते समय पैर फिसलने से खाह में बह गया। बाद में परिजनों को जानकारी लगी। काफी मशक्कत के बाद उसे तलाश कर बाहर निकाला, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

जल्द वायरल होने के लिए युवा सोशल मीडिया पर ठगी का हो रहे शिकार

सावधान! ठग बदल रहे ट्रेंड, अब जालसाजों के निशाने पर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. युवाओं में अपने आप को सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बनाने का क्रेज चढ़ा हुआ है। चाहे इंस्टाग्राम हो या फिर यू-ट्यूब या फिर फेसबुक पर अपने फॉलोअर बढ़ाना हो। इन सबके लिए लगातार कंटेंट जनरेट कर रहे हैं। लेकिन कुछ लोग इसमें भी शॉर्टकर्ट ढूंढ रहे हैं। ऐसे इंफ्लुएंसर अब ठगों के निशाने पर हैं।

साइबर ठगों ने यू-ट्यूब पर फॉलोअर और वॉच टाइम बढ़ाने के नाम पर जोधपुर के एक युवा से 6500 रुपए वसूले गए। फिर संपर्क करने पर फोन बंद कर दिया गया। इसी तरह सोशल मीडिया आइडी की रीच बढ़ाने के लिए एक महिला इंफ्लुएंसर के पास ऑनलाइन मैसेज प्राप्त हुआ। महिला इंफ्लुएंसर ने इसे बढ़िया ऑफर समझा। जैसे ही ठगों को आइडी की डिटेल भेजी। ठगों ने उसकी हूबहू आइडी का क्लोन बना दिया गया, उसकी ऑरिजनल आइडी ही ब्लॉक हो गई। ऐसे कई मामले हैं जिनमें सोशल मीडिया के जरिये ठग अपना शिकार बना रहे हैं। अभी ट्रेंड कई मायनों में इंफलुएंसर का हैं, इसलिए ठग भी अपना टारगेट इनको बना रहे हैं। जल्दी वायरल होने के कारण युवा अभी सोशल मीडिया पर इस प्रकार की ठगी का शिकार हो रहे हैं।

केस 01 — डेढ़ लाख खाते से निकाले

जोधपुर के एक युवा को ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लिंक भेजा गया। एक आकर्षक ऑफर का दावा किया गया। लिंक पर क्लिक करते ही ठगों ने युवक के बैंक खाते से 1,55,000 रुपए निकाल लिए।

केस 02 — बैंक के नाम पर फर्जी संदेश

जोधपुर के एक दुकानदार को बैंक के नाम से एक फर्जी संदेश मिला, जिसमें 50,000 रुपए बोनस क्रेडिट होने का दावा किया गया था। संदेश में दिए गए लिंक पर क्लिक करते ही दुकानदार के खाते से 50,000 रुपए निकाल लिए गए।

इस तरह भी हो रही साइबर ठगी

- **सोशल** मीडिया पर ट्रेंडिंग टॉपिक्स और हैशटैग के जरिए भी धोखाधड़ी की जाती है।
- **रैनसमवेयर** एक प्रकार का मालवेयर है जो आपके कंप्यूटर या मोबाइल डिवाइस को लॉक कर देता है और तब तक एक्सेस नहीं देता जब तक कि आप एक निर्दिष्ट राशि का भुगतान नहीं कर देते। ये मालवेयर आमतौर पर ईमेल अटैचमेंट्स, फर्जी डाउनलोड्स या अनवांटेड लिंक के जरिए आपके डिवाइस में प्रवेश करता है।
- **आमतौर** पर फोन कॉल, ई-मेल या सोशल मीडिया के जरिए साइबर ठग खुद को बैंक का अधिकारी या सरकारी एजेंट बताकर आपकी बैंकिंग जानकारी मांग सकते हैं।

ठगी से ऐसे बचा जा सकता है

- **यदि** कोई ई-मेल या मैसेज संदिग्ध लगे, तो उसे तुरंत डिलीट कर दें।
- **सोशल** मीडिया पर शेयर की जा रही जानकारी को ध्यान से जांचें और केवल विश्वसनीय स्रोतों पर ही भरोसा करें।
- **अपने** डिवाइस में एंटीवायरस और अन्य सुरक्षा सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें और उन्हें नियमित रूप से अपडेट करें।
- **साइबर** फ्रॉड से बचने के उपाय मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें और उसमें कुछ यूनिक नम्बर होने चाहिए।
- **टू-फैक्टर** ऑथेंटिकेशन का उपयोग करें। यह एक अतिरिक्त सुरक्षा लेयर प्रदान करता है।
- **अपने** डिवाइस के सॉफ्टवेयर और एप्लिकेशन्स को नियमित रूप से अपडेट रखें।

(**संवितेश्वर पुरोहित,** साइबर एक्सपर्ट)

फतहसागर के रानी रोड पर बन रहे होटल-रेस्टारेंट

नो कंस्ट्रक्शन जोन में धड़ल्ले से हो रहे अवैध निर्माण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. फतहसागर झील किनारे रानी रोड पर नो कंस्ट्रक्शन जोन होने के बावजूद वहां धड़ल्ले से अवैध निर्माण होने के साथ ही बड़ी इमारतें खड़ी हो रही हैं। यहां निर्माण स्वीकृतियां कैसे दे दी, यह सोच से परे है। जबकि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने हाल ही इस क्षेत्र को निर्माण निषेध क्षेत्र घोषित करते हुए इसे संरक्षित करने के आदेश दे रखे हैं। खास बात यह है कि वहां निगम व यूडीए ने दिखावे के लिए निर्माण निषेध के बोर्ड लगा रखे। इसी बोर्ड के आगे पीछे अवैध निर्माण हो रहे हैं। कुछ भूमाफियाओं ने तो झील के व्यू दिखाने के लिए जमीन से दस फीट ऊपर तक पक्का निर्माण कर ऊपर लोहे के स्ट्रक्चर तक खड़े कर डाले। दिन रात निर्माण कार्य चल रहा है और जिम्मेदार जिला प्रशासन व नगर निगम को कुछ नहीं दिख रहा।

नियम की पालना

एनजीटी ने निर्णय में लिखा था कि सरकार किसी झील को वेटलैंड के रूप में अधिसूचित नहीं करे तब भी यदि वह भारत सरकार के वेटलैंड एटलस में उल्लेखित है तो उसे वेटलैंड संरक्षण नियम के अनुसार संरक्षित करना होगा। इस निर्णय से फतहसागर व अन्य झील संरक्षित है।

रानी रोड पर फतहसागर के जोन ऑफ इनफ्ल्यूएंस का हिस्सा तो है ही, अनिल मेहता बनाम राज्य सरकार प्रकरण में एनजीटी द्वारा पारित निर्णय के अनुसार सज्जन गढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी का हिस्सा भी है। ऐसे में वेटलैंड संरक्षण नियम के सेक्शन चार तथा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के प्रावधानों के तहत यहां हो रहे निर्माण उचित नहीं हैं। जिला प्रशासन को तुरंत एनजीटी के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करवानी चाहिए।

- अनिल मेहता, झील विशेषज्ञ

अंक गणना आवेदन की अंतिम तिथि आज

अजमेर @ पत्रिका. सीबीएसई के बारहवीं कक्षा की सप्लीमेंट्री परीक्षा में शामिल हुए विद्यार्थी मंगलवार से अंक गणना के आवेदन में जुट गए। विद्यार्थी बुधवार तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन 7 अगस्त तक किए जा सकेंगे। अंक गणना के लिए प्रति विषय 500 रुपए फीस देनी होगी। इसी तरह जंची हुई उत्तर कॉपी की प्रति के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 अगस्त को किए जा सकेंगे। प्रति विषय फीस 700 रुपए देनी होगी। पुनर्मूल्यांकन कराने के लिए 17 अगस्त को ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

दुस्साहस पर प्रहार

टिप्पणी
हरमिंदर लूथरा

सिलीसेढ़ और सरिस्का का अस्तित्व मिटाने का दुस्साहस करने वालों पर ठोस कार्रवाई के लिए अलवर जिला प्रशासन को बधाई ! इस कार्रवाई के बाद सिलीसेढ़ और सरिस्का के गुनहगारों में हड़कम्प मचा हुआ है। इधर, आमजन और प्रकृति प्रेमियों में खुशी की लहर है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि जो हिम्मत प्रशासन ने अब दिखाई, आगे भी दिखाता रहेगा।

यह राजस्थान पत्रिका के पाठकों के भरोसे की बड़ी जीत है। पत्रिका की खबरें एक बार फिर 'खरा सोना' साबित हुई हैं। तमाम प्रलोभन और धमकियों के बावजूद हम रुके नहीं। सिलीसेढ़ और सरिस्का को बचाने के लिए अनवरत खबरें प्रकाशित करते रहे। जिम्मेदारों को कठघरे में खड़ा करते रहे। 'आप क्या बिगाड़ लोगे हमारा' और ' खबरों से कुछ नहीं कर पाओगे' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने वाले अब चुप हैं। यकीनन, यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

दरअसल, यह पूरा खेल मिलीभगत का है, जो लम्बे समय से चल रहा था। मुट्ठीभर सरकारी अधिकारियों ने पैसे के लिए अपना 'ईमान' बेच दिया। कुछ ने रसूख के सामने घुटने टेक दिए। इन अधिकारियों ने आंखें बंद कर लीं और सिलीसेढ़ का अस्तित्व मिटाने का खेल चलता रहा। सरिस्का में भी अवैध तरीके से होटल व रिसॉर्ट खुल गए। इनमें ज्यादातर होटल-रिसॉर्ट प्रभावशाली लोगों के हैं। कुछ ने सिलीसेढ़ के बहाव क्षेत्र में आने वाले नालों पर पक्के निर्माण कर लिए। इनमें कुछ तो जनप्रतिनिधियों के रिश्तेदार हैं। कार्रवाई के नाम पर अब तक महज कागजी नोटिस दिए जा रहे थे। अतिक्रमणकारियों के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत कोई नहीं कर पा रहा था। तब राजस्थान पत्रिका ने इस गंभीर मुद्दे पर समाचार अभियान शुरू किया। अपनी खबरों से मिलीभगत के इस खेल को उजागर किया। मामला अदालतों तक गया। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई का साहस दिखाया।

harminder.luthra@in.patrika.com

हरियालो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) आज

अभियान: 40 हजार स्कूलों में लगेंगे एक करोड़ पौधे

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में हरियाली तीज के मौके पर बुधवार को हरियालो राजस्थान (एक पेड़ मां के नाम) अभियान के तहत स्कूलों में बड़े स्तर पर पौधरोपण उत्सव आयोजित किए जाएंगे। 40 हजार स्कूलों में शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। इस मौके पर स्कूलों में एक करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। शिक्षा विभाग के कर्मचारी-अधिकारी शिक्षक और छात्र-छात्राएं मिलकर पौधरोपण करेंगे। विभाग की ओर से पौधों की मॉनिटरिंग ऐप के जरिए की जाएगी। पौधे लगाने के बाद इनकी फोटो ऐप पर अपलोड करनी होगी। इसके अलावा ऐप में जानकारी अपलोड करने के बाद वृक्ष प्रेमियों को ऐप के माध्यम से प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा। यह प्रशस्ति पत्र शिक्षक को तबादले के दौरान भी काम आएगा। शिक्षक को इस प्रशस्ति पत्र के अंक मिलेंगे।

सामाजिक संस्थाओं के भरोसे स्कूल

स्कूलों में पौधरोपण के लिए शिक्षा विभाग ने 37 करोड़ रुपए का बजट दिया है, लेकिन अधिकतर स्कूलों में मंगलवार तक बजट नहीं पहुंचा। ऐसे में स्कूलों के सामने पौधरोपण कार्यक्रम कराने को लेकर संकट खड़ा हो गया है। स्कूल अपने स्तर पर ही कार्यक्रम कर रहे हैं। कोई स्कूल बच्चों से तो कोई सामाजिक संस्थाओं के जरिए पौधों की व्यवस्था कर रहे हैं।

शिक्षिकाओं को लहरिया पहनकर आने के आदेश: विभाग ने सभी शिक्षिकाओं को लहरिया पहनने के आदेश दिए हैं। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के अतिरिक्त महामंत्री अंजनी कुमार का कहना है कि शिक्षिकाओं को हरयालो राजस्थान के अवसर पर लहरिया पहन कर आने का आदेश अव्यवहारिक है।

सोशल प्राइड | भामाशाह शांतिलाल पैतृक गांव बरड़ोद में बनवा रहे अस्पताल, पत्नी की स्मृति में 4 बीघा भूमि पर निर्माण अंतिम चरण में

कोरोनाकाल में पत्नी को नहीं मिला इलाज...बना दिया अस्पताल

नरेन्द्र वर्मा
patrika.com

शांतिलाल जैन

भीलवाड़ा. अपनी माटी अपना गांव याद रखना राजस्थानियों की पहचान है। मुंबई में कारोबार लेकिन अपने गांव और अपने लोगों के भले के लिए कुछ करने की इच्छा और बिना इलाज के पत्नी की मौत की टीस ने गांव में सर्वसुविधा सम्पन्न अस्पताल खड़ा करवा दिया। गांव में सभी को अच्छा इलाज मिले और इलाज की कमी से जान न जाए, इसी भावना से मुंबई के कारोबारी भामाशाह शांतिलाल जैन (रायसोनी) हमीरगढ़ के निकट पैतृक गांव बरड़ोद में अस्पताल बना रहे हैं। चार बीघा क्षेत्र में बन रहे इस अस्पताल में चौबीस घंटे चिकित्सक एवं नर्सिंगकर्मी की सुविधा मिले, इसके लिए परिसर में स्टॉफ कॉलोनी बनवा रहे हैं। निर्माण कार्य पर ढाई करोड़ से अधिक राशि खर्च होगी।

जैन ने बताया कि भीलवाड़ा में कारोना काल में पत्नी रतन देवी के लिए जीवन रक्षक उपकरण मुहैया नहीं करा सके ऐसे में पत्नी को असमय खो दिया। यही दुख कचोटता है।

भीलवाड़ा जिले के बरड़ोद गांव में तैयार करवा रहे अस्पताल। पत्रिका

दस हजार लोग होंगे लाभान्वित

इसी साल दीपावली तक अस्पताल का लोकार्पण कर देंगे। कम से कम दो चिकित्सक व नर्सिंग स्टॉफ रहेगा। अस्पताल शुरू होने से बरड़ोद तथा आस-पास के दस गांवों के दस हजार से अधिक लोग लाभान्वित हो सकेंगे। अस्पताल के निर्माण कार्य में जिला प्रशासन, स्थानीय सरपंच, ग्राम पंचायत का पूर्ण सहयोग रहा है।

जांच मशीनें लगेंगी, एम्बुलेंस भी आएगी

जैन बताते हैं कि यदि सरकार या प्रशासन अस्पताल का संचालन करना चाहेंगे तो वह भवन उपलब्ध करा देंगे। जरूरत के मुताबिक जांच मशीनें एवं जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध रहेंगे। दूसरी तरफ जैन की बेटियों ने भी अस्पताल के लिए सामूहिक रूप से एक चिकित्सा एम्बुलेंस देने की घोषणा की है।

जमीन सरकार ने दी

उन्होंने बताया कि पत्नी की स्मृति में सौ.श्रीमती रतनदेवी शांतिलाल जैन राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बना रहे हैं। अस्पताल के लिए जमीन सरकार ने दी। निर्माण कार्य खुद करा रहे हैं। अप्रेल 2023 में निर्माण शुरू हुआ, जो जल्द पूर्ण हो जाएगा।

गांव में होते विशेष आयोजन

जैन ने यहां गांव में सांवरिया सेठ के मंदिर के दरवाजे लगवाए। यहां जन्माष्टमी एवं अन्नकूट पर विशेष कार्यक्रम होते हैं। इतना ही नहीं गांव के मोक्षधाम की कायापलट भी उन्होंने निजी स्तर पर करवाई है।

बंटवारे की रिपोर्ट के बदले मांगी रिश्वत

बाड़मेर में पटवारी 9 हजार की रिश्वत लेते रंगे-हाथों गिरफ्तार

बाड़मेर @ पत्रिका. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) बाड़मेर ने मंगलवार को रामसर तहसील के बूठिया पटवार मंडल के पटवारी को 9 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। पटवारी ने परिवादी से पुश्तैनी जमीन के बंटवारे की रिपोर्ट बनाने के बदले 15 हजार की रिश्वत मांगी थी। आरोपी पांच हजार रुपए पहले ही ले चुका था। पटवारी अभी प्रोबेशन पीरियड में चल रहा था।

उप अधीक्षक किशनसिंह चारण के नेतृत्व में टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाने के बाद पटवारी भूराराम को 9 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। परिवादी से रिपोर्ट के लिए 15 हजार मांगे थे, बाद में 14 हजार देना तय हुआ। इस बीच परिवादी ने परेशान होकर एसीबी को शिकायत कर दी।

'मां शरीर में बहती है' पर प्रतिक्रियाएं

मां के आधार के बिना जीवन में खड़ा रहना मुश्किल

जीवन में खड़े रहने के लिए आधार की आवश्यकता होती है। मां ऐसा आधार है जिसके बिना हम खड़े नहीं रह सकते। यही वजह है कि मां बिना शब्दों से ही भाव को समझ जाती है। मां की महत्ता बताते पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी के अग्रलेख 'मां शरीर में बहती है' को प्रबुद्ध पाठकों ने दिल को छू लेने वाला बताया है। पाठकों का कहना है कि अग्रलेख मां के प्रति आदरभाव जगाने वाला है साथ ही संतान के पोषण में मां की भूमिका को भी आगे रखने वाला है। **पाठकों की प्रतिक्रियाएं विस्तार से...**

वर्तमान पीढ़ी हमारी भारतीय संस्कृति, सभ्यता और गरिमा से जुड़े जिन नामों से विमुख होती जा रही है उनमें सबसे ऊपर मां है। जबकि मां के नाम से ही ऊर्जा का संचार होता है। रामचरितमानस में भी निषाद राज जब अपनी मां का राम से परिचय कराते हैं तो राम कहते हैं कि यह हमारी भी मां है। अग्रलेख मां के प्रति श्रद्धा का भाव पैदा करता है।
-प्रवीण शर्मा, जयपुर

अग्रलेख 'मां शरीर में बहती है' अलग ही अनुभूति देने वाला है। निश्चित तौर पर इस धरती पर मां ईश्वर का रूप है। मां के हाथों से बना भोजन एक तरह से प्रसाद का अनुभव करवाता है। शटलर लक्ष्य सेन के मां के प्रति भावों का उल्लेख करते हुए अग्रलेख में सही मायने में मां के प्रति श्रद्धा भाव रखने की जरूरत बताई गई है।
-रजनीश कुमार, हनुमानगढ़ जंक्शन

मां बालक की प्रथम गुरु होती है। इसलिए यह भी कहा गया है कि मां का जैसा आचार-विचार, खान-पान और मन होगा, वैसा ही संतान में प्रभाव होगा। नई पीढ़ी को मां का महत्व समझाना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि शिक्षा के प्रभाव में बच्चे मां से दूर होते जा रहे हैं। समुचित मार्गदर्शन के अभाव में वे एकाकी बनकर ही रह जाते हैं। उन्हें बिना शब्दों के ही मां का आशीर्वाद मिलता है, जो उनके विकास में पोषण का काम करता है। मां शब्द की महिमा का जितना गुणगान किया जाए, वह बहुत कम है। **-स्नेहलता शर्मा,** जयपुर

मां का स्थान सर्वोपरि है। संतान को इंसान बनाने का काम मां ही करती है। जीवन में मिठास घोलने तथा सपनों को साकार करने की प्रेरणा भी मां के जीवन पर आधारित है। इसीलिए सही कहा है कि मां बिना शब्दों के भावों से ही संतान का पोषण करती है। मां प्रारंभ से लेकर जीवन भर तक संतान को संस्कारवान बनाती है।
-बिहारी लाल बालान, लक्ष्मणगढ़ सीकर

अग्रलेख आधुनिक शिक्षा व्यवस्था और संतानों के पालन-पोषण में आ रही विकृतियां व दूषित होते खान-पान पर कड़ा प्रहार है। नारी की भूमिका संतान के ही नहीं बल्कि पूरे परिवार के निर्माण में पुरुष की अपेक्षा हजार गुना ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। संतान माता के शरीर का ही एक भाग होती है।
-डॉ. राकेश कुमार गुर्जर, सीकर

शटलर लक्ष्य सेन का अपनी सफलता के लिए माता के योगदान का उल्लेख करना उन्हें और महान खिलाड़ी के रूप में दर्शाता है। अग्रलेख में मां के महत्व को प्रतिपादित किया है। सफल खिलाड़ियों के पीछे उनकी माताओं के योगदान को याद करना मातृ शक्ति को और अधिक मजबूत करना है। **-अनुज शर्मा,** रतलाम

अग्रलेख में सही चिंता जाहिर की गई है कि किस तरह से बच्चे मां के हाथ से बने भोजन से दूर होते जा रहे हैं। ओलंपिक में गए भारतीय शटलर और उनकी मां के भावों को जाहिर कर अग्रलेख के जरिए मां की महत्ता बताई गई है। बहुत सही लिखा है कि आज शिक्षित मां को रसोई से विमुख कर दिया गया है। **-आशीष भगत,** छिंदवाड़ा

अग्रलेख विचारशील दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिसमें मां के प्रेम और त्याग को संतान की सफलता और समाज में उसकी भूमिका से जोड़कर देखा गया है। साथ ही मातृत्व की सच्ची परिभाषा और उसकी शक्ति को प्रकट करता है, जो जीवन भर संतान के साथ प्रवाहित रहती है।
- डॉ. पूनम संजू, रायपुर

मां, सिर्फ एक शब्द नहीं, बल्कि एक संपूर्ण विश्व है। मां का प्यार सबसे निस्वार्थ और अटूट होता है। वह हमें जीवन देती है, हमारा पालन-पोषण करती है और हमेशा हमारे लिए खड़ी रहती है। सही मायने में मां एक ऐसा आधार है, जिसके बिना हम खड़े नहीं हो सकते। वह हमें जीवन के हर मोड़ पर सहारा देती है। मां का प्यार हमें मजबूत बनाता है और हमें मुश्किल समय में संबल देता है।
-मनीष मानिकपुरी, भिलाई

मां के हाथ से बने भोजन में ताकत और चमक होती है। आज के समय में मां से दरकते रिश्ते, संतान उत्पत्ति के अलग-अलग तरीके जो उन्हें प्राकृतिक धरातल से दूर करते हैं। मन की जगह बुद्धि से काम लेने पर क्या दुष्परिणाम होता है। अग्रलेख में आध्यात्मिक और विज्ञान की कसौटी पर इसे गहराई से बताया गया है, जो मंथन करने योग्य है।
-दामोदर प्रसाद सोनी, कोनी, बिलासपुर

सुजानदेसर स्थित नर्बदेश्वर महादेव का हुआ जलाभिषेक

72 घंटों में 580 किमी...दौड़ते हुए हरिद्वार से बीकानेर पहुंचे कांवड़िए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. सावन में भगवान शिव के अभिषेक-पूजन का क्रम चल रहा है। शिवभक्त अपने इष्टदेव महादेव की प्रसन्नता के लिए पवित्र सरोवरों और नदियों का जल कांवड़ से लाकर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं।

बीकानेर के विभिन्न क्षेत्रों से हरिद्वार गए ऐसे ही कांवड़ दल के 41 सदस्य दौड़ते हुए कांवड़ को लेकर सोमवार को बीकानेर पहुंचे। कांवड़ से लाए जल से सुजानदेसर रामबाग स्थित श्री नर्बदेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया गया। कन्हैया लाल भाटी के अनुसार बीकानेर के 41 कावड़ दल सदस्य दो लीटर की कावड़ लेकर 2 अगस्त को हरिद्वार से बीकानेर के लिए रवाना हुए। करीब 72 घंटों में 580 किमी की दूरी दौड़ते हुए तय कर कांवडिए बीकानेर पहुंचे। कांवड़ दल की सेवा व्यवस्थाओं में दस से अधिक सेवादार भी साथ रहे। कांवड़ दल में सुजानदेसर, गंगाशहर, श्रीरामसर, नत्थूसर बास आदि क्षेत्रों के नवयुवक शामिल रहे।

हरिद्वार से दौड़ते हुए कावड़ लेकर बीकानेर की ओर आते दल सदस्य।

बिना रुके, बिना थके चली कांवड़ यात्रा

कन्हैयालाल भाटी के अनुसार हरिद्वार से बीकानेर के लिए दौड़ते हुए रवाना हुई कांवड़ यात्रा लगातार जारी रही। कांवड़ दल सदस्य बिना रुके, बिना थके, चौबीसों घंटे लगातार दौड़ते हुए बीकानेर पहुंचे। दल में प्रणव गहलोत, अशोक पंवार, जॉनी गहलोत, भगत गहलोत, भवानी पंवार, सुनील पंवार, मनीष गहलोत, रजत सांखला, महावीर चौधरी, सेवाराम सोलंकी, गौतम सांखला, आनंद गहलोत, कैलाश सोनी, अंशुल गहलोत, नवल स्वामी, पवन खड़गावत, रजत गहलोत, अशोक गहलोत, कैलाश पंवार, दुष्यंत पंवार, कैलाश कुमावत, नारायण गहलोत, सुरेश कच्छावा, अनिल सोलंकी, मंगल सोलंकी,शनि सोलंकी, विष्णु सोलंकी, मूलचंद गहलोत, अर्जुन गहलोत, श्रवण भाटी, गोपाल भाटी, रूप भाटी, राधे खडगावत, घनश्याम भाटी, गणेश तंवर, पवन रामावत, चंदन नाथ, करण सोलंकी, शिव सुथार आदि शामिल रहे।

पुष्पवर्षा से स्वागत

हरिद्वार से कांवड़ के बीकानेर नगर की सीमा में प्रवेश करने पर हल्दीराम प्याऊ से नर्बदेश्वर महादेव मंदिर रामबाग सुजानदेसर तक दर्जनों स्थानों पर कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित, पार्षद मुकेश पंवार सहित शहरवासियों ने स्वागत किया। नर्बदेश्वर महादेव में अभिषेक, पूजन के साथ महाप्रसाद का आयोजन हुआ। माली सैनी सामूहिक विवाह संस्थान की ओर से कावड़ दल सदस्यों का सम्मान किया गया।

सीवर के पानी का उपयोग, बदल रही गोचर और रेतीली भूमि की सूरत

धोरों में बह रही शोधित जल की धार, मरुभूमि ओढ़ रही हरियाली की चादर

विमल छंगाणी
patrika.com

बीकानेर. सीवर लाइनों में बहने वाला गंदा पानी अब उपयोगी साबित हो रहा है। शहर के आसपास के गोचर व रेतीली जमीन को हरियाली से आच्छादित करने में काम आ रहा है। सीवर लाइनों से पंपिंग स्टेशन और यहां से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पहुंच रहे इस पानी को शोधित कर कृषि, पौधों को पनपाने व घास उगाने के काम लिया जा रहा है। इस शोधित पानी ने गोचर, रेतीली जमीन की सूरत बदलने में अहम भूमिका निभाई है। एसटीपी से शोधित पानी से सैकड़ों बीघा भूमि पर हजारों पौधे पनप रहे हैं। दर्जनों बीघा भूमि पर पशुओं के लिए घास उगाई जा रही है।

सुजानदेसर गोचर में शोधित पानी से पनप रही विभिन्न तरह की घास।

सैकड़ों बीघा भूमि पर छा रही हरियाली

शहर में बल्लभ गार्डन, सुजानदेसर कालीमाता मंदिर के पास और सरह नथानिया क्षेत्र तीन स्थानों पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट है। यहां से शोधित होकर निकल रहा पानी मरुस्थलीय क्षेत्र में पौधे पनपाने और घास उगाने में मददगार साबित हो रहा है। जानकारों के अनुसार गोचर की करीब ढाई सौ बीघा भूमि पर पौधे व घास लग चुकी है। वर्तमान में प्रतिदिन करीब 70 हजार पौधों को एसटीपी से शोधित पानी मिल रहा है। दर्जनों बीघा भूमि पर लगी घास इस पानी से पनप रही है।

तैयार हो रहा सिटी फॉरेस्ट : सुजानदेसर गोचर में तैयार हो रहे नगर निगम व नगर विकास न्यास के सिटी फॉरेस्ट में एसटीपी से शोधित पानी से वर्तमान में हजारों पौधे पनप रहे हैं। यहां निगम व न्यास की ओर से एक-एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। अब तक 50 हजार से अधिक पौधे गोचर क्षेत्र में लग चुके हैं। वन विभाग की ओर से यहां सघन पौधरोपण करवाया हुआ है।

एसटीपी से करीब चार किमी लंबी लाइनों से शोधित पानी की सप्लाई हो रही है। विभिन्न तरह की घास भी इस पानी से पनप रही है। बल्लभ गार्डन व सुजानदेसर एसटीपी परिसर सहित निगम गोशाला परिसर में शोधित पानी से पौधे व दूब पनप रही है। निगम ने बल्लभ गार्डन एसटीपी से शोधित हो रहे पानी में से रोज 8 एमएलडी पानी निजी फर्म को देने का एमओयू भी कर रखा है।

एसटीपी से शोधित हो रहे पानी की स्थिति

एसटीपी	क्षमता	पानी का शोधन
बल्लभ गार्डन	40	18
सुजानदेसर	20	12
सरह नथानिया	12	08
कुल	72	38

03 एसटीपी हैं नगर निगम क्षेत्र में
72 एमएलडी पानी शोधन की क्षमता है तीनों एसटीपी की
38 एमएलडी पानी का रोज हो रहा शोधन
250 बीघा गोचर भूमि में लगे हैं पेड़ व घास
70 हजार पौधे पनप रहे शोधित पानी से
01 नर्सरी में बीज से पनप रहे पौधे

कच्चा मकान ढहने से दादा, दादी और पोते की मौत

मोहनगढ़ @ पत्रिका. जिले के मोहनगढ़ क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के बीच कच्चा मकान ढहने से दादा, दादी व पोते की मौत हो गई। कस्बे के उत्तरी हिस्से में आए बाबा रामदेव मंदिर के पास ताड़ाना बस्ती में यह हादसा हुआ। हादसे में बागाराम (65), अगरी (60) और पोते हरीश (14) की मौत हो गई। हादसा मकान के भीतर एक कमरे में हुआ, जब पट्टियां गिरने से तीनों की मौत हो गई। तीनों मृतकों के शव मोर्चरी में रखवाए गए हैं। अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

आज का राशिफल बुधवार 07 अगस्त, 2024

राशि	
मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते हैं। आप इस तरह हताश हो कर बैठ गए तो नुसकान आपके साथ कई लोगो का होगा।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* भाग्योदय का समय है। पूरी मेहनत से कार्य में लग जाएं, सफल होंगे। कार्यस्थल पर मशीनरी खराब होने की आशंका।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* परिणय चर्चा में सफलता मिलेगी। खान-पान में ध्यान देने की जरूरत है। कई दिनों से आपके मन में दुविधा है।
कर्क	*हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* कम तो टालना बंद करे और समय पर कार्य को करना सीखें। जल्दबाजी में लिए फैसले गलत साबित होंगे।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे* बेहतर सफलता के लिए कार्ययोजना में बदलाव लाएं। खुद के तौर-तरीके को बदलें। बहनों के विवाह की चिंता रहेगी।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* केवल पैसा कमाने में ही न लगें। जरूरी जिम्मेदारी पूरी करें। व्यस्तता के चलते जरूरी कार्य आज भी पूर्ण नहीं हो पाएंगे।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* अपने व्यवहार में परिवर्तन लाएं। कार्यस्थल पर कर्मचारियों से विवाद हो सकता है। आजीवका के नए स्त्रोत स्थापित होंगे।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* व्यावसायिक नए अनुबंध हो सकते हैं। पारिवारिक यात्रा के योग हैं। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* आत्मविश्वास और इष्ट बल की मदद से सफलता मिलेगी। साझेदारी से लाभ होगा। मानसिकता बदलें।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* मन ही मन किसी बात से परेशान हैं। पूर्ण विचार और अपने विश्वसनीय जनों से विचार कर निर्णय लें। शत्रु सक्रिय होंगे।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* कार्यशेत्र के प्रति जिमेदारी को समझें। गुस्सा करने से कुछ हासिल नहीं होगा। बड़ों का अनुभव लाभप्रद रहेगा।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* जोखिम के कार्यों से दूर रहें। किसी अजनबी पर भरोसा न करें। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र ज्योतिर्विद: पं. घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	वर्षा
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास:	सफर-01	मास:	श्रावण
शाके सम्वत:	1946	अयन:	दक्षिणायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन

बुधवार, 07 अगस्त, 2024

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज सूर्योदय से प्रात: 09-15 तक, लाभ व अमृत पूर्वाह्न 10-54 से दोपहर 12-32 तक शुभ तथा अपराह्न 03-50 से सूर्यास्त तक चर व लाभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं। बुधवार को अभिजित नामक मुहूर्त शुभकार्यों में त्याज्य है।

शुभ तिथि: तृतीया जया संज्ञक तिथि रात्रि 10-06 तक है। इसके बाद चतुर्थी रिक्ता संज्ञक तिथि प्रारम्भ हो जायेगी। तृतीया तिथि में गान-विद्या, अन्नप्राशन, सीमन्तकर्म, चित्रकारी और द्वितीया तिथि में कथित विवाह आदि सभी कार्य शुभ व सिद्ध होते हैं। चतुर्थी में शुभ व मांगलिक कार्य शुभ नहीं माने गए हैं।

नक्षत्र: पूर्वाफाल्गुनी "उग्र व अधोमुख" संज्ञक नक्षत्र रात्रि 08-30 तक, तदुपरान्त उत्तराफाल्गुनी "ध्रुव व ऊर्ध्वमुख" संज्ञक नक्षत्र है। पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में बन्धन, कठिन, कूट-कपट के कार्य, सगाई-रोका आदि विषयक कार्य और उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में विवाहादि मांगलिक कार्य करने योग्य हैं।

योग: परिघ नामक नैसर्गिक अशुभ योग पूर्वाह्न 11-41 तक, तदुपरान्त शिव नामक शुभ योग है।

विशिष्ट योग: राजयोग नामक शुभ योग रात्रि 08-30 तक, तदन्तर रवियोग नामक दोष समूह नाशक शक्तिशाली शुभ योग है।

करण: तैतिल नामकरण प्रात: 08-59 तक तदुपरान्त गर-वणिजादिक करण क्रमश: है।

व्रतोत्सव: आज मधुश्रवा तीज, मेला तीज (जयपुर, राज.) लघु तृतीया व्रत, श्री सेवक जयन्ती, मु.मास दूसरा सफर प्रारम्भ आज से है।

चंद्रमा : चंद्रमा अर्द्धरात्र्योत्तर 03-15 तक, सिंह राशि में, तदुपरान्त कन्या राशि में होगा।

शुभ मुहूर्त: उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज सगाई व रोका तथा गृह-प्रवेश का अतिआवश्यकता में (नक्षत्र त्याज्य) पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में तथा विवाह का उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में शुभ मुहूर्त है।

दिशाशूल: बुधवार को उत्तर दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज रात्रि 03-15 तक पूर्व दिशा की व इसके बाद दक्षिण दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभ है।

राहुकाल (मध्यममान से): दोपहर 12-00 बजे से दोपहर बाद 1-30 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

आज जन्म लेने वाले बच्चे- आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (टा, टी, टू, टे, टो) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। रात्रि 03-15 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि सिंह व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्म राशि कन्या है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव व कन्या राशि के स्वामी बुध है। इनका जन्म रजतपाद से है। सामान्यत: ये जातक शत्रुजयी, होशियार, शान्ति चाहने वाले, साहित्य में रुचि रखने वाले, भाग्यशाली, प्रभावशाली, मान-सम्मान व समृद्ध होते हैं। इनका भाग्योदय 30 वर्ष की आयु के बाद होता है। सिंह राशि वाले जातकों को अपने प्रियजनों व मित्रों के सहयोग से सभी आकांक्षित कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष सुदृढ़ रहेगा।

विद्यालय परिसर में गुटखा थूकने पर शिक्षक को कारण बताओ नोटिस

जालोर @ पत्रिका. अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेशकुमार खोरवाल ने ब्लॉक क्षेत्र के देबावास, ओडवाड़ा और पाणवा विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर विद्यालयों की व्यवस्था का जायजा लिया। खोरवाल ने बताया कि देरी से आने वाले आठ शिक्षकों को आधा आकस्मिक अवकाश स्वीकृत कर समय पर आने की हिदायत दी गई। राजकीय प्राथमिक विद्यालय इंदिरा कॉलोनी पाणवा में विद्यालय परिसर में जगह-जगह गुटखा थूकने व धूम्रपान करने पर और व्यवस्था में सहयोग नहीं करने पर शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पौधरोपण, मिड डे मील, नामांकन, नवीन प्रवेश और प्रार्थना सभा सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

पोकरण : नदी में बहे दो लोग, ग्रामीणों ने बचाया

युवकों को नदी से बाहर निकालते ग्रामीण। पत्रिका

पोकरण (आंचलिक) @ पत्रिका . ग्रामीण क्षेत्रों में रुक-रुककर तेज बारिश का दौर चला। गांवों में तालाब लबालब हो गए। नदी-नाले भी उफान पर हैं। क्षेत्र के झलारिया गांव के पास तेज वेग के साथ चली नदी में दो युवक बहने लगे, जिन्हें ग्रामीणों ने बचा लिया। जानकारी के अनुसार, झलारिया से भाखरी जाने वाले मार्ग पर पुरानी नदी स्थित है। तेज बारिश के कारण यह नदी तेज बहाव के साथ चलने लगी। कलाऊ गांव के दो युवक मोटरसाइकिल से भाखरी से झलारिया गांव की तरफ आ रहे थे। नदी के बीच में आते ही उनका संतुलन बिगड़ गया और बाइक सहित वे बहने लगे। कुछ दूरी बबूल के पेड़ों को पकड़कर अपनी जान बचाई। आसपास खड़े ग्रामीणों ने रस्सों के सहारे उन्हें एक घंटे की मशक्कत कर बाहर निकाला।

शिक्षकों की कमी से आक्रोशित ग्रामीणों ने विद्यालय के जड़ा ताला

आबूरोड @ पत्रिका. राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महीखेड़ा में शिक्षकों की कमी को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों और अभिभावकों ने विद्यालय पर तालाबंदी कर विरोध-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने स्कूल के दरवाजे पर ताला लगाकर नारेबाजी की। विद्यालय में वर्तमान में पहली से 12वीं तक 500 विद्यार्थी हैं और इनको पढ़ाने के लिए माध्यमिक स्तर के केवल पांच अध्यापक हैं। परिजनों ने विद्यालय में शीघ्र शिक्षक लगाने की मांग की है।

साइकिल खोने पर मां-बाप ने पीटा तो घर से भागकर चूरू पहुंचा 13 वर्षीय किशोर

चूरू. चाईल्ड हेल्पलाईन टीम के साथ मौजूद बच्चा। पत्रिका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चूरू . चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने डीटीओ ऑफिस के पास घूमते हुए एक नाबालिग किशोर को दस्तयाब किया है। परियोजना अधिकारी पन्ने सिंह ने बताया कि 13 वर्षीय किशोर को संप्रेषण गृह भिजवाया गया है। काउंसलर वर्षा कंवर ने पूछताछ की तो किशोर ने बताया कि उसका नाम अंकित है। उसके पिता का नाम प्रकाश भाई है और वह गुजरात राज्य के पाटन का रहने वाला है। बालक ने बताया कि उसके पास छोटी साइकिल थी। वह साइकिल कहीं खो गई तो उसके माता-पिता ने उसके साथ मारपीट की। ऐसे में नाराज होकर वह घर से निकल गया और पाटन से ट्रेन में बैठकर सितपुर से जोधपुर पहुंचा। वहां से चूरू आ गया। पन्ने सिंह ने बताया कि बालक के परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। बालक की सदर थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज करवाकर स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत बालक को बाल कल्याण समिति पेश किया गया, जहां से बाल कल्याण समिति के द्वारा राजकीय संप्रेषण गृह में रहने का आदेश दिया गया।

उपखंड अधिकारी ने परिजनों को दिया मुआवजे का आश्वासन

घड़सीसर के जोहड़ में डूबे पशु चराने गए दो किशोर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तेजाराम और पवन (फाइल फोटो)

सरदारशहर. अस्पताल में परिजनों से जानकारी लेती एसडीएम मीनू वर्मा।

सरदारशहर. इलाके के घड़सीसर गांव में पशु चराने गए दो किशोर जोहड़ में डूब गए। दोनों के शव जोहड़ से निकाल कर राजकीय अस्पताल लाए गए और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए। शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। 17 वर्षीय तेजाराम पुत्र ख्यालीराम मेघवाल और 15 वर्षीय पवन कुमार पुत्र लालाराम मेघवाल अपने साथियों के साथ गाय बकरी चराने गए हुए थे। इसी दौरान पैर फिसलने से दोनों जोहड़ में गिर गए। दलदल होने के कारण वे बाहर नहीं निकल सके। साथियों ने इसकी सूचना गांव के लोगों को दी।

गांव के तैराकों ने निकाले शव

जोहड़ में दो किशोर के डूबने की सूचना पर वहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। गांव के तैराक सुभाष भार्गव ने ग्रामीणों के सहयोग से बड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को बाहर निकाला। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी सरदारशहर पुलिस थाने में दी। सूचना पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा और परिजनों की मौजूदगी में शवों का पोस्टमार्टम करवाया।

गरीब परिवारो को गहरा दर्द : ग्रामीणों ने बताया कि तेजाराम तीन भाइयों में से सबसे छोटा था। तेजाराम के पिता बकरी चराने का काम करते हैं। वहीं पवन दो भाइयों में छोटा था और उसकी तीन बहनें हैं। पवन के पिता खेती-बाड़ी करते हैं। तेजाराम 9वीं और पवन 5वीं कक्षा में पढ़ता था। वहीं उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा ने मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलवाने का आश्वासन दिया है।

क्षेत्रीय कला प्रतिभाओं की उपेक्षा का आरोप : नगर पालिका परिषद बोर्ड ने आयोजन के जिम्मे का दावा ठोका

कजरी मेले के आयोजन पर विवाद की छाया गहराई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

महोबा. उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड के महोबा में सैकड़ों वर्ष के ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व के विख्यात कजली मेले के आयोजन पर विवाद खड़ा हो गया है। एक दशक से मेला आयोजक की मुख्य भूमिका निभा रही जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली महोबा संरक्षण एवं विकास समिति पर लोक संस्कृति के मूल्यों के संरक्षण में विफल रहने का आरोप लगाते हुए नगर पालिका परिषद बोर्ड ने मेला आयोजन का सम्पूर्ण दायित्व उसे हस्तगत किए जाने की मांग की है। मामले में चेयरमैन सहित सभी 25 सभासदों की ओर से एक पत्र भी जिलाधिकारी को प्रेषित किया है।

फाइल फोटो

जनभागीदारी घटने से आलोचना

उच्च स्तरीय कलाकारों के नाम पर बुंदेलखंड की क्षेत्रीय कला प्रतिभाओं की उपेक्षा हुयी तो सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अधिकारियों व उनके परिजनों के मौज मनोरंजन का साधन बना दिया गया। यही वजह रही की कुछ वर्षों पहले तक लाखों की भीड़ जुटाने वाले इस मेले में न सिर्फ जन भागीदारी घट गयी बल्कि इसे आलोचना का शिकार बनाया जाने लगा।

मेले के स्वरूप को बदलने का आरोप

महोबे की कजरियां के नाम से विख्यात उत्तर भारत में सबसे प्राचीन एवं विशाल महोबा का कजली मेला बुंदेली लोक जीवन का प्रतिबिम्ब है। यह चंदेलो के गौरव शाली इतिहास का परिचायक है, साथ ही बुंदेलखंड की समृद्ध लोक कला एवं संस्कृति की जीवंत झांकी का दिग्दर्शन भी कराता रहा है लेकिन लोक महत्व की इस धरोहर के संरक्षण तथा यहां पर्यटन विकास को आधार बना कर महोबा संरक्षण एवं विकास समिति ने पिछले एक दशक में मेले के स्वरुप को ही बदल दिया।

सभासद हुए एकजुट

नगर पालिका परिषद के चेयरमैन डा संतोष चौरसिया ने बताया कि कजली मेले के बजट को लेकर हुयी बोर्ड की बैठक में सभासदों ने एक स्वर से प्रस्ताव पारित करते हुये पूर्व की तरह आयोजन का सम्पूर्ण दायित्व पालिका को हस्तगत किये जाने की मांग की है। चेयरमैन ने बताया कि बोर्ड द्वारा कजली मेले के लिए 45 लाख रूपये का बजट स्वीकृत किया गया है, जिसे पालिका द्वारा कजली की आकर्षक शोभायात्रा के अलावा अन्य कार्यो मे खर्च किया जाएगा।

करंट लगने से लाइनमैन की मौत: जौनपुर @ पत्रिका. सरायख्वाजा क्षेत्र में खंभे पर चढ़कर तार खींचते समय हाई वोल्टेज लाइन के संपर्क में आये संविदाकर्मी की मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार क्षेत्र के लपरी प्रसाद का पुरवा गांव निवासी निवासी प्राइवेट लाइन मैन सतीश कश्यप इटौरी बाजार में विधुत पोल पर चढ़कर तार खींच रहा था, तभी तार में प्रवाह हो गया, वह पोल से नीचे धान के खेत में गिर गया। ग्रामीण उसे अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

दो बाइक की टक्कर में बैंड मास्टर की मौत: फिरोजाबाद @ पत्रिका. नारखी क्षेत्र में मंगलवार को मोटरसाइकिल की चपेट में आने से बैंड मास्टर की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि चमन बैंड के मालिक निवासी राजपुर कोटला चमन (55) अपनी बाइक से नारखी की ओर जा रहे थे। तभी सामने से तेज गति से आते हुए बाइक सवार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायल चमन को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया।

डीएम की डीपी लगा कर तहसीलदार को ठगा: बदायूं @ पत्रिका. उत्तर प्रदेश में बदायूं के जिलाधिकारी की डीपी लगा कर शातिर ठगों ने तहसीलदार को 50 हजार रुपये का चूना लगा दिया। अपर पुलिस अधीक्षक नगर क्षेत्र अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि सदर तहसील के तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र दिया है कि जिलाधिकारी बदायूं निधि श्रीवास्तव की डीपी लगी व्हाट्सएप एसएमएस व कॉल कर उनसे 50 हजार रुपये की ठगी कर ली गई है।

निजी निवेश के प्रोत्साहन के लिए बनेगी नई नीति

अब एक जिला-एक विवि का लक्ष्य: मुख्यमंत्री योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि एक मंडल-एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना पूरी होने के बाद अब एक जिला-एक विश्वविद्यालय के लक्ष्य के साथ काम किया जाएगा।

योगी ने एक उच्च स्तरीय बैठक में उच्च शिक्षा क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए नई नीति तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विगत सात वर्षों में सतत प्रयासों से प्रदेश में एक मंडल-एक विश्वविद्यालय की परिकल्पना पूरी हो चुकी है। सभी 18 मंडलों में विश्वविद्यालयों की स्थापना हो चुकी है। कई मंडलों में निर्माण कार्य जारी है। मंडलों के बाद अब हमारा लक्ष्य एक जिला-एक विश्वविद्यालय का होना चाहिए।

निजी क्षेत्र को देंगे प्रोत्साहन

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्र के वित्तपोषण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह हमारे उद्देश्यों की पूर्ति में पूरक भूमिका निभा सकते हैं। प्रदेश में उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को देखते हुए, निजी निवेश उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के सरकारी प्रयासों में सहायक हो सकता है। इससे छात्रों के लिए उपलब्ध संस्थानों, पाठ्यक्रमों और सीटों की संख्या में वृद्धि होगी, साथ ही यह शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने के प्रयासों में भी सहायता मिलेगी।

स्टाम्प ड्यूटी और कैपिटल सब्सिडी का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा में निजी निवेश वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता है। अन्य राज्यों की सम्बंधित नीति का अध्ययन करें। स्टेकहोल्डर्स से संवाद करें और यथाशीघ्र उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति तैयार कर प्रस्तुत करें। नई नीति में निवेशकों को स्टाम्प ड्यूटी में छूट, कैपिटल सब्सिडी आदि प्रोत्साहन को यथोचित स्थान दें। नई नीति में आकांक्षात्मक जनपदों में विवि की स्थापना पर अतिरिक्त प्रोत्साहन का प्रावधान होना चाहिए। इसे प्राथमिकता दें। इसी प्रकार, विश्व की टॉप रैंकिंग वाले विश्वविद्यालयों के कैम्पस के प्रस्ताव पर भी विशेष प्रोत्साहन प्रावधान रखें।

अब नजर 2035 पर

योगी ने कहा कि भारत के सबसे युवा राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा में एक विशेष स्थान रखता है। उत्तर प्रदेश, जिसकी औसत आयु 21 वर्ष है, जो 2030 तक बढ़कर 26 वर्ष हो जाएगी और भारत की युवा आबादी में इसका योगदान 16.5 फीसदी होगा। वर्तमान में ग्रास एनरोलमेंट रेट 25.6% है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार 2035 तक 50 फीसदी तक बढ़ाना आवश्यक है। निजी निवेश प्रोत्साहन नीति इस अंतर की पूरा सकती है।

बांग्लादेश के हालात के पीछे अमरीका-पाक का हाथ: मौलाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश के हालातों को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इसके पीछे पाकिस्तान और अमेरिका का हाथ बताया।

मौलाना ने बांग्लादेश के हालातों को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने इसके पीछे पाकिस्तान और अमरीका का हाथ बताया। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा, 'बांग्लादेश के ताजा हालात बेहद नाजुक हैं। वहां तख्तापलट हो चुका है और हमें इस बात का अफसोस है।' उन्होंने बांग्लादेश के हालातों का जिक्र करते हुए कहा ''इस तख्तापलट के पीछे पाकिस्तान और अमेरिका का हाथ है।

संयुक्त पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे की प्रक्रिया होगी सरल

लखनऊ @ पत्रिका. मात्र पांच हजार रुपए के स्टाम्प शुल्क के साथ अपनी अचल संपत्ति को रक्तसंबंधियों के नाम करने की बड़ी सहूलियत देने के बाद उत्तर प्रदेश में अब पारिवारिक विभाजन और व्यवस्थापन में भी बड़ी सुविधा मिलने जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि एक परिवार के सदस्यों के बीच अचल संपत्ति के बंटवारे तथा जीवित व्यक्ति द्वारा अपनी संपत्ति को अपने परिवारी जनों के नाम किए जाने पर देय स्टाम्प शुल्क भी 5 हजार रुपए तय किया जाए। योगी ने कहा कि अधिक खर्च के कारण प्राय: परिवार में विभाजन की स्थिति में विवाद की स्थिति बनती हैं और कोर्ट केस भी होते हैं।

'लड़के हैं गलती हो जाती है', अयोध्या गैंगरेप मामले में लखनऊ में लगे पोस्टर

कईयों ने राजनीति से प्रेरित कदम बताया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. भाजपा नेता श्वेता सिंह ने अयोध्या रेप केस के आरोपी मुईद अहमद के बचाव में डीएनए टेस्ट की मांग को लेकर सपा पर जुबानी हमला किया है। उन्होंने लखनऊ के 1090 चौराहे पर एक विवादित पोस्टर लगाया। पोस्टर में लिखा था, ''लड़के हैं गलती हो जाती है, मुईद है गलती हो जाती है।''

लखनऊ के 1090 चौराहे पर रविवार को भाजपा नेता श्वेता सिंह ने अयोध्या रेप केस के आरोपी मुईद अहमद के मामले को लेकर समाजवादी पार्टी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने एक बड़ा पोस्टर लगाया जिसमें आरोपी मुईद अहमद के बचाव में डीएनए टेस्ट की मांग की गई थी। समाजवादी पार्टी पर आरोपपोस्टर में समाजवादी पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए लिखा गया था, ''लड़के हैं गलती हो जाती है, मुईद है गलती हो जाती है।'' श्वेता सिंह ने इस पोस्टर के माध्यम से समाजवादी पार्टी के नेताओं पर आरोप लगाया कि वे अपराधियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

'अपराधियों का समर्थन कर रही है सपा': श्वेता सिंह ने कहा कि इस तरह के पोस्टर का उद्देश्य जनता को जागरूक करना है और दिखाना है कि समाजवादी पार्टी किस तरह से अपराधियों का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि डीएनए टेस्ट की मांग को लेकर यह पोस्टर लगाया गया है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

'अपराधियों को बेनकाब करने का सही तरीका' : इस पोस्टर को लेकर जनता में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने श्वेता सिंह के इस कदम की सराहना की और कहा कि यह अपराधियों को बेनकाब करने का सही तरीका है, जबकि कुछ लोगों ने इसे राजनीति से प्रेरित कदम बताया।

जेल से छूटने के बाद फिर रिश्वत लेने लगा

जौनपुर में रुपए लेते पकड़ा गया घूसखोर उपनिरीक्षक

3 साल पहले भी घूस लेता पकड़ा गया था

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जौनपुर. भ्रष्टाचार निवारण संगठन वाराणसी की टीम ने मंगलवार को जौनपुर जिले में तेजी बाजार थाना के उप निरीक्षक हैंदर अली को 10 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया हैं।

एसीबी ने बताया कि क्षेत्र के बरियार गांव निवासी आशुतोष यादव ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम वाराणसी को सूचना दी कि तेजी बाजार थाने पर तैनात उप निरीक्षक हैंदर अली ने उसकी जब्त जेसीबी छोड़ने के लिए 10 हजार रुपये घूस मांगी है।

इस सूचना पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन के निरीक्षक नीरज सिंह के नेतृत्व में टीम तेजी बाजार थाना क्षेत्र में आई और उप निरीक्षक हैंदर अली को 10 हजार रुपये लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है।

फिरोजाबाद में विवाहिता प्रेमी के साथ फरार

फिरोजाबाद @ पत्रिका. जसराना क्षेत्र में एक विवाहिता मासूम पुत्र को साथ लेकर प्रेमी के साथ भाग गयी। वह आभूषण व नकदी भी साथ ले गई। पुलिस ने बताया कि गांव नगला लालजीत निवासी उर्वेश ने शिकायत में कहा कि 2017 में मीनू से शादी के बाद एक पुत्र हुआ। अब वह एक युवक गौरव के साथ भाग गई है।

कृष्ण जन्मोत्सव भव्यता से मनाएंगे

लखनऊ @ पत्रिका. उत्तरप्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मथुरा जिला प्रशासन को निर्देश दिये हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव समारोह पूरी आस्था और उल्लास के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी के दिन देश दुनिया से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्त जन्मोत्सव को देखने के लिए आते हैं।

योजना से 5757 उत्कृष्ट प्रतिष्ठान जुड़े | 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जारी

प्रदेश में दो लाख से ज्यादा युवाओं को एनएपीएस का लाभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) के तहत 2018 से लेकर 30 जून 2024 तक दो लाख से ज्यादा प्रशिक्षुओं ने इसका लाभ लिया हैं। इसके लिए सरकार की ओर से 50 करोड़ से ज्यादा की राशि जारी की गई है।

अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि युवाओं में शिक्षुता प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में इस योजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू किया है, जिसका परिणाम है कि लाखों युवाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी मिल पा रही है।

देश के 1873 प्रतिष्ठान हुए शामिल : योजना के तहत सरकार ने प्रदेश भर में जून 2022 से जून 2024 तक 431 स्थानों पर प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन किया है। इस मेले में प्रदेश भर से 31,273 उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया। इसमें देश भर से 1873 छोटे-बड़े प्रतिष्ठानों ने भी प्रतिभाग किया है। मालूम हो कि इस योजना से कुल 5757 उत्कृष्ट प्रतिष्ठान जुड़े हुए हैं, जो न सिर्फ युवाओं को अप्रेंटिसशिप का अवसर उपलब्ध करा रहे हैं, बल्कि कुशल युवाओं को भी तैयार कर रहे हैं।

व्यावहारिक अनुभव और कौशल

योजना के अंतर्गत प्रशिक्षुओं को स्टाइपेंड मिलता है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सहायता प्राप्त होती है। प्रशिक्षुता के माध्यम से प्रशिक्षणार्थी व्यावहारिक अनुभव और कौशल से लैस होते हैं, जो उनके करियर में मददगार होता है। प्रशिक्षुता पूरी करने के बाद, प्रशिक्षुओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। दूसरी तरफ, सरकार योजना के अंतर्गत नियोक्ताओं को प्रशिक्षुओं के वजीफे का 25 प्रतिशत (अधिकतम 1500 रुपये प्रति माह) प्रदान करती है। वहीं, अप्रशिक्षित प्रशिक्षुओं के बुनियादी प्रशिक्षण की लागत का एक हिस्सा भी सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इस योजना के माध्यम से नियोक्ताओं को प्रशिक्षित और कुशल कार्यबल मिलता है।

प्रशिक्षण के साथ स्टाइपेंड भी मिला

जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 से लेकर 30 जून 2024 तक प्रदेश में एनएपीएस योजना के तहत 2,18,033 प्रशिक्षुओं ने लाभ लिया है। इनमें पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी बड़ी संख्या में सम्मिलित रही हैं। अप्रेंटिस का लाभ लेने वालों में जहां पुरुषों की संख्या 1,85,123 रही है तो वहीं महिलाओं की संख्या 32,608 है। इस योजना में युवाओं को प्रशिक्षण के साथ ही स्टाइपेंड के रूप में आर्थिक सहायता भी प्राप्त हुई। इसके लिए योजना के अंतर्गत प्रदेश में 30 जून तक 51.72 करोड़ की धनराशि आवंटित की गई है। यही नहीं, जुलाई 2023 से लेकर 30 जून 2024 के बीच में प्रशिक्षणार्थियों के बीच 46.85 करोड़ रुपए की धनराशि डीबीटी के माध्यम से वितरित की गई है।

समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का आह्वान

झारखंड की राजधानी रांची में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में सीएम हेमंत सोरेन ने आजीवन सजा काट रहे 30 बंदियों को रिहा करने की स्वीकृति दी। उन्होंने रिहा होने वाले बंदियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का आह्वान किया।

डिप्टी सीएम के सामने विरोध प्रदर्शन की थी योजना

बदसलूकी के आरोप में संविदा कर्मियों ने तालाबंदी की

पुलिस ने लाठीचार्ज कर हटाई थी भीड़

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. सीतामढ़ी में मंगलवार को डीएचएस कार्यालय में तालाबंदी कर संविदा कर्मियों ने जमकर हंगामा किया। संविदा कर्मियों का कहना है कि सोमवार को सम्राट चौधरी को अपना मांग पत्र सौंपने के लिए यदुपट्टी बाजार पर खड़े थे। इस दौरान सभी संविदा कर्मियों के साथ बदसलूकी की गई। उसी के विरोध में आज डीएचएस कार्यालय का घेराव किया गया है।

महिला संविदा कर्मी कंचन कुमारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि भाजपा नेता रहे प्रभात झा के द्वादश कार्यक्रम में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आने की सूचना पर हम सड़क मार्ग पर शांतिपूर्ण ढंग से इंतजार कर रहे थे। इस दौरान स्थानीय पुलिस कर्मियों द्वारा उनके साथ बदसलूकी की गई। इतना ही नहीं सभी के साथ मारपीट की गई। पुलिस द्वारा बल का प्रयोग कर लाठीचार्ज किया गया और कई कर्मियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया। हालांकि, डिप्टी सीएम के जाने के बाद सभी को मुक्त कर दिया गया।

हिरासत में लिया

जानकारी के मुताबिक, सोमवार को सीतामढ़ी में डिप्टी सीएम का घेराव करने की कोशिश की गई थी। इस दौरान पुलिस ने बल का प्रयोग कर तीन पुरुष और एक महिला स्वास्थ्य कर्मी को हिरासत में ले लिया था। दरअसल, पूर्व राज्यसभा सांसद सह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश दिवंगत प्रभात झा के द्वादश कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा शामिल होने पहुंचे थे।

डिप्टी सीएम के जाने बाद छोड़ा

इधर, इसकी सूचना पर जिला और अनुमंडल प्रशासन के साथ ही स्थानीय पुलिस चौकन्ना हो गई। स्थानीय प्रशासन द्वारा बल प्रयोग कर संविदा कर्मियों को वहां से हटाया गया। प्रदर्शनकारियों ने दोबारा घेराव का प्रयास किया तो बीडीओ अनीत कुमार के नेतृत्व में चोरौत थाना अध्यक्ष थानाध्यक्ष सुखविंदर नैन ने मौके से सीएचओ विक्रम कुमार, नवीन कुमार, विवेक कुमार और उषा कुमारी को मौके से हिरासत में ले लिया गया। वहीं, उप मुख्यमंत्री के वापस लौटने तक उन्हें थाने पर बिठाकर रखा गया।

परेशान व्यक्ति ने की आत्महत्या: जमुई. जमुई के मलयपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मलयपुर निवासी अरविंद साव ने आर्थिक तंगी से परेशान होने के कारण गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया है।

विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार: जमुई . झाझा थाना क्षेत्र से पुलिस ने विदेशी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि सूचना के आधार पर दादपुर इलाके के पास वाहन चेकिंग के दौरान कार और पिकअप वाहन पर लदी 712 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई है।

दिव्यांगों के समावेशी विकास पर हमारा फोकस : चम्पाई सोरेन

स्टेट लेवल कंसल्टेटिव वर्कशॉप में जुटे लोग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड में उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा है कि दिव्यांगजनों को सामान्य जीवन में समावेशी भागीदारी के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित हैं।

सोरेन ने मंगलवार को स्टेट लेवल कंसल्टेटिव वर्कशॉप को कहा कि इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिव्यांगजनों के लिए राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की परिकल्पना की गयी हैं। दिव्यांगजनों के लिए समावेशी विश्वविद्यालय एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में सब के पास सब कुछ नहीं है। हमारे दिव्यांगजन भी उनमें शामिल हैं। उनके समावेशी विकास पर फोकस किये बिना संपूर्ण विकास की बात बेमानी होगी। सामान्य मानव जीवन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके, इसके लिए प्रयास जारी हैं।

नेत्रहीन हेडमास्टर कैसे शिक्षा देते थे

उन्होंने सरायकेला खारसावां के राजनगर प्रखंड में ओडिशा की सीमा पर स्थित एक गांव का जिक्र करते हुए बताया कि वहां के स्कूल के नेत्रहीन हेडमास्टर कैसे शिक्षा देते थे। उनके ही कार्यों से प्रेरणा लेकर दिव्यांग विश्वविद्यालय की स्थापना की पहल की जा रही है।

गुणात्मक शिक्षा की सुलभता तय करे विश्वविद्यालय : राज्यपाल

राजभवन में कुलपतियों ने की शिष्टाचार भेंट

रांची @ पत्रिका. झारखंड के राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 सुनील चंद्र दुबे, झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.के.सिंह, झारखण्ड ओपन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ टी.एन. साहु ने राज भवन में भेंट की। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व प्रशासनिक गतिविधियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों को हर हाल में गुणात्मक शिक्षा सुलभ हो। हमारे विश्वविद्यालय एकेडमिक कैलेंडर का पूर्णतः पालन करें। हमारे शिक्षण संस्थानों में सर्वत्र ज्ञान का माहौल हो एवं सभी अनुशासित होकर अपना कार्य करें।

अद्वितीय प्रतिभा की धनी थीं सुषमा स्वराज: कर्मवीर सिंह

रांची @ पत्रिका. झारखंड भाजपा प्रदेश कार्यालय में पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की पुण्य तिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि सुषमा स्वराज अद्वितीय प्रतिभा की धनी थी। पार्टी में कार्य करने वाली बहनों के लिए वे प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने उन्हें बहुमुखी प्रतिभा संपन्न बनाया था। वे कुशल वक्ता, कुशल संगठन कर्ता, राजनेता रहीं।

पश्चिम चंपारण में पूर्व मुखिया की गोली मारकर हत्या

बेतिया@ पत्रिका. पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र में अपराधियों ने पूर्व मुखिया जितेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि पारस पकड़ी निवासी महना गनी पंचायत के पूर्व मुखिया जितेंद्र सिंह सोमवार रात स्टेशन चौक की ओर से बाइक से अपने आवास बानू छापर के देव नगर जा रहे थे। इस दौरान बानू छापर पूर्वी रेलवे गुमटी के समीप अपराधियो ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अमरकेश डी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विवेक दीप, समेत पुलिस के वरीय पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

महिलाओं व वृद्धों राहत देने का आह्वान

झारखंड के गांडेय विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को विधायक तथा सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन ने जनसमस्याएं सुनकर समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों से महिलाओं व वृद्धों को प्राथमिकता से राहत प्रदान करने का आह्वान किया।

राज्य कैबिनेट की बैठक आज

पत्रिका ब्यूरो @ रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में 7 अगस्त को कैबिनेट की अहम बैठक होगी। भाजपा की सरकार बनाने के बाद ज्यादातर कैबिनेट की बैठक मंत्रालय में होती थी। इस बार बैठक मंत्रालय की जगह सीएम हाउस निवास कार्यालय में होगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाली बैठक में धान खरीदी की तैयारी सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा बैठक में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

जशपुर

नशे में लूंगी पहनकर स्कूल में टहल रहे प्रधानपाठक का वीडियो वायरल

पत्रिका ब्यूरो @ जशपुरनगर. जिले के फरसाबहार विकासखंड के खवसकानी प्राइमरी स्कूल के प्रधान पाठक रोमानुष कुजूर के नशे की हालत में स्कूल में लुंगी पहनकर टहलने का वीडियो वायरल होने से विभाग में हड़कंप मच गया है। वीडियो में स्कूल पहुंचकर वे साथी शिक्षकों से हाजिरी रजिस्टर मांग रहे हैं। वीडियो में प्रधान पाठक को ऐसी हालत में आने पर शिक्षक भी नाराज हैं। मामले में बीईओ दुर्गेश देवांगन का कहना है कि खवसकानी स्कूल के शिक्षक के द्वारा वीडियो भेजा गया है। प्रधानपाठक की जांच रिपोर्ट तैयार कर कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारी को भेज दिया गया है।

लघु वनोपज की खरीदी के लिए केंद्र सरकार से मांगे 200 करोड़

रायपुर@पत्रिका. वन मंत्री केदार कश्यप ने मंगलवार को दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल उरांव से मुलाकात की। इस दौरान मंत्री कश्यप ने राज्य के विभिन्न जनजातीय विषयों पर सार्थक चर्चा की। इसके साथ ही लघु वनोपज के समर्थन मूल्य पर खरीदी करने की व्यवस्था के लिए 200 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। वन मंत्री कश्यप ने केंद्रीय मंत्री उरांव को बताया, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ मर्यादित रायपुर द्वारा खरीदी की जाती है। लगभग 6.5 लाख आदिवासी परिवारों से वर्ष 2014-15 से लघु वनोपज का क्रय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को वर्ष 2014-15 से 2019-20 तक की अवधि में उक्त व्यापार में 52.18 करोड़ की हानि हुई है।

विश्व हथकरघा दिवस आज

बदले हालात : कभी 500 करोड़ का था कारोबार, अब कारीगरों को मजदूरी देने में भी परेशानी

डिमांड घटने से चांपा के कोसे के कपड़ों की चमक पड़ी फीकी

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

कोरोना के बाद नहीं उभर पाया बाजार, विदेशी खरीदारों पर निर्भर है कारोबार

संजय राठौर
patrika.com

जांजगीर-चांपा. देशभर में चांपा का कोसा सिल्क विख्यात था, लेकिन कोरोना के बाद बाजार ऐसा नर्म पड़ा कि अब कोसा कारीगरों को मजदूरी भुगतान के लिए भी पैसे नहीं निकल पा रहे हैं। ऐसे में कोसा कपड़े की डिमांड पहले की अपेक्षा 25 फीसदी से भी कम हो चुकी है। लोग अब अत्याधुनिकता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कोसा कपड़े में अब सिर्फ साड़ियों की डिमांड रह गई है। एक जमाना था, जब हाई क्वालिटी और नर्म होने से चांपा के कोसा कपड़े की सप्लाई तकरीबन 25 देशों तक थी। लेकिन कोरोना के बाद इसका बाजार ऐसा गिरा कि आज तक नहीं उठ पाया। पहले एक एक व्यवसायी साल में 1-1 करोड़ का कारोबार करते थे लेकिन अब कारोबार 25 लाख से भी ऊपर नहीं जा पा रहा है।

500 करोड़ का कारोबार अब 100 करोड़ भी नहीं

चांपा का कोसा कपड़े का कारोबार पहले 500 करोड़ रुपए तक जा पहुंचता था, लेकिन अब स्थिति ऐसी आन पड़ी है कि इनका कारोबार 100 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पा रहा है। पहले लोग कोसा कपड़े को बड़े शान से पहनते थे, लेकिन अब लोग साड़ी समेत कुर्ता पायजामे में भी ब्रांड खोजते हैं।

25 हजार परिवार पर संकट के बादल : प्रदेश में सबसे बड़ा चांपा में कोसा कपड़े का कारोबार है। चांपा, सक्ती सहित आसपास के गांवों में 25 हजार बुनकर परिवार हैं। जिनके पास अब रोजी-रोटी का संकट आन पड़ा है। इसकी प्रमुख वजह कोसा कपड़े की डिमांड नहीं के बराबर है। अब बुनकर परिवार अन्य रोजगार की तलाश में जुट गए हैं।

15 हजार रुपए तक की साड़ी बनती थी

जिले में कोसे की साड़ियां ज्यादा फेमस हैं। यहां 1000 से लेकर 15 हजार रुपए तक की साड़ियां बनती थी। यह साड़ी विदेशों में ज्यादा फेमस थी और यही साड़ी विदेशों में 40 से 50 हजार रुपए तक बिकती थी। जबसे कोसा कपड़े का मार्केट डाउन हुआ है तब से इन्हीं साड़ियों की कीमत 3 से 4 हजार तक कम हो चुका है। जो साड़ी पहले देश के भीतर 10 हजार तक बेचते थे उन्हीं साड़ियों की कीमत 3 से 4 हजार रुपए में भी कोई लेने तैयार नहीं हो रहे हैं।

जिले के 25 हजार कोसा बुनकरों द्वारा कोसा का कारोबार किया जाता है। लेकिन पिछले दो तीन सालों से कोसा कपड़े का मार्केट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पहले देश के बड़े शहरों के अलावा 20 देशों में कोसा कपड़े का कारोबार होता था, लेकिन अब इसका दायरा एकदम से सीमित हो चुका है। इसकी भरपाई के लिए हथकरघा के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार से मांग की जा रही है। ताकि स्थानीय कोसा बुनकरों को रोजगार मिल सके।

- मोती लाल देवांगन, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राज्य हथकरघा संघ

मौसम : दो दिन के बाद फिर बरसे बदरा, उमस से मिली राहत

प्रदेश में अब तक सामान्य से 10 फीसदी ज्यादा बारिश

रायपुर में भी दोपहर बाद से तेज बरसात, आज भी बारिश के आसार

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. प्रदेश में मंगलवार को जगदलपुर समेत कई इलाकों में भारी बारिश हुई। राजधानी में भी दोपहर 3 बजे शुरू हुई बारिश देर रात तक जारी रही। शाम साढ़े 5 बजे तक यानी केवल ढाई घंटे में 37.5 मिमी पानी बरस गया। मौसम विभाग के अनुसार 7 अगस्त को सरगुजा व बिलासपुर संभाग के एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। प्रदेश में सामान्य से 10 फीसदी ज्यादा 714 मिमी वर्षा हो चुकी है। वहीं रायपुर जिले में सामान्य से 7 फीसदी ज्यादा 600.5 मिमी पानी गिरा है।

24 घंटे में यहां इतनी बारिश

दुलदुला- 60, अंबिकापुर, कटघोरा में 50, रायगढ़, कुसमी, भटगांव, तमनार, भैंसमा व भैयाथान में 40, राजपुर, बैकुंठपुर, पौड़ी उपरोड़ा, बगीचा, मनेंद्रगढ़, रामानुजगंज में 30 मिमी पानी गिरा। कई इलाकों में इससे कम बारिश हुई है।

जगदलपुर सुबह से शाम तक 98.8 मिमी बारिश

जगदलपुर . जिले में यलो अलर्ट के दौरान मंगलवार को सुबह से देर शाम तक जिले में 98.8 एमएम बारिश दर्ज की गई। शहर के कई वार्ड जलमग्न हुए, तो वहीं बारिश की वजह से लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हुए। बारिश ने निचले और रिहायशी इलाकों को ज्यादा प्रभावित किया। ड्रेनेज की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई इलाकों में घुटनों तक सड़कों पर जल भर गया था। कुछ स्थानों पर विशाल पेड़ धराशायी हुए। सरकारी कार्यालयों, स्कूल और कॉलेज परिसर में पानी भरने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

राजनांदगांव

दो दिन पहले डूबे युवक का शव 13 किमी दूर मिला

राजनांदगांव. सुरगी चौकी क्षेत्र के मोखला स्थित शिवनाथ नदी के एनीकट में रविवार को बाइक धोते वक्त रूपेश (18) पिता खुज्जी निषाद शिवनाथ नदी में बह गया था। अब युवक का शव एनीकट से 13 किलोमीटर दूर दुर्ग जिले के झोला गांव में मिला है। दो दिन की मशक्कत बाद गोताखोरों की टीम ने शव ढूंढा। हरेली के दिन रविवार को रुपेश निषाद अपने चार दोस्तों के साथ तीन बाइक में सवार होकर मोखला स्थित शिवनाथ नदी के एनीकट घूमने आया था।

बीजापुर

विवाद के बाद अजय सिंह भाजपा से निष्कासित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बीजापुर . कांग्रेस से भाजपा में आए भैरमगढ़ के नेता अजय सिंह को भाजपा ने भी बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इस संबंध में भाजपा के प्रदेश महामंत्री जगदीश रामू रोहरा द्वारा जारी निष्कासन आदेश में कहा गया है कि भैरमगढ़ में आदिवासी युवक के साथ अजय सिंह द्वारा किए गए अभद्र व्यवहार के कारण पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई की गई है। इससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है। उनका यह कृत्य अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। पार्टी की स्थानीय इकाई की अनुशंसा पर अजय सिंह को भाजपा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। बता दें कि अजय सिंह और बीजापुर के तत्कालीन कलेक्टर अनुराग पांडे के बीच विवाद का एक ऑडियो वायरल हुआ था इसके बाद राज्य सरकार ने कलेक्टर अनुराग पांडे का तबादला कर दिया था।

बिलासपुर : चिटफंड कंपनी बनाकर ठगी का मामला

10 करोड़ की ठगी का आरोपी 6 साल बाद भोपाल से गिरफ्तार

पत्रिका ब्यूरो @ बिलासपुर. चिटफंड कंपनी खोलकर सैकड़ों लोगों से 10 करोड़ की ठगी के आरोपी अरुण कुमार वर्मा को बिलासपुर पुलिस ने भोपाल से गिरफ्तार किया हैं। आरोपी 6 साल से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ बिलासपुर जिले के अलग-अलग थाने में सात और एक मामला सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में दर्ज है। चिटफंड कंपनी कॅरियर ड्रीम एजुकेशनल एकेडमी बनाकर मुख्य डायरेक्टर ग्राम टुंड्री बिलाईगढ़ जिला सारंगढ़ निवासी अरुण कुमार वर्मा (34 वर्ष) ने लोगों को ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा देते हुए 10 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी को अंजाम देकर फरार हो गया था। 6 साल से लंबित इस मामले में पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने नए सिरे से आरोपी तलाश के लिए पुलिस टीम का गठन किया।

आरोपी अरुण कुमार वर्मा

इन थानों में मामले दर्ज

सरकंडा थाने में आरोपी के खिलाफ 4 मामले दर्ज हैं। जबकि कोतवाली थाने में 2, कोनी थाने में 1 मामला दर्ज है। इसी तरह बिलाईगढ़ जिला सारंगढ़ में 1 प्रकरण समेत कुल 8 मामले दर्ज हैं। वर्ष 2018 से ही परिवार सहित फरार था।

पुलिस को चकमा देता रहा आरोपी

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उस पर अपराध दर्ज होने के बाद वह डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सागर और इंदौर में परिवार सहित छिपकर रह रहा था। इसके बाद स्वयं नौकरी करने अलवर चला गया और पत्नी को भोपाल में किराए के मकान में छोड़ दिया था। छिपने का आइडिया उसे फिल्मों से मिला था। प्रकरण के अन्य आरोपी प्रदीप चंद्राकर, सतानंद चंद्राकर अब भी फरार हैं।

रीपा निर्माण में गड़बड़झाला, गलत तरीके से मशीन खरीदी तो कहीं इंफ्रास्ट्रक्चर में हुई गड़बड़ी

रायपुर@पत्रिका. पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में रीपा निर्माण में हुई गड़बड़ी की जांच मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में मंत्रालय के अधिकारी कर रहे हैं। जांच अधिकारियों को अब तक करीब 86 रीपा की रिपोर्ट मिल चुकी हैं, जबकि बाकी जगहों की रिपोर्ट अभी आना बाकी हैं। जिन रीपा की रिपोर्ट मंत्रालय के अधिकारियों को अब तक मिली है, उसमें ज्यादातर में गलत तरीके से मशीनों की खरीदी, कई रीपा में काम ही चालू नहीं हैं। कहीं इंफ्रास्ट्रक्चर में गड़बड़ी मिली है तो कई पर संसाधन नहीं हैं। वहीं, दूरस्थ अंचलों में बनाए गए रीपा की रिपोर्ट वहां के अधिकारियों ने कुछ बिंदुओं की दी ही नहीं है। ऐसे अधिकारियों को फिर से नोटिस जारी फिर से रिपोर्ट भेजने को कहा गया है।

जानकारी के अनुसार, रीपा मामले की जांच कर रहे अधिकारियों ने जिन जगहों से रिपोर्ट नहीं आई हैं, वहां के संबंधित अधिकारियों को 20 अगस्त तक हर हाल में जांच में ली गई सभी बिंदुओं पर रिपोर्ट देने को कहा गया है, ताकि रिपोर्ट की जांच कर 30 अगस्त तक विधानसभा की समिति को रिपोर्ट सौंपी जा सकें।

राजनांदगांव : एसीबी की कार्रवाई

सरपंच से घूस लेते आरईएस एसडीओ रंगेहाथ गिरफ्तार

पत्रिका ब्यूरो @ खैरागढ़/ छुईखदान. एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सोमवार को ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) छुईखदान के एसडीओ सौरभ ताम्रकार को सरपंच से 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसडीओ ताम्रकार ने छुईखदान जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव के सरपंच जगन्नाथ वर्मा को नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी योजना के तहत गांव में बनाए गए गौठान में लघु वनोपज भवन, कचरा शेड, कुकुट शेड, महिला शेड निर्माण कार्य के बिलों का भुगतान करने के एवज में रिश्वत मांगी थी। सरपंच वर्मा ने इसकी शिकायत एसीबी के अधिकारियों से की थी। बिल निकालने एसडीओ ताम्रकार द्वारा 30 हजार रुपए की मांग किए जाने की शिकायत की पुष्टि के बाद एसीबी की टीम सोमवार को प्रार्थी सरपंच के साथ छुईखदान में मौजूद थी। एसडीओ ताम्रकार सरपंच को छुईखदान अपने आरईएस कार्यालय में राशि लेकर बुलाया था। सरपंच द्वारा रिश्वत की राशि 30 हजार रुपए दिए जाने के दौरान ही एसीबी के अधिकारियों ने एसडीओ ताम्रकार को धर दबोचा।

सौरभ ताम्रकार

धमतरी : सिहावा थाना क्षेत्र के कोरमुड गांव की घटना

तेंदुआ उठा ले गया मासूम को, 40 घंटे बाद मिला शव

रायपुर/ धमतरी. जिले में इन दिनों तेंदुए ने गांवों में खौफ फैला रखा है। बीते रविवार को सिहावा थाना क्षेत्र के कोरमुड़ गांव से तेंदुए ने तीन साल के मासूम ऋतिक को घर की बाड़ी से उठा लिया। ऋतिक के पिता योगेश ने बताया कि रविवार की शाम करीब सात बजे ऋतिक अपने घर के बाड़ी में खेल रहा था। थोड़ी देर बाद जब वह वापस नहीं आया तो परिवार वालों ने उसे ढूंढना शुरू किया। लेकिन ऋतिक का कहीं पता नहीं चलने पर परिजनों ने सिहावा थाने में बच्चे के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई।

झाड़ियों में मिला मासूम का सिर: प्रभारी डीएफओ लोकनाथ पटेल ने बताया कि घर से थोड़ी दूर झाड़ियों के पास बच्चे का कटा सिर मिला है।

सिर के अवशेष को माता-पिता ने पहचान लिया है। सिहावा पुलिस पंचनामा कर सिर के अवशेष को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में सिर में तेंदुए के दांत व नाखुन के निशान पाया गया है। पीडित परिवार को तात्कालिक सहायता राशि के रूप में 25000 रुपए दिए गए हैं।

200 मी. दूर मिले अवशेष

पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घर के आसपास तेंदुआ के पैरों के निशान पाए गए। इससे यह आशंका मजबूत हुई कि तेंदुआ ही बच्चे को उठाकर ले गया होगा। इसके बाद से पुलिस, वन विभाग और बच्चे के परिजन उसकी तलाश में जुट गए। लगभग 40 घंटे बाद, ऋतिक के सिर और पैरों में पहने हुए पायल के अवशेष गांव से करीब दो सौ मीटर दूर पहाड़ियों पर मिले। पायल को देखकर परिजनों ने बच्चे की पहचान की। मौके पर रेंजर दीपक गावड़े और अन्य पुलिस एवं वन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

जांजगीर-चांपा : 3600 मेगावॉट के प्लांट में सिर्फ 1800 मेगावॉट का उत्पादन, बचे 1800 मेगावॉट में भी उत्पादन के साथ रोजगार की उम्मीद

कर्ज में डूबे केएसके को खरीदने 27 हजार करोड़ की लगी बोली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जांजगीर-चांपा. प्रदेश के निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी बिजली कंपनी केएसके महानदी पॉवर बिकने की कगार पर है। केएसके को खरीदने के लिए अडानी समूह ने 27 हजार करोड़ की बोली लगाई है। यह बोली सबसे अधिक है। इसके बाद जिले में रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद भी जगी है, क्योंकि 3600 मेगावॉट में मात्र यहां 1800 मेगावॉट का ही उत्पादन हो रहा है। बाकी की इकाई का निर्माण कार्य ही अधूरा पड़ा हुआ है। ऐसे में अब रोजगार के साथ ही बाकी 1800 मेगावॉट में भी बिजली उत्पादन शुरू होने की संभावना जताई जा रही हैं। जिले के अकलतरा स्थित केएसके बिजली संयंत्र लगभग दिवालिया घोषित हो चुकी है। कई बड़े बैंकों से करोड़ों का कर्ज भी लिया है। यह प्लांट बैंक के सुपुर्द है। लेकिन अब बिकने जा रही है। यह 1800 मेगावाट के बिजली संयंत्र की नीलामी के लिए कर्जदाता बैंकों ने ऑफर बुलाए थे। बताया जा रहा है कि इसमें 10 कंपनियों ने केएसके महानदी पॉवर को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है।

मामला हायर लेवल का है। हम इस संबंध में कुछ बोल पाने के लिए अधिकृत नहीं हैं। चूंकि मामला एनसीएलटी में चल रहा है। इसकी जानकारी हैदराबाद में जो अफसर बैठे हैं, कुछ बोल पाएंगे।

- पंकज त्रिवेदी, पूर्व मीडिया प्रभारी केएसके वर्धा पावर प्लांट

इन कंपनियों ने भी लगाई बोली

अडानी समूह के अलावा केप्री ग्लोबल होर्डिग्स, कोल इंडिया, एनटीपीसी, वेदांता, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, नवीन जिंदल की कंपनी जिंदल स्टील एण्ड पॉवर, आईलैब इंडिया, स्पेशल फंड, रश्मि मेटेलिक, सिरसा टेक्नॉलॉजी ने भी ऑफर दिए हैं। केप्री ग्लोबल होर्डिग्स ने 25 हजार करोड़ का ऑफर दिया है। एनटीपीसी तीसरे नंबर की ज्यादा बोली लगाने वाली कंपनी है। एनटीपीसी ने 22 हजार 2 सौ करोड़ की बोली लगाई है। कंपनी की मोर्गा और गारे पेल्मा कोयला ब्लॉकों से गुजरात खनिज विकास निगम और गोवा औद्योगिक विकास निगम के साथ दीर्घकालिक कोयला आपूर्ति व्यवस्था है।

छत्तीसगढ़ के 1 करोड़ से अधिक घरों में भाजपाई फहराएंगे तिरंगा

रायपुर@पत्रिका. भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान के मद्देनजर मंगलवार को पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में हुई। इसमें मार्गदर्शन करने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, बिहार प्रदेश भाजपा के मंत्री और हर घर तिरंगा अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी गुरुप्रकाश पासवान मौजूद थे। हर घर तिरंगा अभियान के लिए भाजपा संगठन ने अलग-अलग मोर्चा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को घर-घर तिरंगा फहराने का जिम्मा सौंपा गया। भाजपा द्वारा प्रदेश के एक करोड़ से अधिक घरों में तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा है। अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी और बिहार प्रदेश भाजपा मंत्री पासवान ने कहा, हर घर तिरंगा अभियान को एक वृहद रूप देना है। 11, 12 और 13 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान को पूरी ताकत के साथ सफल बनाना है। इस अभियान का नेतृत्व युवा मोर्चा द्वारा किया जाएगा और यह अभियान प्रत्येक विधानसभा में होगा।

अनदेखी सालों से खड़े रहने से टायरों की हवा और इंजन का निकला दम

9 साल से खड़े बांग्लादेशी विमान में कबूतरों का बसेरा

एक्सक्लूसिव

राकेश टेंभुरकर
patrika.com

रायपुर. स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट में पिछले 9 साल से खड़े बांग्लादेशी विमान में चिड़िया और कबूतरों का बसेरा बना रखा है। सुबह से लेकर रात तक इस विमान के आसपास मंडराने के बाद ही अपने कुनबे के साथ ही रहते हैं। लंबे समय मेंटनेंस नहीं होने के कारण इसके टायरों की हवा निकल चुकी हैं। इंजीनियरों का कहना है कि फ्लाइट के किसी भी तरह के मूवमेंट नहीं करने और एक ही स्थान पर खड़े रहने के कारण इसके उड़ान भरने की क्षमता पर संदेह जताया है। उनका कहना है कि किसी भी मशीनरी सामान को ज्यादा समय तक उपयोग और देखरेख नहीं करने से इंजन बैठ जाता है। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट के निदेशक एसडी शर्मा ने बताया कि यह नीतिगत मामला है और सारी रिपोर्ट हमारे द्वारा मुख्यालय को भेजी जा चुकी है। अब इस विमान के संबंध में मुख्यालय ही कोई फैसला करेगी।

बंद हो चुकी है विमानन कंपनी : बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज कंपनी को नुकसान होनने और तकनीकी खराबी के चलते फ्लाइटों के ग्राउंट होने के बाद 2016 में बंद हो चुकी है। बताया जाता है कि कामकाज समेटने के कारण कंपनी द्वारा कोई जबाव नहीं दिया जा रहा है। हालांकि फ्लाइट के खराब होने के बाद कंपनी के इंजीनियरों की टीम 2019 में इसे सुधारने के लिए पहुंची थी। इस दौरान विमान को 300 मीटर खिसकाने के बाद पार्किंग क्षेत्र में सुरक्षित रूप से रखा गया था। साथ ही कंपनी के टीम में शामिल अधिकारियों ने जल्द ही विमान को ले जाने की बात कही थी।

4 करोड़ पार्किंग शुल्क, 90 ईमेल भेजने के बाद बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरलाइन्स ने साधी चुप्पी

रायपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज कंपनी को 90 से अधिक पत्र और ईमेल भेजा जा चुका है। इसमें 4 करोड़ रुपए पार्किंग शुल्क देने और विमान को ले जाने कहा गया है। लेकिन, अब तक उनकी ओर से कोई जवाब तक नहीं आया है। इसके चलते अब तक फ्लाइट रायपुर एयरपोर्ट में पार्किंग क्षेत्र में रखा गया है। बता दें कि बांग्लादेश की यूनाइटेड एयरवेज कंपनी के मैकडॉनल डगलस (एमडी 83) 7 अगस्त 2015 को ढाका से 173 यात्रियों को लेकर मस्कट जा रहा था। इस दौरान 32000 फीट की उचाई पर उड़ान भरते समय विमान में इंजन और पंखो में खराबी आने पर उसे आपात स्थिति में रायपुर एयरपोर्ट में उत्तारा गया। इसके बाद दूसरे विमान से यात्रियों को मस्कट के लिए रवाना किया गया। इसके बाद से फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ा है।

दोनों देशों के बीच होगी चर्चा : फ्लाइट को लेकर 2023 में नीलामी करने की कवायद शुरू हुई थी। लेकिन, विमानन कंपनी से कोई जवाब नहीं देने पर मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। इस समय बांग्लादेश की स्थिति को देखते हुए किसी भी तरह की पहल होने की संभावना दिखाई नहीं दे रही है। हालात के सामान्य होने पर दोनों देशों के बीच अधिकारिक स्तर पर बातचीत के बाद ही फ्लाइट के वापसी हो सकती है।

यदि आत्मा अवसाद से ग्रस्त है तो वह स्वनियंत्रण में नहीं रह सकता। जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण नकारात्मक हो जाता है। यदि हमारा आत्मा संतुष्ट भाव में रहता है तो सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

आत्मविश्वास सफलता का सोपान

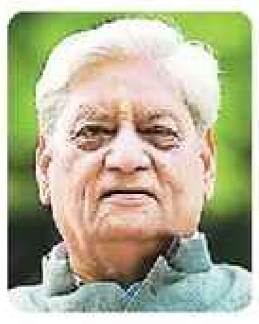

गुलाब कोठारी
प्रधान संपादक
पत्रिका समूह
@patrika.com

आत्मविश्वास का भाव दृष्टि की स्पष्टता, मानसिक तुष्टि, अच्छी भावना तथा आस्था से विकसित होता है। ये भाव मन के धरातल से उद्भूत होते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में विविधता-विषमता, सफलता-विफलता, नेतृत्व-अनुसरण, हानि-लाभ, लक्ष्य-भटकाव जैसे सम और विषम अनुभवों से गुजरता है। तब विविध परिस्थितियों में स्वयं को समझना मुश्किल कार्य हो जाता है। ईश्वर प्रत्येक हृदय में निवास करता है। वही 84 लाख योनियों में होता है। मैं (जीव) स्वयं शरीर नहीं आत्मा हूं, अव्यय हूं, कृष्ण हूं। कृष्ण के समान निर्लिप्त भाव से जीवन जीना मानव के लिए दुष्कर है। क्योंकि वह त्रिगुणों से युक्त कर्मफलों का भोग करने के लिए स्थूल शरीर धारण करता है।

कृष्ण कह रहे हैं कि विषम और सम दोनों परिस्थितियों में समान भाव रखना चाहिए। इसके लिए आप अपने आपको उन्नत करें। अपने आत्मा को 'मैं कुछ नहीं कर सकता' सोचते हुए अवसादग्रस्त नहीं करना चाहिए। आत्मा ही आत्मा का बंधु है तथा पूर्व कर्मों, त्रिगुणों, ऋणानुबन्ध के कारण शत्रु भी है। अतः यदि आत्मा अवसाद से ग्रस्त है तो वह स्वनियंत्रण में नहीं रह सकता। जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण नकारात्मक हो जाता है। यदि हमारा आत्मा संतुष्ट भाव में रहता है तो सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वह आत्मवान व्यक्ति आत्मविश्वास से पूर्ण रहता है।

आत्मविश्वास का भाव दृष्टि की स्पष्टता, मानसिक तुष्टि, अच्छी भावना तथा आस्था से विकसित होता है। ये भाव मन के धरातल से उद्भूत होते हैं। मन चूंकि चन्द्रमा से नियंत्रित होता है अतः चन्द्रकलाओं के अनुसार मनोदशाएं बदलना स्वाभाविक है। इसी कारण मन को चंचल कहा गया है। इस का निग्रह करना कठिन कार्य है। अर्जुन भी कृष्ण से यही प्रश्न कर रहे हैं कि चञ्चलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलवद्दृढम्- इस चंचलता के निरोध से मन में विश्वास समर्पण जैसे सकारात्मक भाव जागृत हो जाते हैं। बुद्धि की दिशा परिवर्तित हो जाती है तथा भटकाव के विचाररूपी बादल स्वतः हट जाते हैं।

आज के सामाजिक परिवेश में हर ओर, हर क्षेत्र में प्रतियोगिता, स्पर्धा है। यदि यह परस्पर स्पर्धा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ती है तो व्यक्ति उत्तरोत्तर प्रगति करता है। इसके विपरीत नकारात्मक भाव व्यक्ति को मानसिक व शारीरिक दोनों दृष्टि से पीड़ित करता है। तब अस्वस्थ वातावरण का प्रभाव परिवार व समाज पर पड़ता है। दाम्पत्य संबंधों में बिखराव, परिवार में विघटन, पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन में बाधा, बच्चों के पालन-पोषण में कमियां आदि के रूप में हम इन दुष्प्रभावों को समझ सकते हैं। अतः व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ अपने परिजनों के भी विकास में अवरोधक बन जाता है। आत्मविश्वास के अभाव में वह कार्यस्थल, परिवार, समाज सभी क्षेत्रों में विफल होने लगता है। परिस्थितिवश वह दुर्व्यसनों में पड़कर क्षणिक सुखोपभोग करता है। लेकिन ये व्यसन उसको जकड़ लेते हैं। चाहकर भी व्यक्ति इनकी पकड़ से बाहर नहीं निकल पाता। इस विषय को दृष्टान्त के माध्यम से समझा जा सकता है। एक बार गुरु व शिष्य दोनों श्रावण मास में गंगा स्नान के लिए गए तभी उनकी दृष्टि जलधारा में तैरते एक कम्बल पर गई। गुरु के आदेश से शिष्य ने उस कम्बल को पकड़ लिया लेकिन, तभी उसे ज्ञात हुआ कि वह भालू है। शिष्य ने भालू को छोड़ दिया किन्तु अब भालू ने उसे पकड़ लिया। इसका आशय इतना ही समझना है कि आसुरी सम्पत्तियों के विषय में भी ज्ञान आवश्यक है। अन्यथा इनके दुष्प्रभावों से बच पाना असंभव हो जाता है।

सबसे अधिक प्रभाव बच्चों के मन पर पड़ता है। यह उसके विकास के प्रारंभिक वर्ष होते हैं। बच्चे माता-पिता का अनुकरण करते हैं। वे जीवन की पूर्णताओं के बीच भी सदैव अपूर्णता का अनुभव करते हैं। आत्मविश्वास का अभाव उनकी उन्नति नहीं होने देता। कई बार माता-पिता की अपूर्ण महत्त्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने का भार बच्चों पर आ जाता है, जो उनकी बुद्धि को कुण्ठित कर देता है। वे तदनुरूप सफलता प्राप्त नहीं होने से डिप्रेशन अर्थात अवसाद के शिकार हो जाते हैं। आजकल कोचिंग प्राप्त करते छात्र-छात्राओं में ऐसे अवसाद तथा उनके परिणामों के उदाहरण आए दिन देखने-सुनने में आते हैं।

इन परिस्थितियों से स्वयं को बाहर निकलने के लिए व्यक्ति को सबसे पहले आत्मविश्वासी होना आवश्यक है। साथ ही आस्थावान बनना चाहिए। आस्था का मार्ग समर्पण, विनयशीलता, सामंजस्य, स्नेह, दया, निरभिमानता आदि से जोड़ने वाला है।

गीता के 16वें अध्याय में कहा गया है कि इन सद्भावों के जागरण से व्यक्ति अभय, सत्त्व शुद्धि, दान, दम, शांति आदि दैवी सम्पत्तियों से युक्त हो जाता है। अभय प्राप्त व्यक्ति सही अर्थों में आत्मा से जुड़ता है। अपने किए कर्मों में भयहीन अवस्था सभी प्रकार के मानसिक-शारीरिक कष्टों से बचाती है। इस अवस्था की प्राप्ति हेतु समर्पण भाव अपेक्षित है। साथ ही अन्न शुद्धि भी आवश्यक है क्योंकि अन्न का मन पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। सात्विक आहार भावों की शुद्धता बनाए रखते हैं। अतः आत्महितैषी पुरुष को सात्विक आहार ही संतुलित मात्रा में ग्रहण करना चाहिए। इससे सात्विकी वृत्तियां जाग्रत हो जाती हैं। राजसी और तामसी वृत्तियां दबती हैं तथा श्रेय मार्ग की ओर बढ़ने में सहायता मिलती है। व्यक्ति अच्छे भावों से भावित होकर स्वयं के साथ-साथ परिवार व समाज के उत्थान में सहयोगी बनता है। यही सही मायनों में आत्मिक उत्थान का मार्ग है।

gulabkothari@epatrika.com

काव्यांजलि...

सावन के दोहे

अंकित शर्मा 'इषुप्रिय'

सावन में पावस करे,
पावन क्षिति की देह।
दादुर बाहर आ गए,
उत्साहित तज गेह।

रिमझिम बूंदें कर रहीं,
मौसम को अनुकूल।
धुला धरा का हो गया,
तृण का हरा दुकूल।

इन्द्रधनुष का डालकर,
प्राची सुभग हिंडोल।
विहगों सह मल्हार गा,
झूले लज्जा खोल।

घुमड़- घुमड़ घिरने लगे,
अंबर में घनश्याम।
नेह वृष्टि से सींच कर,
क्षिति को करें अकाम।

हरियाली तन ओढ़ कर,
सावन करे किलोल।
कभी दृष्ट है दामिनी,
कभी बजे घन-ढोल।

चंदन ले कर पंक का,
और हृदय में प्यार।
नवजीवन का कर रहा,
है सावन सत्कार।

रिमझिम जितनी बढ़ रही,
बढ़ती हिय की हूक।
सावन में पिय भेंट में,
होती जरा न चूक।

बेल

कविता मुकेश

घर के पिछले हिस्से में
जाती हूं मैं कभी-कभार
वहीं मिली थी तुम मुझे
आती हुई जैसे बहार
रेलिंग के सहारे
झूमती-लिपटती सी
कदम रखती हुई ऐसे
जैसे चल रही हो
रेड कारपेट पर कोई परी
हरे परदे हरे बिछौने
सावन बनकर आई तुम
हंसती मुस्कुराती निश्छल
खिलती हुई दिन प्रतिदिन
बताओ अपना नाम अता-पता
कुछ जानी-पहचानी
सी लगती हो
देखा है मैंने तुम्हें शायद
घर के बाहर पार्क में
या मिली थी तुम मुझे
चलते हुए पगडंडी पर
कुछ तो बोलो
किसने बताया रास्ता तुम्हें
मेरे घर-द्वार का
बरसात मिट्टी या हवा ने
या फिर मिलकर तीनों ने
अब चाहे कल मेह बरसे
या न बरसे
हवा बहे न बहे
मिट्टी उड़े न उड़े
रहोगी तुम अब
सदा ही पास मेरे।

कहानी...

ये रिश्ते और परंपरा अनमोल विरासत की तरह हैं, जो हमारे बड़े हमें देकर जा रहे हैं। हम नई पीढ़ी को इन्हें हर हाल में संभालना है। तभी रिश्तों में सावन रह पाएगा, नहीं तो जीवन में बस तपन रह जाएगी।

रिश्तों का सावन

अनीषा चौधरी

मां हमेशा कहती हैं, जैसे तपती धरती को हरा भरा करने के लिए सावन आता है, उसी तरह रिश्तों को भी हरा भरा रखने के लिए प्यार के सावन की जरूरत होती है। मैंने बचपन से ही अपनी मां और बुआ के बीच एक खास रिश्ता देखा है। बुआ मां से काफी बड़ी हैं पर फिर भी दोनों के बीच का प्यार देखते ही बनता है। और सावन में तो मैं उनके रिश्ते का एक खास रूप देखती। बुआ हमेशा मां का सिंजारा लेकर आतीं और एक खूबसूरत सा लहरिया मां के सिर पर ओढ़ाकर मां की बलाएं लेतीं। उस वक्त मां के चेहरे पर एकदम नई दुल्हन सी चमक आ जाती। मां प्यार से बुआ के गले लग जाती। मां बताती हैं कि जब वह पहली बार ससुराल आई थीं, तब बुआ ने उनकी सबसे अच्छी दोस्त बनकर मां के ससुराल का सफर आसान बनाया। और फिर सासू मां के जाने के बाद भी उन्होंने मां को कभी भी सासू मां की कमी महसूस नहीं होने दी। जैसे सासू मां हमेशा मां का सिंजारा तैयार करती थीं। वैसे ही अब बुआ करती हैं।

मां के मना करने पर बुआ कहतीं, 'अरे! ये एक ही दिन तो होता है, जब हम तुम्हें बता पाते हैं कि तुम हमारे जीवन में कितनी खास बन गई हो। तुमने हम सबके जीवन में लहरिया की तरह रंग भर दिए हैं। पूरा साल तुम ससुराल वालों के लिए कितना कुछ करती हो एक दिन तो हमें करने दो। फिर बुआ कहतीं जब तक मैं हूं तुम्हारे जीवन में ससुराल का सिंजारा हमेशा रहेगा।'

और फिर उसके बाद मां बुआ के लिए तीज की तैयारी करतीं। उनके लिए झूला सजातीं, घेवर मंगातीं। और वैसे ही तोहफे लेतीं जैसे एक मां अपनी बेटी के लिए लेती है। तब बुआ के मना करने पर मां कहतीं, 'अरे मां नहीं है तो क्या हुआ, जब तक मैं हूं ये मायके का सावन, ये तीज त्योहार हमेशा आपके रहेंगे।'

और मैं बहुत खुश हो जाती उनका ये अनोखा सा रिश्ता देखकर। उनका ये प्यार मेरे लिए भी सावन को खास बनाता। जब मैं मां से पूछती, 'मां क्या मेरा सावन भी इतना खूबसूरत होगा?' तो मां समझातीं, 'हां क्यों नहीं अगर रिश्तों में समय-समय पर प्यार की बारिश करती रहोगी तो सावन जरूर खूबसूरत होगा।'

एक बार फिर सावन आ चुका था। पर अब बुआ की उम्र कुछ ज्यादा हो गई थी और अब डॉक्टर ने उन्हें कहीं आने जाने का भी मना कर दिया था। मां का मन उदास था और मुझे लग रहा था कि इतने सालों से चला आ रहा ये सिलसिला शायद अब खत्म हो जाएगा। मां बहुत देर तक कुछ सोचती रहीं। फिर पापा से बोलीं, 'दीदी मायके नहीं आ सकती पर मायका तो दीदी के पास जा सकता है।'

और पापा के हां करते ही मां ने झट से सारी तैयारी कर ली। मैं भी मां-पापा के साथ बुआ के घर चल दी। मां को देखते ही बीमार बुआ की आंखों में चमक आ गई। वो इतना खुश हुई कि सब तकलीफें भूल कर मां से बातें करती रहीं। मां ने बड़े प्यार से उन्हें घेवर खिलाया, तोहफे दिए। और फिर बुआ ने एक सुंदर सा लहरिया निकाल कर मां को ओढ़ा दिया।

मैंने कहा, 'बुआ क्या आपको पता था कि हम आएंगे। मां ने आपको फोन करके बता दिया था क्या? हमने तो सरप्राइज प्लान किया था।'

वो हंस कर बोलीं, 'बिटिया दिल के रिश्तों को फोन की जरूरत नहीं होती। मुझे पता था तुम्हारी मां जरूर आएगी। इसलिए मैंने सिंजारा तैयार करके रखा था।'

मां के चेहरे पर आज फिर से वही नई दुल्हन सी चमक थी और बुआ मायके की अल्हड़ लड़की की तरह अपने तोहफे खोलने में लगी थी। और मैं समझ रही थी कि अगर रिश्ते खूबसूरत हों तो सावन हर उम्र में सावन ही रहता है।

ये रिश्ते और परंपरा अनमोल विरासत की तरह हैं, जो हमारे बड़े हमें देकर जा रहे हैं। हम नई पीढ़ी को इन्हें हर हाल में संभालना है। तभी रिश्तों में सावन रह पाएगा नहीं तो जीवन में बस तपन रह जाएगी।

परदेस में हिंदी साहित्यकार...

ऋतु ने रोशन किया भारत का नाम

प्रवासी भारतीय जिस देश में भी गए, उस देश को अपनाने के साथ-साथ उन्होंने वहां भारतीय भाषा और संस्कृति का भी प्रचार किया है। नीदरलैंड बहुत खूबसूरत देश है और इस देश में पहुंच कर प्रवासी भारतीयों ने अपना एक छोटा सा भारत बनाया है और इसमें वो भारतीयता बिखेरते हैं और भारतीयता जीते हैं। नीदरलैंड में रह कर हिंदुस्तान का नाम रोशन करने वाली नई दिल्ली से ताल्लुक रखने वाली ऐसी ही एक भारतवंशी साहित्यकार हैं डॉ. ऋतु शर्मा नंनन पांडे।

अपनी कलम से लेखन का प्रभाव छोड़ने वाली डॉ. ऋतु शर्मा नंनन पांडे का नई दिल्ली में जन्म हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए. हिंदी करने के बाद कोटा विश्वविद्यालय से एम.ए व जनसंचार एवं पत्रकारिता में पी.एच.डी की और शिक्षा के साथ ही भारतीय अनुवाद परिषद से अनुवाद का स्नातकोत्तर डिप्लोमा किया। उन्होंने सन 1997 से लेकर 2004 तक दिल्ली दूरदर्शन के साहित्यिक कार्यक्रम 'पत्रिका' की संचालिका के रूप में कार्य करते हुए 2000-2003 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के खालसा कॉलेज में जनसंचार व पत्रकारिता विषय की प्राध्यापिका पद पर सेवाएं दीं। सन् 2003 में प्रवासी भारतीय डॉ. दिनेश नंनन पांडे से विवाह के बाद वे सन् 2004 से स्थाई रूप से नीदरलैंड में रह रही हैं।

डॉ. ऋतु शर्मा नंनन पांडे नीदरलैंड में रहते हुए अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगठन नीदरलैंड की अध्यक्ष, हिंदी परिषद नीदरलैंड में संयोजिका, लघुकथा वैश्विक संस्थान ह्यूसेन, यू.एस.ए. की संपादक के रूप में सक्रिय हैं। वे 2017 से नीदरलैंड के आसन शहर के टाउन हाल की परामर्श समिति की सदस्य भी हैं।

उनकी अनुवाद की कई पुस्तकें व काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें फ्रांस के नोबेल पुरस्कार विजेता जॉन पॉल सात्र का नाटक 'नो एक्जिट' का हिंदी रूपांतर 'बंद रास्तों के बीच' एनएसडी दिल्ली के पाठ्यक्रम में शामिल है।

उनकी सद्य प्रकाशित पुस्तकें, जानवरों का जानी दुश्मन, नीदरलैंड की लोक कथाएं व वैश्विक काव्य संग्रह इंदौर के पुस्तकालय के उत्कृष्ट लेखन के कृति कुसुम सम्मान से सम्मानित व रजिस्टर्ड हैं।

पुस्तक नीदरलैंड की लोक कथाएं श्री नगर विश्वविद्यालय शोध केंद्र व गिनादेवी शोध केंद्र की ओर से अनुवाद भूषण सम्मान से भी सम्मानित हैं। उनके लेख, संस्मरण कहानियां और कविताएं कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

- एम आई जाहिर

बोधकथा

परोपकार

साल 1858 की बात है। कलकत्ता में एक शाम ईश्वर चंद्र विद्यासागर घर लौट रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक गरीब मजदूर को अपनी पत्नी के साथ रोते हुए देखा। उन्होंने रुककर मजदूर से पूछा कि क्या बात है। मजदूर ने उन्हें बताया कि उसकी बेटी बीमार है। उसे अस्पताल ले जाना है, लेकिन उसके पास पैसे नहीं हैं।

उन्होंने अपनी जेब से कुछ रुपए निकाले और मजदूर को दे दिए। मजदूर चला गया। कुछ दिनों बाद विद्यासागर उसी रास्ते से गुजर रहे थे। अचानक वही मजदूर उनके सामने आया और उनके पैर छूने लगा। उसने कहा, उनके दिए पैसों से उसकी बेटी का इलाज संभव हो सका और वह अब स्वस्थ है। मजदूर ने जब पैसे लौटाने चाहे तो विद्यासागर मुस्कुराए और बोले, 'मैंने तुम्हें पैसे दान नहीं किए। यह एक कर्ज था जिसे तुम्हें चुकाना है।' विद्यासागर ने समझाया, 'इन पैसों से किसी और जरूरतमंद की मदद करो। यही इस कर्ज को चुकाने का तरीका है।'

-देवेन्द्रराज सुथार

दिल से...

भुट्टे के बाल

बात मेरे बचपन की है, बारिश का मौसम था, हम सब बच्चे छत पर सुहाने मौसम का मजा ले रहे थे, तभी एक महक ने हमारा ध्यान आकर्षित किया, वो थी भुट्टे सिकने की महक। हम सभी भाई-बहनों ने नजरें मिलाईं और बोले, वाह किसी के यहां गरमा गर्म भुट्टे सिक रहे हैं, तभी नीचे से मां की आवाज आई, आ जाओ बच्चो, दादी भुट्टे सेंक रही हैं। गरम गरम खा लो। हम सभी फटाफट अपनी दादी के पास जाकर बैठ गए जहां वो अंगीठी में भुट्टे सेंक रही थीं। भुट्टे सब में बराबर बंट गए। मेरा भुट्टा थोड़ा खराब निकला, मुझे आधा भुट्टा ही मिला। मैं उदास होकर बैठ गई ,तभी मेरी दादी ने धीरे से मेरे पास आकर कहा, देखो तुम्हारी दादी की मूछें आ गई हैं, देखो, जल्दी कुछ करो। मैंने फट से देखा तो सच में दादी के मुंह पर बाल थे, जो कि सुनहरे रंग के भुट्टे के ही बाल थे। मेरी हंसी नहीं रुकी और मैं खिलखिला कर दादी की गोद में ही लोट पोट हो गई। मेरी उदासी कहां गायब हुई पता ही नहीं चला। दादी ने मुझे अपने हिस्से का भुट्टा भी चुपके से दे दिया। अब तो मैं और खुश हो गई।

आज मैं कॉर्न चाट बना ही हूं, तो मैंने वैसे ही भुट्टे के बालों को मुंह पर लगाकर सेल्फी ली और खिलखिला कर हंसी। जब भी मैं भुट्टे के बाल देखती हूं तो एक मुस्कान अपने आप आ जाती है।

रितु खेतान

अपने अनुभव साझा करें

हमारे साथ बांटिए रोचक अनुभव और प्रेरक प्रसंग। चयनित अनुभव को प्रकाशित किया जाएगा। आपकी रोचक याद या आपसे जुड़ा प्रेरक प्रसंग हमें 250 शब्दों में लिखकर वाट्सऐप या ईमेल करें।
parivar@epatrika.com

लघुकथा...

निंदक

चकोर आज सुबह पार्क में मिला तो मुझे वह कुछ परेशान सा नजर आया। मैंने अपनी जिज्ञासा छिपाना उचित नहीं समझा और सीधे पूछ लिया, 'कुछ परेशान से दिख रहे हो?' यह सुनकर वह मेरे और करीब आया और फिर उसने मेरा बायां हाथ अपने दाएं हाथ में लेकर पास की बेंच की तरफ चलने का इशारा किया। खैर, जब हम दोनों बेंच पर बैठ गए तो चकोर ने जो किस्सा सुनाया, उसे मैं आपको सुना रहा हूं।

चकोर ने बताया कि पिछले तीन दिन से उसके यहां उसके गांव का उसका एक चचेरा भाई ठहरा हुआ था जिसे वह कुछ देर पहले दिलशाद गार्डन जाने वाली मेट्रो को पकड़ने के लिए मेट्रो स्टेशन छोड़कर आया था। वह चचेरा भाई इन तीन दिनों में इसी दिल्ली में रहने वाले अपने उन तीन रिश्तेदारों की अमीरी की तारीफ उससे लगातार करता रहा जिनके यहां उसने आज तक एक गिलास पानी तक नहीं पीया होगा। हद तो तब हो गई जब वह कल शाम उसकी पत्नी को उसी के सामने यह बोला कि भाभी शुरू से ही हमारा चकोर भाई कमाने- खाने के मामले में तेज-तर्रार नहीं रहा और अगर होता तो आज आपकी भी इस दिल्ली शहर में वैसी ही शानदार कोठी होती जैसे नवीन, वीरेन और ओमवीर की हैं।

- सुभाष चंद्र लखेड़ा

माइंड गेम...

भाववाचक संज्ञा

नीच कुछ जातिवाचक संज्ञाएं दी हुई हैं। उनकी भाववाचक संज्ञा तलाशिए।

1.मनुष्य	7.पहाड़	13.शिशु	19.दास
2.बच्चा	8.चोर	14.बूढ़ा	20.दानव
3.शहर	9.क्षेत्र	15.नारी	21.पंडित
4.इंसान	10.समाज	16.सती	22.वत्स
5.मित्र	11.युवक	17.नौकर	23.विद्वान
6.शत्रु	12.लड़का	18.बंधु	24.सेवक

1. मनुष्यता 2.बचपन 3.शहरी 4.इंसानियत 5.मित्रता 6.शत्रुता 7.पहाड़ी 8.चोरी 9.क्षेत्रीय 10.सामाजिकता 11.यौवन 12.लड़कपन 13.शैशव 14.बुढ़ापा 15.नारीत्व 16.सतीत्व 17.नौकरी 18.बंधुत्व 19.दासता 20.दानवता 21.पांडित्य 22.वात्सल्य 23.विद्वता 24.सेवा।

शॉर्ट रीड **51,000** अमरीकी डॉलर था अमरीका के न्यूजर्सी शहर में साल 2022 में एक शादी का औसत खर्च। स्रोत: स्टेटिस्टा डॉट कॉम

पोनप्पा भड़कीं

खुद जवाबदेही से बचने को दूसरे को दोषी नहीं बना सकते

अश्विनी पोनप्पा, शटलर।

नई दिल्ली @ पत्रिका. पेरिस ओलंपिक के बैडमिंटन कांस्य पदक मुकाबले में लक्ष्य सेन की हार के बाद खिलाड़ियों के प्रयासों की महान खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण द्वारा आलोचना ने बैडमिंटन बिरादरी को विभाजित कर दिया है। युगल खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा ने कहा कि उनकी टिप्पणियां 'खुद की जवाबदेही से बचने के लिए दूसरों पर दोष मढ़ने जैसा हैं'। सेन सोमवार को शुरुआती गेम जीतने के बाद हार गए और कांस्य पदक जीतने से चूक गए। स्तब्ध पादुकोण ने कहा था कि अब समय आ गया है कि खिलाड़ी दबाव का सामना करना सीखें, जवाबदेह बनें और सरकार से पूरा समर्थन मिलने के बाद परिणाम देना शुरू करें। इस पर पोनप्पा ने पोस्ट किया, यह देखकर निराशा हुई। अगर कोई जीतता है, तो हर कोई श्रेय लेने के लिए तैयार रहता है। अगर वे हार जाते हैं, तो यह सिर्फ खिलाड़ी की गलती कैसे है?

तीसरा वनडे : बल्लेबाजों को स्पिनरों पर हावी होना होगा, मुकाबला आज, प्रसारण दोपहर 2.30 बजे से

भारत के सामने श्रीलंका से 27 साल बाद सीरीज गंवाने का खतरा, करनी होगी वापसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलंबो. पहले दो मैचों में बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन से आहत भारतीय क्रिकेट टीम को अगर श्रीलंका से 27 साल बाद सीरीज गंवाने से बचना है तो उसको बुधवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे मैच में स्पिनरों पर हावी होकर खेलना होगा। गौतम गंभीर की मुख्य कोच के रूप में यह पहली वनडे सीरीज है और वह निश्चित तौर पर हार के साथ शुरुआत नहीं करना चाहेंगे।

अंतिम बार 1997 में हारे थे वनडे सीरीज

भारत को श्रीलंका के खिलाफ आखिरी बार वनडे सीरीज में हार का सामना वर्ष 1997 में करना पड़ा था। अर्जुन रणतुंगा की अगुवाई वाली टीम ने तब सचिन तेंदुलकर की भारतीय टीम के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया था। भारत और श्रीलंका के बीच तब से 11 वनडे सीरीज हो चुकी हैं और इन सभी में भारतीय टीम विजयी रही। भारत वर्तमान सीरीज को नहीं जीत पाएगा क्योंकि पहला मैच टाई रहने के बाद दूसरे मैच में उसे 32 रन से हार का सामना करना पड़ा था। अब उसकी निगाह सीरीज बराबर करने पर टिकी हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा (बाएं), मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयनकर्ता अजित अगरकर चर्चा करते हुए।

बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन बड़ा कारण: भारतीय टीम बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण इस स्थिति में पहुंची है। आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही है और कप्तान रोहित शर्मा को छोड़कर भारत का कोई भी अन्य स्पिनरों का डटकर सामना नहीं कर पाया है।

मेजबान स्पिन गेंदबाजों ने बढ़ाई मुश्किल

श्रीलंका के स्पिनर भारत के अन्य बल्लेबाजों के लिए भी अबूझ पहेली बने हुए हैं। स्पिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले शिवम दुबे पिछले मैच में जैफ्री वांडरसे की आसान लेग स्पिन को भी नहीं समझ पाए। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल भी अभी तक श्रीलंका के स्पिनरों को खेलने में असफल रहे हैं। रोहित ने पिछले मैच में 44 गेंद पर 64 रन की धमाकेदार पारी खेली थी। श्रीलंका के स्पिनर उनके सामने नहीं चल पाए थे। भारत के अन्य बल्लेबाजों को भी अपने कप्तान से सीख लेने की जरूरत है।

रियान पराग को मिल सकता है मौका: भारत इस मैच में दुबे की जगह रियान पराग को मौका दे सकता है जो स्पिनरों को अच्छी तरह से खेलते हैं। उनकी स्पिन गेंदबाजी टीम के लिए अतिरिक्त बोनस होगी, क्योंकि भारतीय गेंदबाज भी अभी तक श्रीलंका के स्पिनरों की तरह प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) **7068...**

बाएं से दाएं... 1. क्षति, हानि (4), 5. देना, हाव-भाव, चुकता (2), 7. आने वाला व बीता हुआ दिन (2), 8. दिल्ली की गद्दी पर बैठने वाली पहली मुस्लिम शासिका (3-3), 9. तमो गुणों से युक्त (4), 11. समय, अवधि, मृत्यु (2), 12. आग, अग्नि (3), 15. दूसरों की भलाई (2-2), 16. लिखने का काम (3), 17. निरन्तर, लगातार (3), 19. होंठ, अधर (2), 21. दुनिया, संसार (3), 22. पृथ्वी (2), 23. ले जाने वाला (3), 24. मेरा (2), 25. नाड़ी, रग (2), 26. खोदना (3), 27. तोता, शुक (2)

ऊपर से नीचे... 1. उर्दू अक्षरों में लगाई जाने वाली बिंदी (3), 2. कृतिकार, लेखक(3-2), 3. पापात्माओं का निवास स्थान, जहन्नुम (3), 4. जंगल, वन, निर्जन (4), 5. कृपाएं, मेहरबानियां (3), 6. कण, रवा, अन्न (2), 10. रपटनवाला, चिकना (4), 13. मनोहर, सुंदर (3), 14. बंधुत्व (2-2), 15. मल्ल, कुश्ती लड़ने वाला (5), 17. अंत, खात्मा, समाप्त होना(4), 18. पेड़ का शाखा रहित भाग (2), 20. चर्चा, जिरह (3), 22. घुड़की, झिड़की (3)

हल 7067

न	ज	दी	क		इ	ति	हा	स
स	मा	प	न		क	ल		फ
वा		क	क	ह	रा		ह	ल
र	त			क	र	दा	ता	
	प	र	दा	दा		म	श	क
ज	न	क		र	ह	न		द
ह		म	त		र		रा	र
म	य		था	न	क		ग	दा
त	म	र		या	त	ना		न

SUDOKU 6803...

					7			
		2			5	4	8	3
	8						5	
3			9					
	2						3	1
		6	5	2				
				4				6
		1	7	9		5		
						1		8

हल 6802

2	1	7	3	8	6	9	4	5
6	4	8	9	5	2	3	7	1
5	9	3	7	1	4	8	6	2
7	5	2	4	3	9	1	8	6
3	8	4	1	6	5	2	9	7
1	6	9	2	7	8	5	3	4
8	3	5	6	4	1	7	2	9
4	2	1	8	9	7	6	5	3
9	7	6	5	2	3	4	1	8

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 11 : 15 व 16 अगस्त को मुंबई में होगी नीलामी

पवन समेत कई खिलाड़ियों की लगेगी बोली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पवन सहरावत और प्रदीप नरवाल उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन पर प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) की 15 और 16 अगस्त को यहां होने वाली नीलामी में बोली लगाई जाएगी। पीकेएल ने मंगलवार को सीजन 11 के लिए 'एलीट रिटेन खिलाड़ी', 'रिटेन युवा खिलाड़ी' और 'मौजूदा नए युवा खिलाड़ी' वर्ग में शामिल खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की।

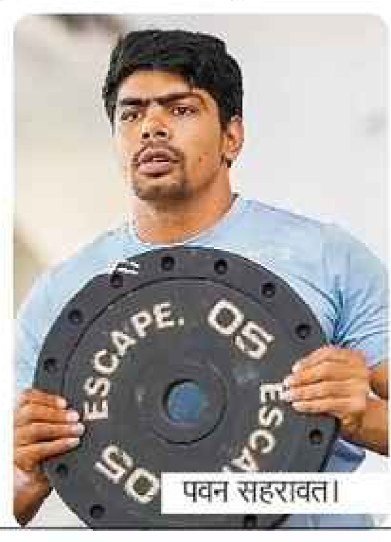
पवन सहरावत।

88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणी में बांटा ■ कुल 88 खिलाड़ियों को तीन श्रेणियों में रखा गया, जिनमें से 22 एलीट रिटेन प्लेयर्स श्रेणी से, 26 रिटेन यंग प्लेयर्स श्रेणी से और 40 मौजूदा नए युवा खिलाड़ी हैं।
■ ए श्रेणी के लिए 30 लाख रुपए बेस प्राइज रखा गया है, जबकि बी श्रेणी के लिए 20 लाख, सी श्रेणी 13 लाख और डी श्रेणी के लिए 9 लाख रुपए बेस प्राइज है।

एसए-20 : इस लीग में खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे

पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे दिनेश कार्तिक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दिनेश कार्तिक अगले साल नौ जनवरी से शुरू होने वाले एसए-20 टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी होंगे। कार्तिक ने इस वर्ष जून में अपने 39वें जन्मदिन पर संन्यास लेने की घोषणा की थी। उसके बाद एसए-20 कार्तिक का पहला टूर्नामेंट होगा। कार्तिक ने भारत के लिए 180 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

उत्साहित हूं : कार्तिक

कार्तिक ने कहा, दक्षिण अफ्रीका में मेरी बहुत ही अच्छी यादें रही हैं और मेरे सामने जब यह मौका आया तो मैं मना नहीं कर सका। मैं प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए उत्साहित हूं। कार्तिक ने अब तक कुल 401 टी-20 मैच खेले हैं। आइपीएल में वह कोलकाता नाइट राइडर्स सहित छह टीमों का हिस्सा रहे हैं।

पेज 1 का शेष

'स्कूल में...

बच्चा अनमोल राष्ट्रीय संसाधन है, जिसका पालन-पोषण और देखभाल नरमी के साथ की जानी चाहिए। पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 21 के अधिकार बच्चों पर भी लागू होते हैं। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के 1997 के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें जोर दिया गया था कि जब तक बच्चे के सामाजिक और शारीरिक स्वास्थ्य के अनुकूल माहौल नहीं बनाया जाता, तब तक वह समाज का जिम्मेदार सदस्य नहीं बन सकता।

बांग्लादेश में...

बांग्लादेश में सेना के कमान संभालने के बावजूद उपद्रव हो रहे हैं। आवामी लीग के नेताओं के साथ जगह-जगह मारपीट की जा रही है। एक सांसद के होटल को उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया जिसमें 25 लोग मारे गए। क्रिकेटर मुर्तजा के घर में भी आग लगा दी गई। उपद्रवी पुलिसकर्मियों को भी निशाना बना रहे हैं। हत्या और थानों में आग लगाने की घटनाओं के बाद सुरक्षा की मांग करते हुए पुलिसकर्मी देशव्यापी हड़ताल पर चले गए हैं। बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने संसद भंग दी है। अंतरिम सरकार बनाने की कवायद जारी है। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व का आग्रह स्वीकार कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र ने भी देश में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक सत्ता हस्तांतरण का आह्वान किया है। इस बीच, बांग्लादेश की सेना में टॉप पदों पर बड़े बदलाव किए गए हैं।

अंतरिम सरकार का ड्राफ्ट शीघ्र: बांग्लादेश में सेना के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का गठन करने की तैयारी चल रही है। छात्र संगठन ने कहा कि 24 घंटे के भीतर अंतरिम सरकार का ड्राफ्ट पेश कर दिया जाएगा, जिसके प्रमुख नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री डॉ. मोहम्मद यूनुस होंगे। छात्र संगठनों ने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों और नागरिकों द्वारा समर्थित सरकार के अलावा किसी अन्य सरकार का समर्थन नहीं करेंगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए सभी लोगों को राष्ट्रीय नायक घोषित किया गया है।

विहिप की चिंता, अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं: विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के मकानों, दुकानों और दफ्तरों और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है। कल रात तक अकेले पंचगढ़ जिले में 22 घर, झीनैदाह में 20 घर और जैसोर में 22 दुकानों को कट्टरपंथियों ने निशाना बनाया। श्मशान तक तोड़ दिए गए। मंदिर और गुरुद्वारों को भी क्षति पहुंचाई गई है।'

पल-पल अपडेट: धीरे धीरे नियंत्रण में आ रहे हालात

■ ढाका से प्राप्त स्थानीय खबरों के अनुसार, पुलिस और सेना के जवान सड़कों पर गश्त लगा रहे हैं। इस वजह से स्थिति धीरे धीरे नियंत्रण में आ रही है। बांग्लादेश में एक लंबे समय के बाद मंगलवार को विद्यालय भी खोले गए हैं।

■ ढाका की सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन का संचालन शुरू हो गया है। इसके अलावा सड़कों में दुकानदारों ने भी अपनी दुकानें खोलना शुरू कर दिया है। सरकारी वाहनों को भी कार्यालयों की तरफ जाते हुए देखा गया है।

■ एयर इंडिया नई दिल्ली से ढाका के लिए अपनी निर्धारित उड़ान बुधवार से संचालित करने की घोषणा की है। इसके अलावा विस्तारा ने भी कहा कि नई दिल्ली और ढाका के लिए निर्धारित सेवाएं 7 अगस्त से बहाल होंगी।

■ महाराष्ट्र सरकार ने बांग्लादेश में पढ़ रहे राज्य के करीब 20 छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए अधिकारियों की एक टीम गठित की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि इन छात्रों की एक सूची विदेश मंत्रालय के साथ साझा की गई है।

आइआइटी मद्रास

पूर्व छात्र ने दिए 228 करोड़ रुपए

चेन्नई. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मद्रास के पूर्व छात्र डॉ. कृष्णा चिवुकुला (एमटेक, 1970) ने संस्थान को 228 करोड़ रुपए की सहयोग राशि दी है। ये राशि भारत में किसी शैक्षणिक संस्थान को दिया गया अब तक का सबसे बड़ा सहयोग है। चिवुकुला के सम्मान में मंगलवार को संस्थान ने एक अकादमिक ब्लॉक का नाम उनके नाम पर रखा। चिवुकुला की ओर से दी गई सहयोग राशि का इस्तेमाल छात्रवृत्ति, अनुसंधान और नए छात्रों के लिए यूजी फैलोशिप कार्यक्रम आदि में किया जाएगा। डॉ. कृष्णा चिवुकुला ने 1970 में आइआइटी मद्रास से जेट प्रोपल्शन में एम. टेक (एयरोस्पेस इंजीनियरिंग) के साथ स्नातक की उपाधि ली।

टैक्स देनदारी कम होगी

बड़ी राहत : प्रॉपर्टी बेचने से हुई आय पर मिलता रहेगा इंडेक्सेशन लाभ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने प्रॉपर्टी (रियल एस्टेट) की बिक्री से होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स की गणना में इंडेक्सेशन के लाभ को फिर से बहाल कर दिया है। इससे प्रॉपर्टी में निवेश करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिली है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मे 2024-25 के आम बजट में प्रॉपर्टी की बिक्री से होने वाले लाभ पर इंडेक्सेशन बेनिफिट को खत्म कर एलटीसीजी की दर को 20% से घटाकर 12.5% कर दिया था, जिसकी आलोचना हो रही थी। अब सरकार ने रियल एस्टेट के लिए लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स (एलटीसीजी) व्यवस्था में संशोधन किया है।

दो विकल्प दिए

प्रॉपर्टी खरीदारों को दो विकल्प दिए हैं। पहले विकल्प में निवेशक प्रॉपर्टी को बेचने से हुए लाभ पर 20% कैपिटन गेन्स टैक्स के साथ इंडेक्सेशन का लाभ ले सकते हैं। वहीं दूसरे विकल्प में वे बिना इंडेक्सेशन लाभ के 12.5% कैपिटन गेन्स टैक्स चुका सकते हैं। हालांकि, इंडेक्सेशन का लाभ केवल उन्हीं प्रॉपर्टी खरीदारों को मिलेगा जिन्होंने प्रॉपर्टी 23 जुलाई, 2024 से पहले खरीदी है। इससे लोगों को प्रॉपर्टी बेचने से हुए लाभ पर कम टैक्स का भुगतान करने में मदद मिल सकती है, क्योंकि अब वे लाभ की गणना में बढ़ती महंगाई और मकान के मेंटेनेंस के खर्च को एडजस्ट कर सकेंगे।

बांग्लादेश संकट : भारत को लगेगा बड़ा झटका! रोज ₹150 करोड़ का आयात-निर्यात प्रभावित

भारत के कपड़ा क्षेत्र को हो सकता है लाभ हर माह 40 करोड़ डॉलर बढ़ेगा निर्यात!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. बांग्लादेश के सियासी संकट के कारण भारत के निर्यात को तगड़ा झटका लग सकता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में दोनों देशों के बीच 13 अरब डॉलर (करीब 1.10 लाख करोड़ रुपए) का द्विपक्षीय व्यापार हुआ, जिसमें बांग्लादेश के साथ भारत का आयात कम और निर्यात ज्यादा है। भारत ने बांग्लादेश को 11.1 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि आयात केवल 1.8 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष में इसके बढ़ने की संभावना थी। बांग्लादेश में तख्तापलट से दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध पर गहरा असर पड़ेगा। इससे कपास निर्यात घट सकता है।

बांग्लादेश संकट के बाद वहां का कपड़ा उद्योग अब तमिलनाडु के तिरुपुर जैसे शहर में शिफ्ट हो सकता है। जानकारों ने कहा, बांग्लादेश से जितना कपड़ा एक्सपोर्ट होता है, अगर उसका 10-11% हिस्सा भी तिरुपुर जैसे शहरों की तरफ मुड़ जाए तो भारत कपड़ा निर्यात में हर महीने 30 से 40 करोड़ डॉलर यानी करीब 2515 से 3354 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो जाएगी।

मासिक टेक्सटाइल निर्यात भारत 1.3-1.5 अरब डॉलर बांग्लादेश 3.5-3.8 अरब डॉलर

भारत का बांग्लादेश से व्यापार

वर्ष	निर्यात	बदलाव	आयात	बदलाव
2019-20	8.2	-10.9%	1.3	21%
2020-21	9.7	18.2%	1.1	-13.7%
2021-22	16.1	66.7%	1.9	81.2%
2022-23	12.2	24.4%	2.0	2.2%
2023-24	11.1	9.4%	1.8	-8.7%

(आयात-निर्यात की राशि अरब डॉलर में)

25% टेक्सटाइल फैक्ट्री बांग्लादेश में भारतीयों का, ***जो भारत हो सकते हैं शिफ्ट***

8वां सबसे बड़ा निर्यात बाजार है बांग्लादेश भारत का, ***12% भारक का निर्यात अकेले बांग्लादेश में, 25वां सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर***

12.9 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार भारत और बांग्लादेश के बीच, ***जिसमें भारत का निर्यात अधिक***

10-11% **निर्यात** भी बांग्लादेश से भारत शिफ्ट हो जाता है तो देश का कपड़ा ***निर्यात हर माह 40 करोड़ डॉलर बढ़ जाएगा***

भारत के कुल कपास निर्यात में बांग्लादेश की हिस्सेदारी

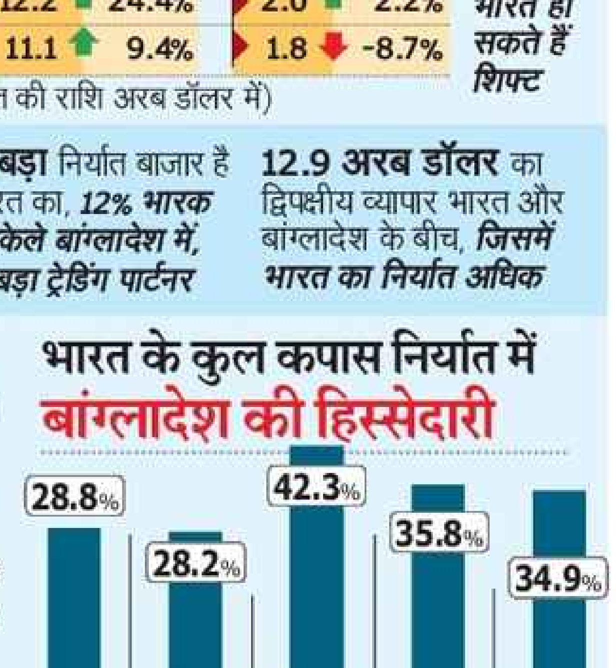

10% ज्यादा रेडीमेड कपड़ों के ऑर्डर अब तिरुपुर इंडस्ट्री को मिलने की उम्मीद

कारखाने भी भारत में शिफ्ट होंगे!

बांग्लादेश से हर महीने 3.5 से 3.8 अरब अमरीकी डॉलर के टेक्सटाइल का एक्सपोर्ट होता है। इसमें अमरीका-ब्रिटेन और यूरोपियन संघ के देश शामिल हैं। जबकि भारत का अपैरल और टेक्सटाइल एक्सपोर्ट केवल 1.3 से 1.5 अरब डॉलर के बीच है। जानकारों के मुताबिक बांग्लादेश संकट के कारण दुनियाभर के कारोबारी भारत में अपने ऑर्डर की संख्या बढ़ाएंगे। क्रिसमस सीजन के लिए अमरीका और यूरोपीय बाजारों से रेडीमेड कपड़ों के बड़े ऑर्डर बांग्लादेश के पास हैं, जो अब भारत को मिल सकते हैं। साथ ही बांग्लादेश में जिन भारतीयों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगी हैं, वे भारत शिफ्ट कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो न केवल कपड़ा उद्योग बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार के अधिक अवसर भी मिलेंगे।

मध्य प्रदेश : बेपटरी हुई मालगाड़ी, चार घंटे थमे रहे ट्रेनों के पहिए

इटारसी @ पत्रिका. पश्चिम मध्य रेलवे के व्यस्ततम इटारसी रेल खंड में सोमवार की रात मालगाड़ी बेपटरी होने से कई ट्रेनों के पहिए थम गए। नागपुर-मुंबई ट्रैक प्रभावित होने से कई एक्सप्रेस ट्रेनें निर्धारित समय से चार पांच घंटे विलंब से चलीं। मुंबई जाने वाली सचखंड, गरीबरथ, पातालकोट एक्सप्रेस और हावड़ा मेल को अन्य स्टेशनों पर खड़ा किया गया।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ की बेटी का कमाल

छत्तीसगढ़ की बेटी ने फहराया एवरेस्ट पर तिरंगा

दिया बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश

निखिल कुमार
patrika.com

बेंगलूरु. 'जितना पहाड़ चढ़ाना था, चढ़ा लिया। अब तो शादी करा दो'... ये ताने मेरे कानों में गूंज रहे थे। मैं करीब सौ मीटर दूर अपने लक्ष्य को देख पा रही थी। जैसे ही मैंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर कदम रखा तो एक क्षण के लिए सब कुछ भूल गई। माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराकर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया तो लगा कि हिम्मत हो तो बेटियां असंभव को भी संभव बना सकती हैं।

ये कहना है पर्वतारोही याशी जैन का। याशी माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल करने वाली छत्तीसगढ़ के रायगढ़ की पहली बेटी हैं। उन्होंने यह सफलता 17 मई 2023 को हासिल की।याशी बताती हैं कि हिमस्खलन, माउंटेन सिकनेस, थकान, हाइपोथर्मिया, फ्रॉस्ट बाइट, पर्वतारोही के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। पर्वतारोहियों को चाहिए कि अगर वे थक जाएं तो जबरदस्ती पर्वत पर चढ़ने का प्रयास ना करें। आराम करें या लौट जाएं।

खराब मौसम ने दो बार किया निराश

याशी ने बताया कि वर्ष 2021 में एक सप्ताह में उन्होंने दो बार एवरेस्ट चढ़ने की कोशिश की। पहले प्रयास में 8,000 मीटर (कैंप-4) तक पहुंचीं। खराब मौसम के कारण लौटना पड़ा। दूसरा प्रयास भी मौसम की भेंट चढ़ गया। कैंप-3 (7200 मीटर) से लौटना पड़ा।

इन चोटियों पर फहरा चुकीं तिरंगा

- **2023:** माउंट अकंकागुआ (6,961 मीटर)
- **2022:** माउंट किलिमंजारो (5,896 मीटर)
- **2019:** माउंट एल्ब्रुस (5,642 मीटर)
- **2018:** माऊंट जोगिन, 3 चोटी (6,116 मीटर)

वर्ष 2016 में शुरूआत

याशी जैन ने मई 2016 में दार्जिलिंग के हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट (एचएमआइ) में बेसिक कोर्स में पर्वतारोहण के गुर सीखे। ग्लेशियर पर ट्रैकिंग के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि वे पहाड़ों लिए नहीं बनी हैं, लेकिन रेनोक पीक (5000 मीटर) चढ़ने में कामयाब रहीं तो पर्वतारोहण को आगे बढ़ाया। वे बताती हैं कि माउंट अकंकागुआ की चढ़ाई तक अधिकतम फंडिंग पिता व बैंक मैनेजर अखिलेश जैन देते थे। माता-पिता ने आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया।

तेलंगाना डीआरडीओ की 40 से अधिक उद्योगों के साथ साझेदारी

हैदराबाद @ पत्रिका. रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने वैश्विक स्तर पर बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग को बढ़ावा देने के लिए 40 से अधिक उद्योगों के साथ साझेदारी की है। डीआरडीओ के वैज्ञानिक डॉ. के. वीरब्रह्मम और उनकी टीम ने पेट्रोलियम उत्पादों या पौधों के तेलों से प्राप्त बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर पीबीएटी का उपयोग करके बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग उत्पाद विकसित किए हैं। संगठन की ओर से मंगलवार को बताया गया कि 40 से अधिक उद्योगों के साथ निशुल्क साझेदारी की गई है।

जेवेलिन थ्रो : मौजूदा चैंपियन की निगाहें अपना खिताब बचाकर इतिहास रचने पर, क्वालीफाइंग राउंड मे किया शानदार प्रदर्शन

पहले थ्रो में 89.34मी, नीरज शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहुंचे

विशेष संवाददाता
patrika.com

पेरिस @ पत्रिका. पेरिस ओलंपिक में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की भालाफेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज जब गुरुवार रात फाइनल में उतरेंगे तो पूरा देश उनके लिए प्रार्थना कर रहा होगा। यदि नीरज खिताब बचाने में सफल हुए तो वह ओलंपिक इतिहास में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन जाएंगे। नीरज और इस उपलब्धि के बीच सिर्फ कुछ मीटर का फासला रह गया है।

प्रसारण : गुरुवार रात 11.55 पर, दूरदर्शन, जियो सिनेमा पर

इस तरह क्वालीफाइंग का गणित...

32 एथलीटों ने क्वालीफाइंग राउंड में भाग लिया, ***एक ग्रुप में 16 को जगह***

84 मीटर की दूरी हासिल करने वाले एथलीट को ***सीधे फाइनल में जगह मिली***

12 एथलीटों को फाइनल में जगह मिली, ***जिनका स्कोर 32 एथलीटों में शीर्ष रहा***

02 गोल्ड जीतने वाले पहला भारतीय एथलीट बनने का मौका

नीरज चोपड़ा

नीरज बोले, फाइनल में अलग चुनौती होगी

फाइनल में जगह बनाने के बाद नीरज ने कहा कि क्वालीफिकेशन राउंड के मुकाबले फाइनल में सभी एथलीट का अलग माइंडसेट होता है। उन्होंने कहा, मैं पिछले कुछ दिन से यहां की परिस्थितियों से तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा था। अब मैंने लय हासिल कर ली। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं।

कड़ी प्रतिस्पर्धा: नीरज ने कहा, फाइनल आसान नहीं होने वाला है और मुझे अन्य एथलीटों से तगड़ी चुनौती मिलेगी। मैं किसी एक एथलीट का नाम नहीं लूंगा क्योंकि जिसने भी फाइनल में जगह बनाई है, वो सभी अच्छी तैयारी के साथ आए हैं।

फाइनल में इन 5 से मिलेगी कड़ी चुनौती

एथलीट	देश	मीटर
पीटरसन एंडरसन	ग्रेनेडा	88.63
जूलियन वेबर	जर्मनी	87.76
नदीम अशरफ	पाकिस्तान	86.59
जूलियस येगो	केन्या	85.97
जैकब वेडलेजेक	चेक गणराज्य	85.63

किशोर जेना फाइनल में जगह नहीं बना सके: किशोर जेना ने निराश किया। वह क्वालीफाइंग राउंड में अपने पहले प्रयास में सर्वाधिक 80.73 मीटर तक भाला फेंका। वह 18वें स्थान पर रहे।

08 स्वर्ण पदक अमरीका ने ***अब तक सवाधिक तैराकी में जीते हैं***

ओलंपिक पदक तालिका

स्थान	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
1.	अमरीका	22	31	29	82
2.	चीन	22	20	16	58
3.	ऑस्ट्रेलिया	14	12	09	35
4.	फ्रांस	13	16	19	48
5.	ब्रिटेन	12	15	18	45
61	भारत	00	00	03	03

तालिका मंगलवार रात तक की है

हॉकी : भारतीय टीम सेमीफाइनल में जर्मनी से हारी

फाइनल में खेलने का सपना टूटा, अब कांस्य पदक जीतने पर निगाहें

हार के बाद निराश भारतीय खिलाड़ी और जीत से खुश जर्मन खिलाड़ी।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. भारतीय पुरुष हॉकी टीम का फाइनल में जगह बनाने का सपना लगातार दूसरे ओलंपिक खेलों में टूट गया। मंगलवार को खेले गए पेरिस ओलंपिक गेम्स के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत को कड़े संघर्ष के बाद जर्मनी के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

स्पेन के खिलाफ कल होगा मैच

अब भारतीय टीम कांस्य पदक के लिए गुरुवार को स्पेनिश टीम के खिलाफ मुकाबला खेलने के लिए उतरेगी। भारतीय टीम ने टोक्यो ओलंपिक खेल 2020 में भी कांस्य पदक जीता था। वहीं, स्पेनिश टीम को सेमीफाइनल में नीदलैंड्स के खिलाफ 0-4 से हार का सामना करना पड़ा है।

चौथे क्वार्टर में पिछड़ गई भारतीय टीम

भारत और जर्मनी की टीम चौथे और आखिरी क्वार्टर में 2-2 से बराबरी पर थी, लेकिन मैच खत्म होने से सिर्फ छह मिनट पहले जर्मनी की टीम ने बढ़त हासिल कर ली जो निर्णायक साबित हुई। जर्मनी के मार्को मिल्टकाऊ ने भारतीय डिफेंस में सेंध लगाई और टीम को 3-2 से आगे कर दिया।

बढ़त हासिल करने का फायदा नहीं उठा सके

मैच की शुरुआत में भारतीय टीम ने हरमनप्रीत सिंह के गोल से सातवें मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली थी लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी। 18वें मिनट में पीलैट और 27वें मिनट में क्रिस्टोफर के गोल से जर्मनी ने स्कोर 2-1 किया। सुखजीत ने 36वें मिनट में भारत को बराबरी दिलाई थी।

आज का पोल

क्या अंतिम पंघल महिला कुश्ती में भारत के लिए पदक जीत सकती हैं?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

मंगलवार का जवाब

हां 90% नहीं 10%

पिछला सवाल: क्या भारतीय पहलवान कुश्ती में दो या उससे ज्यादा पदक जीत सकते हैं?

पुरुष फुटबॉल

फ्रांस और स्पेन के बीच होगा फाइनल

फ्रांस फुटबॉल टीम के खिलाड़ी।

पेरिस@ पत्रिका. मेजबान फ्रांस के पास घरेलू दर्शकों के सामने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की फुटबॉल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने का यह सुनहरा मौका है। पेरिस ओलंपिक में पुरुष फुटबॉल का फाइनल फ्रांस और स्पेन के बीच गुरुवार देर रात खेला जाएगा। सोमवार खेले गए मैच में फ्रांस ने अतिरिक्त समय में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे मिस्र को 3-1 से मात दी। जीन फिलिप माटेटा ने सेमीफाइनल में दो गोल किए। निर्धारित समय में स्कोर 1-1 रहा व खेल अतिरिक्त समय में चला गया। मिस्र के डिफेंडर फायद उमर को दो मिनट में दो यलो कार्ड दिखाए गए, जो रेड कार्ड में बदल गया।

निराशाजनक

दूषित पानी के कारण तैराकी का अभ्यास स्थगित

पेरिस@ पत्रिका. सीन नदी के दूषित पानी के कारण पेरिस ओलंपिक गेम्स में मंगलवार को तैराकी की स्पर्धाओं का ट्रेनिंग सत्र स्थगित कर दिया गया है। पेरिस ओलंपिक में यह पांचवीं बार है, जब तैराकी के अभ्यास सत्र को स्थगित कर दिया गया है। हाल ही में सीन नदी के पानी की ताजा जांच की गई है, जिसमें बैक्टीरिया का स्तर काफी ज्यादा पाया गया है। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि जल्द ही पानी सही होगा और तैराकी की स्पर्धा शुरू की जाएगी।

महिला कुश्ती फ्रीस्टाइल : भारतीय पहलवान ने 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में बनाई जगह

चोट और संघर्ष से पार पाकर निखरीं विनेश

बेमिसाल...

मंगलवार को सेमीफाइनल में क्यूबा की पहलवान को हराने के बाद भारत की विनेश फोगाट (दाएं)।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. भारतीय महिला कुश्ती के लिए मंगलवार का दिन बेहतरीन रहा और अनुभवी पहलवान विनेश फोगाट ने इतिहास रचते हुए 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। विनेश फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला पहलवान बनीं, लेकिन उनके लिए यहां तक की राह आसान नहीं रही। पिछले कुछ सालों में विनेश को ना सिर्फ चोट बल्कि भारतीय कुश्ती फेडरेशन के खिलाफ हुए कड़े संघर्ष का सामना करना पड़ा। ये उनके लिए बेहद ही मुश्किल समय था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और तीसरी बार ओलंपिक खेलों में जगह बनाई।

एक दिन में जीतीं 3 बाउट

1. **प्री-क्वार्टरफाइनल** टोक्यो ओलंपिक की ***चैंपियन युई सुसाकी को 3-2 से हराया।***
2. **क्वार्टरफाइनल** यूक्रेन की पहलवान ***ओक्साना लिवाच को 7-5 से पटखनी दी।***
3. **सेमीफाइनल** क्यूबा की पहलवान ***गुजमान लोपेजी को 5-0 से शिकस्त दी।***

फाइनल में साराह से भिड़ंत

फाइनल में विनेश फोगाट का सामना अमरीका की साराह हिल्डेब्रांइट से होगी, जिन्होंने अन्य सेमीफाइनल में मंगोलियाई पहलवान ओटगोनजार्गल को 5-0 के अंतर से हराया।

मां बोली

बेटी अब गोल्ड ही लाना है...

मैच जीतने के बाद विनेश ने वीडियो कॉल पर अपने परिवार से बात की। विनेश की मां ने कहा कि बेटी अब गोल्ड ही लाना है। हमें पूरा भरोसा है कि तुम चैंपियन बनोगी। विनेश हरियाणा की रहने वाली हैं और उनके घर में अभी से ही जश्न की शुरुआत हो गई है।

अच्छा प्रदर्शन किया

मुझे परेशानी इस बात से है कि जब देश की ये बेटियां पिछले साल जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही थीं, तो भारत सरकार ने एक भी शब्द नहीं बोला। अब जब उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है, तो आप उन पर देश की बेटियां होने का दावा कैसे करेंगे? **-बजरंग,** पहलवान।

तपस्या का फल

यह मेरे लिए बेहद भावुक पल है। आज कई वर्षों की तपस्या के बाद विनेश फोगाट का सपना साकार हुआ। अपने सपने के साथ उन्होंने ना सिर्फ मेरा बल्कि करोड़ों देशवासियों का अधूरा सपना पूरा किया। पदक पक्का हो गया। **- साक्षी मलिक,** पूर्व पहलवान।

महावीर फोगाट की सलाह काम आई

विनेश फोगाट को उनके अंकल और कोच महावीर फोगाट की सलाह का काफी फायदा मिला। द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित महावीर फोगाट ने कहा, मैंने विनेश के साथ गई कोच हरविंदर से कहा कि वह जापानी प्रतिद्वंद्वी की लेग अटैक रणनीति पर नजर रखे, पहले राउंड में अच्छा बचाव करें और विनेश ने यही किया। मुझे खुशी है कि वह फाइनल में पहुंच गई और पूरे देश को उस पर गर्व है।

भारोत्तोलन : भारतीय एथलीट ने टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था

मीराबाई चानू की नजर ऐतिहासिक पदक पर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू बुधवार को यहां पेरिस में अपने पदक का रंग बदलने उतरेंगी। चानू महिलाओं के 49 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा लेंगी। टोक्यो ओलंपिक में खेलों के पहले ही दिन चानू ने कुल 202 किग्रा के साथ रजत पदक जीता था। टोक्यो के बाद उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन राष्ट्रमंडल खेल 2022 में रहा, जहां उन्होंने 201 किग्रा के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया था।

मीराबाई चानू एक स्पर्धा के दौरान।

207 किग्रा तक वजन उठाना की चुनौती: मीराबाई ने हिप इंजरी से उबरने के बाद वापसी की है। राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने बताया कि वह पूरी तरह से फिट है। शर्मा ने कहा, हम जानते हैं कि मीराबाई को 205 से 207 किग्रा से अधिक वजन उठाना होगा। वह कड़ी चुनौती के लिए तैयार है।

टेबल टेनिस : पुरुष टीम को 0-3 से मिली शिकस्त

प्री-क्वार्टरफाइनल मैच में चीन के खिलाफ भारत की करारी हार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. भारतीय टीम मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष टेबल टेनिस टीम स्पर्धा के प्रीक्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय चीन के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। भारत की 14वीं वरीय टीम के पास कई बार के ओलंपिक चैंपियन चीन का कोई जवाब नहीं था जिसने मुकाबला 3-0 से जीता।

शरत कमल

शरत की एक गेम जीते: अनुभवी अचंता शरत कमल ही एक गेम जीतने में सफल रहे। हरमीत देसाई और मानव ठक्कर को मा लोंग और वैंग चुकिन की नंबर एक जोड़ी ने 11-2, 11-3, 11-7 से मात दी।

दिग्गज की राय : एथलेटिक्स में नीरज बने प्रेरणा

खेल व जीत के प्रति जुनून ही मेडल दिला सकता है

विशेष कॉलम
गोपाल सैनी
पूर्व ओलंपियन धावक

पेरिस ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स की प्रस्पिर्धाएं शुरू हो चुकी हैं। देश के 140 करोड़ लोगों की उम्मीदें हैं कि हमारे एथलीट ज्यादा से ज्यादा पदक हासिल करें। हर एथलीट चाहता है कि वो पदक जीते लेकिन सभी की अपनी एक लिमिट होती है।...और लोगों की तरह मुझे भी टोक्यो ओलंपिक के भालाफेंक चैंपियन नीरज चोपड़ा से गोल्ड की उम्मीद है। नीरज ने भारत में एथलेटिक्स को एक नई पहचान दिलाई है और मुझे पूरी उम्मीद है कि वो फिर चैंपियन बनेंगे।

जैसा कि मैंने पहले कहा कि हर एथलीट की अपनी एक लिमिट होती है, लेकिन यदि आपको इससे पार जाना है तो वातावरण, तकनीक, ट्रैक और कोच बहुत मायने रखते हैं। खिलाड़ी जब अपनी तकनीक पर बारीकी से काम करते हैं तो अपनी लिमिट से पार जा सकते हैं और नीरज ने भी पिछले कुछ सालों में ऐसा किया है। जर्मन कोच के द्वारा एक मशीन के जरिए उनका एंगल ठीक किया गया था, तब जाकर वे 70 मीटर से 90 मीटर के करीब भाला फेंक पाए थे। खेल और उससे ज्यादा जीत हासिल करने का जुनून आपको मेडल जिताता है, जो नीरज चोपड़ा के अंदर है।

लोग कहते हैं 140 करोड़ की जनसंख्या में सिर्फ 117 ही एथलीट ओलंपिक में गए? दरअसल, अब भी भारत में लोगों के अंदर खेल के प्रति जागरुकता की कमी है। भारत में माता-पिता खेलों को कमर्शियल की तरह लेते हैं और सोचते हैं कि इससे क्या फायदा मिलेगा? हमें इस सोच को बदलने की जरूरत है।

पेरिस ओलंपिक // पराग्वे ओलंपिक समिति ने लुआना को अनुशासनहीनता के आरोप में दी सजा, इससे नाराज 20 वर्षीय एथलीट ने संन्यास लेने की घोषणा कर दी

पराग्वे की तैराक लुआना डिज्नीलैंड घूमने गई तो उन्हें खेलगांव से निकाला गया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. सिर्फ 20 साल की उम्र में पराग्वे की युवा तैराक लुआना अलोंसो ने संन्यास की घोषणा कर सबको चौंका दिया था। हालांकि लुआना ने यह कदम उन्हें पेरिस ओलंपिक के खेलगांव से निकाले जाने के बाद लिया है। पराग्वे की इस युवा एथलीट को उनके देश की ओलंपिक समिति ने अनुचित व्यवहार के कारण पेरिस ओलंपिक के खेलगांव से बाहर निकाल दिया गया। अपने खेल से ज्यादा ग्लैमर के लिए मशहूर लुआना यहां महिलाओं की 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

साथियों की हौसलाअफजाई के बजाय घूमने को तरजीह दी

दरअसल लुआना पेरिस ओलंपिक में साथी खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करने के बजाय नियमों के विरुद्ध पेरिस स्थित डिज्नीलैंड घूमने निकल गईं। पराग्वे ओलंपिक समिति की प्रमुख लारिसा शायर ने कहा, लुआना की उपस्थिति टीम के भीतर एक अनुचित माहौल पैदा कर रही थी, इसलिए अनुशासहीनता के कारण उन्हें खेलगांव से बाहर करने का फैसला लिया गया।

0.24 सेकेंड से चूकीं: हालांकि अलोंसो ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उन्होंने महज 0.24 सेकेंड से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफिकेशन से चूकने के बाद अचानक संन्यास की घोषणा कर दी।

पेरिस में स्पर्धा के दौरान लुआना अलोंसो।

कायलिया नेमौर, अल्जीरिया

17 वर्षीय नेमौर जिम्नास्टिक में गोल्ड जीतने वाली पहली अफ्रीकी

अल्जीरिया की जिम्नास्ट कायलिया नेमौर ने इतिहास रचते हुए पेरिस ओलंपिक के अनइवन बार स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। वह कलात्मक जिम्नास्टिक में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली अफ्रीकी एथलीट बन गई हैं। यह 2012 के बाद अल्जीरिया का पहला जबकि ओलंपिक इतिहास का कुल छठा गोल्ड है। जीत के बाद नेमौर ने कहा, मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा कि मैंने इतिहास रच दिया है। यह किसी सपने के सच होने जैसा है।

खेल भावना का शानदार उदाहरण

बाइल्स और जॉर्डन स्वर्ण विजेता रैबेका के सम्मान में झुकीं

पेरिस ओलंपिक के दौरान रैबेका को सम्मान देती सिमोन और जॉर्डन (दाएं)।

पेरिस @ पत्रिका. अमरीका की स्टार जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में खेल भावना का शानदार परिचय दिया। बाइल्स फ्लोर फाइनल में रजत पदक ही जीत सकीं और ब्राजील की रेबेका एंड्रेड से कुछ पीछे रह गईं। अमरीका की ही जॉर्डन चिल्स ने कांस्य जीता। पोडियम पर जब पदक पहनाने की बारी आई तो बाइल्स व जॉर्डन ने रेबेका के सम्मान में झुककर उन्हें बधाई दी। ये तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

पत्रिका पोल

Q तख्ता पलट के बाद क्या नई सरकार बांग्लादेश में शांति और स्थिरता दे पाएगी?

कल का सवाल था
क्या स्कूलों में स्मार्टफोन पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए?

जवाब
94% हां — 06% नहीं

स्कैन करें...

इंडिया @ शॉर्ट रीड

छत्तीसगढ़ टनल फर्नेस में आग से चार झुलसे

जगदलपुर @पत्रिका. जगदलपुर के नगरनार स्टील प्लांट में मंगलवार को शॉर्ट सर्किट से टनल फर्नेस में आग लगने से 4 लोग झुलस गए। दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। आधिकारियों ने बताया कि ब्रेकर मेंटेनेंस का काम किया जा रहा था। तभी जोरदार विस्फोट हो गया। गंभीर रूप से झुलसे दो कर्मचारियों को रायपुर रेफर किया गया है।

एमपी खदान में निकला 75 लाख का हीरा

पन्ना @पत्रिका. पन्ना जिले में मंगलवार को ग्राम जरुआपुर के किसान दिलीप मिस्त्री को 16.10 कैरेट वजन वाला जेम क्वालिटी का बेशकीमती हीरा मिला है। बीते एक पखवाड़े में पन्ना की उथली खदान से मिला यह दूसरा बड़ा हीरा है। हीरा व्यापार से जुड़े लोग इस हीरे की अनुमानित कीमत 75 लाख रुपए से ज्यादा बता रहे हैं। मिस्त्री ने पांच माह पूर्व फरवरी में अपनी निजी कृषि भूमि में हीरा खदान का पट्टा बनवाया था।

पंजाब देश के सबसे ऊंचे तिरंगे का वीडियो जारी

अटारी @पत्रिका. सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के डिप्टी कमांडेंट दविंदरपाल सिंह ने मंगलवार को पंजाब के जेसीपी अटारी में भारत के सबसे ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज को दर्शाने वाला एक वीडियो और 78वें स्वतंत्रता दिवस को समर्पित बुकलेट जारी की। भारत का यह सबसे ऊंचा 418 फीट का तिरंगा झंडा चार फीट के चबूतरे पर लगाया गया है, जो इसे अटारी सीमा पर एक प्रमुख आकर्षण बनाता है।

बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें : असम से उत्तरप्रदेश तक पानी और हादसे

देश के ज्यादातर हिस्सों में रुक-रुककर भारी बारिश का दौर जारी है। कई जगह जल भराव और भारी बारिश ने मुश्किलें पैदा कर दीं। असम की राजधानी गुवाहाटी में घुटनों तक पानी में गुजरते लोग। दूसरी ओर यूपी के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर के पास जर्जर मकान गिरने से कुछ लोग घायल हो गए। एनडीआरफ ने बचाव शुरू किया।

वर्ल्ड @ शॉर्ट रीड

ब्रिटेन भारतीयों के लिए ट्रेवल एडवाइजरी जारी

लंदन@पत्रिका. ब्रिटेन में जारी हिंसा और अशांति को देखते हुए मंगलवार को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने अपने नागरिकों के लिए ट्रेवल एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में भारतीय मूल को लोगों को सावधानी बरतने को कहा गया है। विशेषकर उन क्षेत्रों से बचना चाहिए, जहां प्रवासी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। साउथपोर्ट में चाकूबाजी की घटना में तीन बच्चियों की मौत के बाद ब्रिटेन में अशांति और हिंसा फैली हुई है।

जॉर्डन हमले के लिए हवाई क्षेत्र का उपयोग नहीं

अम्मान@पत्रिका. जॉर्डन ने मध्य पूर्व में जारी तनाव को देखते हुए निर्णय लिया है कि वह किसी भी देश को हमला करने के लिए अपने हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। स्काई न्यूज अरेबिया के मुताबिक जॉर्डन ने कथित तौर पर अमरीका, इजरायल और ईरान को इस बारे में आगाह किया है।

श्रीलंका 22 भारतीय मछुआरे गिरफ्तार

कोलंबो@पत्रिका. श्रीलंका की नौसेना ने देश के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से घुसकर मछली पकड़ने पर 22 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। नौसेना ने मंगलवार को कहा कि कुदिरामलाई पॉइंट के पास समुद्री सीमा में मछली पकड़ने पर ये गिरफ्तारी की गई।

पश्चिम एशिया : इराक में अमरीकी बेस पर हमला, ईरान में मिसाइल लॉन्चरों की हलचल

अगले 48 घंटे इजरायल पर हो सकते हैं भारी, वॉर रूम से बाइडन की नजर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन. इजरायल पर ईरानी हमले की आशंकाओं के बीच तेहरान ने मंगलवार को उड़ान सुरक्षा चेतावनी के तहत 'नोटिस टू एयरमैन' जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि 7 और 8 अगस्त को पश्चिमी ईरान में गन-फाइरिंग की गतिविधियों का खतरा है। इसमें समुद्र तल से 12,000 फीट की ऊंचाई तक खतरे का क्षेत्र निर्धारित किया गया है। इसी के साथ जॉर्डन ने भी इसी तरह की चेतावनी जारी की है। इसको इजरायल पर ईरानी हमले का एक संकेत माना जा रहा है।

वहीं, बदलते घटनाक्रम के मद्देनजर, दुनिया की बड़ी ताकतें हालात पर करीब से नजर रख रही हैं। रूसी सुरक्षा प्रमुख सर्गेई शोइगु ने जहां ईरान पहुंचकर जहां ईरानी राष्ट्रपति से मुलाकात की है, वहीं अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी वाइट हाउस के सिचुएशन रूम में पहुंचकर राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में हालात का जाएजा लिया। बैठक में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस समेत अमरीका के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री भी मौजूद थे। बाइडन को इराक में मौजूद अमरीका के अल असद एयरबेस पर हमले की जानकारी भी दी गई, जिसमें 5 अमरीकी सैनिक घायल हुए। बाइडन को ईरान में मिसाइल लॉन्चरों की आवाजाही के साथ नए अंडरग्राउंड बेस के बारे में बताया गया। पर इस बारे में अधिक स्पष्टता नहीं थी कि हमला कब और कैसे होगा।

इराक में अमरीकी सैन्य बेस पर हमला (इनसेट में) और ईरान के इजरायल पर हमले की आशंकाओं के मद्देनजर अमरीकी राष्ट्रपति ने सिचुएशन रूम में स्थिति का जाएजा लिया।

दो तरह के हमलों की आशंका

अमरीकी सुरक्षा परिषद की बैठक में राष्ट्रपति बाइडन और वीपी हैरिस को बताया गया कि खुफिया एजेंसियों को इजरायल पर दो तरह के हमलों की आशंका है। एक हिजबुल्लाह की ओर से और दूसरा ईरान और उसके कई अन्य प्रॉक्सी संगठनों की ओर से। हालांकि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि पहले हमला कौन करने जा रहा है और वे किस प्रकार का हमला करने जा रहे हैं। बैठक के बाद वाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि इराक में हमारे सैन्य बलों पर हमलों को देखते हुए उनकी रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, हमारे कर्मियों पर किसी भी हमले का जवाब सही समय और सही स्थान पर देने के बारे में भी चर्चा हुई। बयान में यह भी कहा गया है कि वाइट हाउस चौबीसों घंटे यह प्रयास कर रहा है कि पश्चिम एशिया में जंग को टाला जा सके।

जवाबी कार्रवाई हमारा हक: ईरानी राजदूत

भारत में ईरान के राजदूत डॉ. इराज इलाही ने कहा है कि अपने देश की सुरक्षा करना हमारा अधिकार है। हम जवाबी कार्रवाई कैसे करेंगे, इस पर विचार चल रहा है। पर इतना तय है कि हम जवाबी कार्रवाई करेंगे।

पुतिन का खामेनेई से संयम बरतने का आग्रह

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई से हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या पर संयम बरतने का आह्वान किया। यह अपील रूसी सुरक्षा प्रमुख सर्गेई शोइगु ने ईरानी अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान की। बैठक में ईरान की ओर से रूसी मिसाइल डिफेंस सिस्टम एस-400 की आपूर्ति पर भी चर्चा हुई है।

अब दरवेश के हाथों में हमास का नेतृत्व

हमास ने मुहम्मद इस्माइल दरवेश को अपना नया प्रमुख चुना है। कतर में रहने वाले दरवेश हमास के राजनीतिक ब्यूरो के प्रमुख के रूप में इस्माइल हानिया की जगह लेंगे।

हिजबुल्लाह का इजरायल पर ड्रोन हमला, सात घायल

इस बीच इजरायल के पश्चिमी गैलिली में हिजबुल्लाह के ड्रोन हमले में मंगलवार को कम से कम सात लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। इजरायल सेना के अनुसार, घायलों में से कम से कम एक व्यक्ति आयरन डोम इंटरसेप्टर मिसाइल के खराब होने के कारण ड्रोन की जद में आ गया। वहीं, इसके बाद इजरायल ने भी लेबनान में हिजबुल्ला के कई ठिकानों पर हमला किया है, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई।

अमरीकी चुनाव : रिपब्लिकन लोगों को अजीब कहकर चर्चा में आए थे टिम

कमला ने टिम वाल्ज को चुना डेमोक्रेटिक पार्टी से उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार

अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव 2024

वॉशिंगटन. अमरीका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस ने मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज को वाइस प्रेसिडेंट दावेदार के रूप में अपना सहयोगी चुना है। यानी टिम अब डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे।

पूर्व फुटबॉल कोच रहे वॉल्ज की पहचान ग्रामीण इलाकों में मजबूत जड़ों वाले उदार नीति-निर्माता की रही है, जिन्होंने हाल में रिपब्लिकन पार्टी के लोगों अजीब लोग कहकर सुर्खियां बटोरी थीं। वाल्ज कई बार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की आलोचना को लेकर भी चर्चा में रह चुके हैं। हैरिस ने 60 वर्षीय वाल्ज को चुनने के पीछे कारण बताते हुए लिखा कि, वाल्ज के बारे में जो चीज सबसे अलग लगी वह है कि मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए लड़ने की प्रतिबद्धता।

हैरिस को मिले पार्टी के 99 फीसदी वोट

उधर, डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी का वर्चुअल रोल कॉल मंगलवार को संपन्न हो गया है। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने घोषणा की है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भाग लेने वाले 99% प्रतिनिधियों के वोट प्राप्त हुए हैं। इसी के साथ, मंगलवार को जारी एक बयान में डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के अध्यक्ष जैमे हैरिसन और डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन कमेटी के अध्यक्ष मिनियन मूर ने कहा कि अब वे औपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हो गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

अशोकन अपने खर्चे से अखबारों में माफीनामा प्रकाशित कराएं

नई दिल्ली@पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन से कहा कि उन्हें अपमानजनक बयानों के लिए सभी प्रमुख अखबारों में माफी प्रकाशित करनी होगी। इसका खर्च उन्हें खुद उठाना होगा।

एक मीडिया संस्थान को दिए इंटरव्यू में, डॉ. अशोकन ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में एलोपैथी चिकित्सकों के खिलाफ टिप्पणी की थी। न्यायाधीश हिमा कोहली की अध्यक्षता वाली पीठ ने आईएमए प्रमुख को मंगलवार को यह आदेश सुनाया।

हिरोशिमा दिवस शांति के लिए निकाली रैली

मुंबई. हिरोशिमा दिवस पर मंगलवार को बच्चों ने शांति रैली निकाली। 6 अगस्त 1945 को परमाणु हमले में एक लाख 40 हजार लोग मारे गए थे।

ब्रिटेन बच्चियों की मुस्कुराहट के लिए

ब्रिटेन के साउथपोर्ट में पिछले दिनों चाकू से बच्चियों पर किए गए हमले के पीड़ितों की याद में सतर्कता अभियान के तहत टाउन हॉल के बाहर बच्चे बुलबुले बनाकर खेलते हुए। पिछले हफ्ते हुई इस चाकूबाजी के विरोध में पूरे ब्रिटेन के शहरों और कस्बों में हिंसा और अशांति देखी गई है, जिसमें अब तक 400 से अधिक लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

चर्चा में चेहरा

छात्र आंदोलन को इतना ताकतवर बनाया कि हसीना सरकार चली गई

ढाका@पत्रिका. बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन ने आखिर देश की सत्ता को उखाड़ दिया। इस छात्र आंदोलन के अगुवा रहे ढाका यूनिवर्सिटी के छात्र नाहिद इस्लाम।

कौन हैं नाहिद

32 साल के नाहिद मानवाधिकार एक्टिविस्ट होने के साथ ही स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन संगठन के को-ऑडिनेटर भी हैं। आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलन की बागडोर नाहिद ने संभाली और उनकी एक आवाज पर आंदोलन इतना बड़ा हो गया कि देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा।

कब और कैसे शुरू हुआ आंदोलन

जून 2024 में बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा युद्ध के रिटायर और स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए 30% कोटा बहाल करने के बाद आंदोलन शुरू हुआ। नाहिद ने इसके खिलाफ आवाज बुलंद की। 19 जुलाई को आधी रात उन्हें घर से अगवा कर लिया और प्रताड़ित किया। दो दिन बाद एक पुल के नीचे बेहोशी की हालत में मिले। 26 जुलाई को पुलिस फिर उठाकर ले गई और आंदोलन खत्म करने की अपील का वीडियो बनवाया। जेल से छूटने के बाद नाहिद ने फिर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से आंदोलन की कड़ी से कड़ी जोड़ी।

विचारों से प्रभावित होकर लोग जुड़े

नाहिद का जन्म एक सामान्य परिवार में हुआ। विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान ही राजनीति में रुचि लेने लगे। नाहिद ने अपनी लड़ाई की शुरुआत सोशल मीडिया से की, जहां वह सरकार की नीतियों और कार्यों पर सवाल खड़े करने लगे। उनके विचारों ने लोगों को आकर्षित किया और लीडर के रूप में उभरे।

अब क्या चाहते हैं

नई सरकार के लिए नाहिद ने यह साफ कर दिया कि उन्हें सेना के नियंत्रण वाली या सेना के समर्थन वाली सरकार मंजूर नहीं। नाहिद ने कहा , हम नया लोकतांत्रिक बांग्लादेश बनाएंगे।

2018 में एक लाख लोग जोड़े

साल 2018 में नाहिद ने बांग्लादेश में शिक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर ऑनलाइन अभियान शुरू किया, जिसे 1 लाख से अधिक लोगों ने समर्थन दिया था। 2020 में उन्होंने सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ वीडियो जारी किया, जो कि पूरे देश में वायरल हो गया था।

हसीना का बयान वायरल

'बंगाल की खाड़ी को अमरीका के लिए छोड़ दिया होता तो सत्ता में रहती'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बयान की आखिरी पंक्ति में लिखा है, 'मेरे देशवासियों, स्वस्थ रहें, मेरे सुनहरे बांग्लादेश का खयाल रखना, जय बांग्ला जय बंगबंधु, ***-शेख हसीना।***

ढाका. बांग्लादेश के मीडिया के एक वर्ग में सोमवार देर रात से अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का एक बयान प्रसारित हो रहा है जिसमें हसीना ने देश में हुई घटनाओं के लिए विदेशी साजिश की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह फिर से लौटेंगी और जो लोग हिंसा कर रहे हैं, उन्हें सजा मिलेगी। हालांकि इस बयान के अधिकृत होने की पुष्टि नहीं हो सकी है और ना ही इसका कोई खंडन आया है। सोशल मीडिया पर बंगला भाषा में आए इस बयान में कहा गया, 'मैंने इस्तीफा दे दिया। अब आपको तो सिर्फ लाशों का जुलूस देखना है। वे आपकी (छात्रों की) लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे, मैंने इसकी इजाज़त नहीं दी। मैं सत्ता में जीत कर आई थी। यदि मैंने सेंट मार्टिन और बंगाल की खाड़ी को अमरीका के लिए छोड़ दिया होता तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।'

बयान में कहा गया, 'कृपया खुद का इस्तेमान न होने दें। मैं यह कहने आई हूं कि जो लोग मेरे प्यारे बच्चों की लाशें लाएंगे, उन्हें सजा मिलेगी। शायद आज मैं देश में होती तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संपत्ति नष्ट होती। इसलिए मैंने खुद को हटा लिया। मैं आपकी जीत के साथ आई थी, आप मेरी ताकत थे, आपने मुझे नहीं चाहा, तो मैं खुद ही चली गई, इस्तीफा दे दिया। मेरे (पार्टी के) सहयोगी, जो वहां हैं, हिम्मत नहीं हारेंगे। अवामी लीग बार-बार खड़ी हुई है। निराश मत होइए। मैं जल्द लौटूंगी इंशा अल्लाह। हार मेरी है लेकिन जीत बांग्लादेश के लोगों की है।

बयान में कहा गया, 'अल्लाह आपकी मदद जरूर करेगा। मैं अपने युवा छात्रों से दोहराना चाहूंगी, मैंने आपको कभी रजाकार नहीं कहा। मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप उस दिन का पूरा वीडियो देखें।

ट्रेंडिंग न्यूज

इमरान की गिरफ्तारी का एक साल पूरा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के एक साल पूरे होने के मौके पर उनकी पार्टी पीटीआइ ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रैली निकाली। पार्टी इस्लामाबाद में भी ऐसा रैली जल्द निकालेगी।

भारतीयों के लिए सुरक्षित बनाएं अमरीका

भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने अमरीकी राजदूत एरिक गार्सेटी से अपील की है कि भारतीय छात्रों के लिए अमरीकी विश्वविद्यालय परिसरों को सुरक्षित बनाएं। चंद्रशेखर का बयान गार्सेटी के अमरीकी एजुकेशन फेयर से जुड़े पोस्ट के बाद आया है।

सुरक्षाबल जनता के साथ खड़े हों

वेनेजुएला में हाल में हुए चुनावों में जीत का दावा करने वाले विपक्ष के नेताओं एडमंडो गोंजालेज और मारिया कोरिना मचाडो ने सोशल मीडिया पर सुरक्षा बलों से आह्वान किया है कि वे जनता के साथ खड़े हों।

मल्लिकार्जुन देश के सबसे बड़े शैव मंदिरों में से एक

यहां दिव्य ज्योति में विराजित हैं शिव-पार्वती

ज्योतिर्लिंग यात्रा... 05

श्री मल्लिकार्जुन स्वामी दूसरे ज्योतिर्लिंग हैं। आंध्र प्रदेश के दक्षिणी भाग में कृष्णा नदी के किनारे नल्लामाला पहाड़ी जंगलों में श्री शैलम पर्वत पर स्थित है, जो हैदराबाद से लगभग 215 किलोमीटर दूर है। इसे 'तेलुगू क्षेत्र का काशी' और दक्षिण भारत का कैलास भी कहा जाता है। यह भारत के सबसे बड़े शैव मंदिरों में से एक है। सावन में यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं। सावन में वर्षाकाल रहता है, इसलिए यहां की प्राकृतिक छटा भी निखर जाती है। पुराणों में बताया गया है कि मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त रूप से दिव्य ज्योतियां विराजमान हैं।

मान्यता : अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है : मान्यता है कि मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग की पूजा करने पर भक्त को अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होता है और भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। मान्यता है कि सावन मास में भगवान मल्लिकार्जुन की पूजा करने पर व्यक्ति को सुख-सौभाग्य और वैभव की प्राप्ति होती है।

रूठकर चले आए थे कार्तिकेय

शिव पुराण के अनुसार, भगवान गणेश का विवाह उनके बड़े भाई कार्तिकेय से पहले हुआ था। इस बात से नाराज होकर कार्तिकेय क्रौंच पर्वत पर चले गए। देवताओं ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। फिर शिव-पार्वती गए, लेकिन कार्तिकेय नहीं माने। इससे आहत हो कर भगवान शिव ने ज्योतिर्लिंग का रूप धारण किया। फिर मल्लिकार्जुन नाम से इसी पर्वत पर रहने लगे। मल्लिका का अर्थ है पार्वती, जबकि अर्जुन शिव का ही एक अन्य नाम है।

नवाचार आइआइटी इंदौर ने भारतीय सेना को भेजी 10 जोड़ी जूतों की पहली खेप

जवानों के चलने से इन जूतों से बनेगी बिजली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. भारतीय सेना अब और तकनीक संपन्न होने जा रही है। भारतीय सेना के जवानों के जूते अब बिजली पैदा करेंगे। इन जूतों से जवानों की लोकेशन का भी पता चल जाएगा। इंदौर आइआइटी ने सेना के लिए ये खास जूते तैयार किए हैं। मंगलवार को आइआइटी इंदौर की ओर से बताया कि इन जूतों को ऐसे डिजाइन किया गया है कि फौजी जब इन्हें पहनकर चलेंगे तो हर कदम पर बिजली बनेगी। पहली खेप में दस जोड़ी जूते आइआइटी इंदौर ने सेना को भेज दिए हैं।

विशेष प्रकार के इन जूतों में जीपीएस होने से यह लोकेशन भी बताएंगे, जिससे निगरानी में मदद मिलेगी।

इनके लिए भी कारगर

इन जूतों का इस्तेमाल अल्जाइमर पीड़ित बुजुर्ग, स्कूली बच्चे और पर्वतारोहियों की लोकेशन पता लगाने में भी किया सकता है। कारखानों में कामगारों की उपस्थिति और उनके काम की निगरानी में भी ये जूते कारगर साबित हो सकते हैं।

जूतों में जमा बिजली से चलेंगे छोटे उपकरण

आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर आइए पलानी के मार्गदर्शन में बनाए गए जूते ट्राइबो-इलेक्ट्रिक नैनोजेनरेटर (टेंग) तकनीक से बनाए गए हैं। पैदल चलने से बनने वाली बिजली को जमा करने के लिए जूतों के तलों में एक यंत्र लगाया गया है। इसमें बिजली स्टोर रहेगी। इससे छोटे उपकरण चलाए जा सकेंगे। जूतों में जीपीएस और रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआइडी) तकनीक भी लगी है। इस तकनीक से जवानों की लाइव लोकेशन का पता सेना लगा सकेगी।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''